वर्ष 72 अंक 230 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 19 मई, 2025
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

> उत्पादकता कभी भी संयोग नहीं होती। यह हमेशा उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता, बुद्धिमत्तापूर्ण योजना और केंद्रित प्रयास का परिणाम होती है।
> – **पॉल जे. मेयर**

हैदराबाद के गुलजार हाउस में भीषण आग, 17 की मौत

मृतकों में 8 बच्चे भी शामिल, संकरी सीढ़ी की वजह से रेस्क्यू में आई मुश्किल

हैदराबाद, जेएनएन। हैदराबाद में चारमीनार के पास गुलजार हाउस में रविवार सुबह एक इमारत में आग लग गई। हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई है। मृतकों की संख्या बढ़ भी सकती है। दरअसल इमारत में 30 से ज्यादा लोग मौजूद थे। मृतकों में 8 बच्चे भी शामिल हैं।

फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियों ने 2 घंटे में आग पर काबू पाया। 15 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर है। हादसे में संपत्ति के नुकसान का अंदाजा भी नहीं लगाया जा सका है। जिला प्रशासन नुकसान का आकलन कर रहा है।

फायर डिपार्टमेंट का कहना है कि रविवार सुबह 6.16 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद टीम मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। कई लोग बेहोशी की हालत में मिले और 15 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

पुलिस के मुताबिक, बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर ज्वेलरी की दुकानें थीं और ऊपर के फ्लोर पर लोग रहते थे। आग दुकानों में लगी और ऊपर तक फैल गई। बिल्डिंग में सिर्फ एक संकरी सीढ़ी थी, जिससे लोग बाहर नहीं निकल सके और दम घुटने से मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग लगने से पूरे चारमीनार इलाके में अफरातफरी का माहौल था। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने की भी कोशिश की।

पुलिस ने ऐसे 17 लोगों को चिन्हित किया है, जिन्होंने अफवाह फैलाने की कोशिश की। इन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, अफरातफरी के बीच यह जल्दी स्पष्ट कर दिया गया कि यह सामान्य अग्निकांड है, इसके पीछे कोई साजिश नहीं है। पुलिस ने लोगों को अफवाहों से सावधान रहने के लिए कहा है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

धू-धू कर जलती गुलजार हाउस की इमारत। फायर ब्रिगेड की 11 गाड़ियों ने दो घंटे में पाया आग पर काबू।

इमारत में था सुरंग की तरह महज दो मीटर का प्रवेश द्वार

तेलंगाना आपदा प्रतिक्रिया और अग्निशमन सेवा महानिदेशक, वाई नागी रेड्डी ने कहा, हम 17 लोगों बच नहीं पाए। शुरुआती जांच से पता चलता है कि आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट था। आग से लड़ने और लोगों को बचाने में अग्निशमन विभाग ने कोई कमी नहीं रखी। इमारत में सुरंग की तरह केवल दो मीटर का एक प्रवेश द्वार था। पहली और दूसरी मंजिल तक पहुंचने के लिए केवल एक मीटर की सीढ़ी है। इससे बचने और बचाव अभियान बहुत मुश्किल हो गया। हालांकि, आग पर जल्दी काबू पा लिया गया। आग इतनी विकराल थी कि उसे बुझाने में काफी समय लग सकता था पर दमकल ने तेजी दिखाई।

सोलापुर में फैक्ट्री में आग, 8 लोग जिंदा जले

सोलापुर, जेएनएन। महाराष्ट्र के सोलापुर में रविवार तड़के एक कपड़ा फैक्ट्री में लगी भीषण आग में आठ लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन महिलाएं और एक डेढ़ साल का बच्चा शामिल है। यह आग लगभग 13 घंटे तक धधकती रही। अधिकारियों के अनुसार, आग पर काबू पाने के प्रयास में तीन अग्निशमन कर्मी भी घायल हो गए। हादसा सोलापुर एमआईडीसी स्थित सेंट्रल टेक्सटाइल मिल्स में सुबह करीब 3.45 बजे हुआ। फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगी। मृतकों में फैक्ट्री के मालिक हाजी उस्मान हसनभाई मंसूरी और उनके एक पोते सहित परिवार के तीन सदस्य शामिल हैं। चार श्रमिकों की भी मौत हो गई है। दमकल विभाग ने आग बुझाने के लिए 100 से अधिक पानी के टैंकर, अग्निशमन वाहन और विभिन्न टीमों के कई कर्मियों को लगाया लेकिन आग पर करीब 13 घंटे बाद शाम 5 बजे काबू पाया जा सका। अग्निशमन कर्मियों ने जब फैक्ट्री परिसर की एक इमारत की दीवार तोड़ी, तब यह परिवार एक बेडरूम में मृत मिला। पास के ही कमरे में चारों मजदूर मृत मिले। पीएम मोदी ने घटना पर शोक जताया है।

मामा के लड़के को बचाने नदी में कूदे दो भाई, तीनों की मौत

बैंक की छुट्टी में बुआ के घर आया था मामा का लड़का

जागरण, मऊगंज। विंध्य के मऊगंज से एक हृदय विदारक मामला सामने आया है, जहां नदी में डूबने से दो परिवारों के तीन युवकों की डूबने से मौत हो गई। इनमें एक मामा का लड़का था और दो सगे भाई। बैंक में नौकरी करने वाला मामा का लड़का डूबने लगा तो उसे बचाने के लिए दोनों भाई भी नदी में कूद गए। उसे बचाते-बचाते दोनों भाई भी गहराई तक पहुंच गए। इससे तीनों की मौत हो गई।

यह हादसा रविवार सुबह का है, जब तीनों भाई मऊगंज जिले के पैपखार गांव की निहाई नदी में नहाने गए थे। मामा का लड़का अभिषेक मिश्रा (24) शनिवार की छुट्टी में बुआ के घर आया था। जब वह डूबने लगा तो दोनों भाई अमन तिवारी (18), अभय तिवारी (17) उसे बचाने कूद पड़े। उन्हें भी नदी की गहराई का अंदाजा नहीं रहा। उनकी चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग भी पहुंच गए। मगर उन्हें बचाया नहीं जा सका। सूचना पर पहुंची पुलिस की मौजूदगी में करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद तीनों को नदी से निकाला जा सका। परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। अभिषेक एचडीएफसी बैंक की मऊगंज ब्रांच में क्लर्क था।

अभिषेक मिश्रा | अभय तिवारी | अमन तिवारी

चेक डेम में नहा रहे युवक को मोटर के सक्शन ने खींचा, मौत

वहीं, सतना के गांव में नाले के चेक डैम में नहा रहे एक युवक को वहां लगी मोटर के सक्शन ने खींच लिया। इससे युवक की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक 25 वर्षीय धीरेन्द्र यादव रविवार दोपहर को मझगवां थाना क्षेत्र के पटना गांव के सेहा नाले के चेक डेम में नहाने उतरा था। युवक जैसे ही पानी में उतरा वह गहरे गड्ढे और मोटर के दबाव में खिंचता चला गया। डेम की मोटर के सक्शन ने उसे खींच लिया। उसे डूबता देख कई लोग पहुंच गए। पुलिस को भी बुला लिया गया, लेकिन कई घंटे तलाश करने के बाद भी उसका कुछ पता नहीं लगा। फिर उसकी खोज करने जेसीबी बुलाकर चेक डैम की दीवार तोड़ी गई। करीब साढ़े तीन घंटे बाद शव को बाहर निकाला जा सका। इस चेक डेम पर इंडो न्यूक्लियर प्राइवेट लिमिटेड ने पानी खींचने के लिए करीब 15 फीट गहरा गड्ढा खुदवाया है। गड्ढा खुदवाने के बाद कंपनी ने कोई सुरक्षा व्यवस्था नहीं की है।

सीबीआई करेगी जेईई मेन्स रिजल्ट में गड़बड़ी की जांच

नई दिल्ली, जेएनएन। जेईई (मेन्स) 2025 के स्कोरकार्ड में कथित गड़बड़ी को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि सीबीआई फॉरेंसिक जांच के माध्यम से सच का पता लगाए। दो छात्रों ने दावा किया था कि उनके रिजल्ट में गड़बड़ी हुई है। जस्टिस विकास महाजन ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए कहा कि जांच सेंट्रल फरेंसिक साइंस लैबोरेटरी और सीबीआई करेगी। मामले की अगली सुनवाई 23 मई को होगी। निर्देश के मुताबिक, छात्रों को कोर्ट रजिस्ट्री को अपनी रजिस्टर्ड ईमेल आईडी उपलब्ध करानी होगी ताकि सीएफएसएल वेरिफिकेशन किया जा सके। सीएफएसएल के डायरेक्टर से कहा कहा गया है कि वह मामले की जांच करके 22 मई तक रिपोर्ट सील कवर में कोर्ट में जमा कराएं। बता दें कि याचिकाकर्ताओं ने दावा किया था कि एनटीए की वेबसाइट पर पहले से ही स्कोरकार्ड दिखाई दे रहा था। लेकिन बाद में उसे गलत स्कोरकार्ड से रिप्लेस कर दिया गया। एक याचिकाकर्ता ने कहा कि उसका ओरिजिनल स्कोरकार्ड उसे जेईई एडवांस में बैठने के योग्य था। कोर्ट ने कहा कि जेईई एडवान्स्ड का नतीजा दो जून को आ सकता है, उससे पहले ही जांच पूरी करनी होगी।

विडंबना | गुजरात हाईकोर्ट ने दी थी अबॉर्शन की इजाजत लेकिन करानी पड़ी डिलीवरी

13 वर्षीय रेप पीड़िता ने दिया बच्ची को जन्म

राजकोट, जेएनएन। राजकोट में रविवार को दुष्कर्म पीड़ित 13 वर्षीय मासूम ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। खेलने-कूदने की उम्र में मां बनी इस बच्ची के साथ उसके ही चचेरे भाई और उसके दोस्त ने दुष्कर्म किया था। बच्ची को 33 हफ्ते का गर्भ था। 12 मई को गुजरात हाईकोर्ट ने अबॉर्शन की इजाजत दी थी लेकिन मेडिकल कॉम्प्लीकेशन की वजह से डिलीवरी करानी पड़ी। बच्ची के पेट में पल रहे भ्रूण का वजन दो किलो था। इसके अलावा नाबालिग को एनीमिया था। ऐसे में लड़की को जान का खतरा था। अतः डॉक्टर्स ने अबॉर्शन की जगह सिजेरियन (ऑपरेशन से डिलीवरी) को बेहतर समझा। यह देश का पहला मामला है, जब कोर्ट ने 33 हफ्ते की प्रेग्नेंसी में अबॉर्शन की अनुमति दी थी। इससे पहले 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने 32 हफ्ते के गर्भपात की अनुमति दी थी।

दोनों आरोपी भी हैं नाबालिग

महाराष्ट्र की एक महिला का 2022 में तलाक हो गया था। महिला के दो बच्चे भी थे। इसके बाद उसने राजकोट में रहने वाले एक युवक से दूसरी शादी कर ली थी। इसी दौरान महिला अपनी 13 साल की बेटी के साथ 27 अप्रैल 2025 को महाराष्ट्र में अपनी बहन के घर गई थी। यहां बेटी ने पेट दर्द की शिकायत की तो सरकारी अस्पताल में जांच कराई। इसमें पता चला कि बच्ची 20 से 22 हफ्ते की प्रेग्नेंट है। इसके बाद मामला पुलिस तक पहुंचा और महिला पुलिस की काउंसलर ने बच्ची से पूरी सच्चाई जानी। बच्ची ने उन्हें बताया कि राजकोट में उसके चचेरे भाई साहिल (बदला हुआ नाम) और उसके दोस्त ने कई बार उससे दुष्कर्म किया था। बच्ची की मां ने चालीसगांव थाने (जलगांव जिला) में आरोपी और उसके दोस्त के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मामला महाराष्ट्र में दर्ज हुआ था, जिसे बाद में राजकोट स्थानांतरित कर दिया गया। राजकोट पुलिस ने 29 अप्रैल को मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू की। आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि दुष्कर्म के दोनों आरोपी भी नाबालिग हैं। कोर्ट के आदेश पर दोनों नाबालिग सुधार गृह में हैं। रेप का मामला दर्ज होने के बाद बच्ची और उसके परिवार के लिए सबसे बड़ी चिंता उसे पेट में पल रहे भ्रूण को लेकर थी। बीती 2 मई को नाबालिग आरोपियों की गिरफ्तारी हुई। इसके अगले दिन यानी कि 3 मई को बच्ची के परिवार ने राजकोट की निचली अदालत में गर्भपात के लिए याचिका दायर की। जब निचली अदालत ने मेडिकल रिपोर्ट मांगी तो पता चला कि नाबालिग को अब 31 हफ्ते और 6 दिन गर्भ था।

गुजरात की जीत के साथ आरसीबी और पंजाब भी प्लेऑफ में (पेज 11)

अब 10 मुहूर्त शेष, आठ जून से 145 दिन के लिए विराम

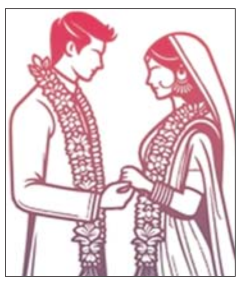

जागरण,रीवा। 14 अप्रैल से आरम्भ हुए विवाह समारोहों पर आठ जून से 145 दिन के लिए फिर से विराम लग जाएगा। 12 जून को गुरु ग्रह अस्त हो जाएंगे। ऐसे में मान्यतानुसार गुरु ग्रह के उदय होने तक फिर विवाह नहीं होंगे। जून में अंतिम विवाह मुहूर्त 8 जून को है। गुरु ग्रह 9 जुलाई तक अस्त रहेंगे। वहीं, 6 जुलाई देवशयनी एकादशी से चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। इस कारण जुलाई से 1 नवंबर तक विवाह मुहूर्त नहीं रहेंगे। इस तरह 8 जून से 1 नवम्बर के बीच विवाह समारोहों पर विराम रहेगा। 8 जून तक महज 10 दिन ही विवाह मुहूर्त बचे हैं। इसे देखते हुए विवाह स्थलों की बुकिंग तेज हो गई है। वहीं दूसरी तरफ नगर निगम द्वारा अवैध बारात घरों पर कार्यवाही तेज कर दी गई है, जिससे भविष्य में आयोजन करने वालों को बुकिंग के बाद भी कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बुकिंग जोरों पर

मई व जून में अब विवाह के कम मुहूर्त होने के चलते शहर के मैरिज गार्डन, बारातघर व होटलों की बुकिंग जोरों पर है। टैंट, बैंड व अन्य जरूरी बुकिंग जोरों पर चल रही है। विवाह की खरीदारी का दौर भी जमकर जारी है। सराफा बाजार में विवाह के लिए आभूषण खरीदने लोग उमड़ रहे हैं। सराफा व्यापारियों के अनुसार बीते कुछ दिनों से सराफा बाजार में बिक्री बढ़ गई है। टेंट व्यापारियों ने बताया कि इन बुकिंग अच्छी हुई है। वहीं इसके बाद जब मुहूर्त शुरू होंगे, इसके लिए भी अभी से बुकिंग की जाने लगी है।

27 दिन तक गुरु अस्त, फिर चातुर्मास

ज्योतिषाचार्यो के अनुसार विवाह के लग्न मुहूर्त देखते समय गुरु व शुक्र ग्रह का अच्छी स्थिति में होना जरूरी होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार वर्ष 2025 में 12 जून से से 9 जुलाई के बीच गुरु ग्रह 27 दिन के लिए अस्त होने वाले हैं। गुरु ग्रह अस्त होने के कारण विवाह कार्य नहीं होगा। वहीं 6 जुलाई को देवशयनी एकादशी से चातुर्मास लगने के चलते विवाह नहीं होंगे।

मई-जून में पांच दिन शेष

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार मई में अब 22, 23, 24, 27 और 28 मई को विवाह होंगे। वहीं जून में महज 5 दिन ही विवाह के मुहूर्त बाकी हैं। 2, 4 , 5, 7 व 8 जून को ये मुहूर्त हैं। इस तरह इस सीजन में अब 10 विवाह मुहूर्त बचे हैं।

तीन घंटे तक छावनी में तब्दील रहा सर्किट हाउस

कांग्रेस विधायक अभय ने पूछा- बैठक में मुझे क्यों नहीं बुलाया, प्रभारी मंत्री ने बताया भाजपा कोर कमेटी की बैठक थी

सेमरिया विधायक सहित जिला कांग्रेस ने सर्किट हाउस के सामने दिया धरना

जागरण, रीवा

रविवार को रीवा का सर्किट हाउस 3 घंटे तक छावनी में तब्दील रहा। मेन गेट से लेकर नवीन विश्राम गृह के सामने तक काफी तादात में पुलिस बल तैनात रहा। सभी प्रशासनिक अधिकारी भी मुस्तैद दिखे। वजह थी, रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल की अध्यक्षता में आयोजित कर्मचारी तबादला नीति बैठक में सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को बैठक में न बुलाना और विधायक द्वारा कांग्रेस जिला इकाई के साथ सर्किट हाउस के सामने धरना देना। कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा के साथ दर्जन भर लोग तो अंदर थे, जबकि आधा सैकड़ा समर्थकों को मेनगेट के बाहर ही रोक दिया गया था और वह बाहर जमे हुए थे। हालांकि प्रभारी मंत्री ने उन्हें बुलाया और विधायक सहित कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल के साथ चर्चा की। विधायक ने जब पूछा कि ट्रांसफर नीति की बैठक में उन्हें क्यों नहीं बुलाया गया तो प्रभारी मंत्री ने कहा कि यह तो भाजपा की कोर कमेटी की बैठक थी। हालांकि विधायक ने इसे संवैधानिक अधिकारों का हनन और तानाशाही करार दिया और चले गए। दरअसल प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल शनिवार रात रीवा पहुंचे। रविवार को न्यू सर्किट हाउस में ट्रांसफर नीति को लेकर मीटिंग होनी थी। बताया गया है कि जिला प्रशासन द्वारा सत्ता पक्ष के सभी विधायकों को मीटिंग में उपस्थिति होने की सूचना दी गई। लेकिन जिले के इकलौते कांग्रेस विधायक को न्योता नहीं दिया गया।

इस बात की जानकारी उन्हें शनिवार को ही लग गई और वह अधिकारियों से बात भी किये। वैसे तो अभय मिश्रा बालाघाट में थे, लेकिन बैठक की जानकारी लगते ही रातोंरात चल कर रीवा आ गए। उन्होंने रात में ही वाट्सएप से सीएम-सीएस, विधानसभा अध्यक्ष के साथ ही अन्य अधिकारियों को पत्र भेजकर शिकायत दर्ज करायी। शिकायत में कहा कि ट्रांसफर नीति बैठक कर्मचारियों के हित में सरकार द्वारा आयोजित की जा रही है। इसलिए इस बैठक में दलगत भाव के इतर कांग्रेस विधायक को भी बुलाना चाहिए। विधायक अभय मिश्रा कांग्रेस जिला इकाई के साथ सर्किट हाउस पहुंच गए। बाहर बैठे रहे। उनके कुछ समर्थक गेट के बाहर जमा हो गए। प्रशासन को इस बात का अंदाजा पहले ही हो गया था कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा धरना प्रदर्शन कर सकते हैं। इसलिए प्रशासन द्वारा सुबह सवा 10 बजे ही बज्र बुला ली। कांग्रेस जिला अध्यक्ष इंजी राजेंद्र शर्मा, शहर अध्यक्ष लखन लाल खंडेलवाल, कार्यकारी जिला अध्यक्ष गिरीश सिंह, पूर्व पार्षद विनोद शर्मा सहित दर्जन कांग्रेसी न्यू सर्किट हाउस के समक्ष बाहर ही बैठे रहे। जब प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल आए तो उन्हें सूचना भेजवाई गई। प्रभारी मंत्री ने तहसीलदार को भेज कर सर्किट हाउस के भीतर ले गए और एक कमरे बैठा दिया। विधायक के प्रतिनिधि मंडल में जिला अध्यक्ष व पूर्व पार्षद विनोद शर्मा शामिल रहे। इधर भाजपा विधायकों और पदाधिकारियों के साथ मीटिंग के बाद प्रभारी मंत्री श्री पटेल विधायक अभय मिश्रा से मिलने गए।

पूर्व विधायक अंदर वर्तमान विधायक बाहर

सर्किट में आयोजित बैठक में सेमरिया विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक केपी त्रिपाठी को बुलाया गया था वह अंदर थे और वर्तमान विधायक अभय मिश्रा बाहर थे। मीटिंग में उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, सांसद जनार्दन मिश्रा, देवतालाब विधायक गिरीश गौतम, गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह, सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह और मनगवां विधायक नरेंद्र प्रजापति के साथ ही भाजपा जिला अध्यक्ष व पार्टी के प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे।

बंद कमरे में हुई चर्चा

विधायक अभय मिश्रा के साथ प्रभारी मंत्री ने बंद कमरे चर्चा की। लगभग 20 मिनट तक चर्चा के उपरांत बाहर आए विधायक अभय मिश्रा ने मीडिया से चर्चा में कहा कि प्रभारी मंत्री ने ट्रांसफर नीति की बैठक को भाजपा की कोर कमेटी की बैठक कहकर बचने का प्रयास कर रहे हैं। विधायक ने यह भी कहा कि जब भाजपा की कोर कमेटी की बैठक थी तो फिर प्रशासन द्वारा सत्ता पक्ष के विधायकों को वॉट्सअप से सूचना देकर बुलाया गया। यह भी कहा कि उन्हें बुलाने के लिए मना किया गया था यह बात भी सामने आई। श्री मिश्रा ने कहा कि ट्रांसफर नीति की बैठक से निर्वाचित विधायक को दलगत आधार पर वंचित करना उसके संवैधानिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि वह सेमरिया के जनता के लिए हर लड़ाई लड़ेंगे। जनता को यह महसूस नहीं होने देंगे उनका विधायक दब्बू है।

फाइलें लेकर आते जाते रहे अधिकारी : भले भाजपा की कोर कमेटी की बैठक हुई लेकिन सभी विभागों के अधिकारी सर्किट हाउस में मौजूद रहे और फाइलें लेकर आते-जाते रहे। हालांकि विभागीय अधिकारियों को बैठक में नहीं बुलाया गया।

कबाड़ हो गए कोठी नर्सरी में रखे रजवाड़े के समय के पिंजरे

न तो कहीं दिए ,न ही किया उपयोग, कभी हुआ करता था चिड़ियाघर

जागरण, रीवा। साईं मंदिर के समीप स्थित कोठी नर्सरी में रजवाड़े के समय जानवरों को रखे जाने के पिंजरे रखे हुए हैं, जिनका लंबे समय से उपयोग नहीं किया गया। पुराने लोगों की मानें तो कभी यहां पर चिड़ियाघर हुआ करता था, जिसे बाद में बंद कर दिया गया, यहां जो जानवर थे उन्हें अन्य चिड़ियाघर में शिफ्ट कर दिया गया, लेकिन पिंजरों की सुध नहीं ली गई, जो यहां रखे-रखे ही कबाड़ हो गए।

अभी भी नहीं ले रहे सुध

कोठी नर्सरी उद्यानिकी विभाग के अधीन है, जहां नए पौधे तैयार करने के साथ ही नर्सरी में पुराने पेड़ भी बड़ी संख्या में हैं। चिड़ियाघर के पिंजरों की अभी भी जिम्मेदारों द्वारा सुध नहीं ली जा रही। जो थोड़े बहुत बचे हैं, उनकी भी दुर्दशा होती जा रही है। आसपास के लोगों का कहना है कि जो भी चिड़ियाघर हैं शहर से दूर हैं, छोटा-मोटा चिड़ियाघर यहीं रहने दिया जाना था, अभी भी इन पिंजरों का उपयोग करके यहां कुछेक जानवरों को तो रखा जा सकता है, जिससे अवकाश आदि के दिन लोगों के घूमने, देखने के लिए शहर में कम से कम एकाध स्थान हो सकता है।

कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल 19 मई को कलेक्ट्रेट सभागार में सुबह 11 बजे से आयोजित बैठक में टीएल पत्रों की समीक्षा करेंगी। बैठक में सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों के निराकरण, जल गंगा संवर्धन अभियान, पेयजल व्यवस्था की भी समीक्षा की जायेगी। सभी संबंधित अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिये गये हैं।

संयुक्त कर्मचारी संगठन महासभा की बैठक 21 को

जागरण, रीवा। कर्मचारी संघ, न्यू कर्मचारी संघ एवं अजा/अजजा/पिछड़ा वर्ग की संयुक्त महासभा बैठक आगामी 21 मई बुधवार दोपहर डेढ़ बजे पं. शम्भूनाथ शुक्ल सभागार में आयोजित की जाती है। बैठक मूं अध्यक्ष बुद्धसेन पटेल, अध्यक्ष न्यू कर्मचारी संघ राहुल पाण्डेय व अध्यक्ष अजा/जजा एवं पिछड़ा वर्ग रामसुजान साकेत ने बताया कि बैठक में समस्त रेग्यूलर, नियमित, स्थाई कर्मी, दैनिक वेतन भोगी, आउट सोर्स टीचिंग डिपार्टमेंट के सभी कर्मचारियों से सुझाव सहित आमंत्रित किए गए है।

खुले गेट से चोरी हो रही, जब्त की गई सामग्री

उद्यानिकी विभाग की नर्सरी में बना गेट चोरों का काम कर रहा आसान

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा अपने कार्यालय के समीप स्थित उद्यानिकी की भूमि पर बाउंड्री बनाकर एक गेट बना दिया गया है, इस बाउंड्री के अंदर शहर से हटाए जाने वाले अतिक्रमण के दौरान जब्त की जाने वाली सामग्री रखने के लिए उपयोग में लिया जा रहा है। गेट खुला होने से जहां उद्यानिकी में आए दिन आवारा मवेशी घुस आते हैं वहीं निगम द्वारा जब्त की गई सामग्री भी इसी गेट के माध्यम से चोर लेजाकर कबाड़ियों को बेच रहे हैं।

कभी तो रात में भी खुला रह जाता है गेट : नर्सरी में काम करने वाले मजदूरों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि उद्यानिकी पहले जहां पूरी तरह सुरक्षित थीं, वहीं अब पिछले हिस्से में निगम द्वारा गेट बना दिए जाने तथा

सामने तलैया के स्थान पर भगवान बुद्ध की प्रतिमा लगा दिए जाने से रात तक नर्सरी खुली रखना पड़ती है। कई बार निगम के गेट से लोगों को यहां रखी सामग्री में से बरसाती, सरिए, एंगल, पाइप वगैरह ले जाते देखा है, कोई मजदूर पूछता भी है तो जवाब नहीं देते, लेकिन ये सिलसिला धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है। यह गेट सुबह से खोल दिया जाता है जो कभी-कभी तो रात में भी खुला रहता है, नर्सरी के मजदूर शाम 6 बजे चले जाते हैं, गेट के आसपास काम करते हैं तो सामग्री ले जाने वाले को देख भगा देते हैं, नर्सरी के अन्य हिस्से के काम करते समय नहीं देख पाते तो लोग आसानी से यहां से सामान चुरा कर ले जाने में सफल हो जाते हैं। मजदूरों ने बताया कि ऐसे ही चलता रहा तो ये लोग नर्सरी की सामग्री पर भी हाथ साफ कर सकते हैं।

रेल मंडल जबलपुर के लिए नासूर बन गया अवैध वेंडर्स का गोरखधंधा

ऊपरी कमाई के चक्कर में आरपीएफ और जीआरपी का खुला संरक्षण

स्टेशन से रवाना होते ही ट्रेन के डिब्बों में सक्रिय हो जाते हैं अवैध वेंडर्स

जागरण, रीवा। किसी भी रेलवे स्टेशन से जैसे ही ट्रेन रवाना होती है ट्रेन के डिब्बों में अवैध वेंडर्स सक्रिय हो जाते हैं। खाने पीने की सामग्री के अलावा ये वेंडर्स गुटखा एवं सिंगरेट तक बेचते हैं, लेकिन इनके विरुद्ध कभी कोई कार्यवाही रेल प्रशासन द्वारा नहीं की जाती है। खाकी वर्दी की आड़ लेकर रेलवे पुलिस और जीआरपी पूरे जबलपुर रेल मंडल में अवैध कारोबार को संरक्षण देने का काम कर रहे हैं। आईजी, डीआईजी और कमांडेंट का कोई नियंत्रण दूर दूर तक नजर नहीं आता है। जबलपुर रेल मंडल के लिए सैकड़ों अवैध वेंडर्स गंभीर समस्या बन गये हैं। यह समस्या खाकी वर्दी द्वारा स्वयं रेलवे स्टेशन और रेलगाड़ियों में पैदा की गई है। सरकार से मिलने वाली मोटी पगार से पुलिस वालों का पेट नहीं भरता है इसलिए साइड बिजनेस के नाम पर ऊपरी कमाई करने के लिए अवैध वेंडरों को दौड़ाया जा रहा है। बताया गया है कि यह पूरा खेल आरपीएफ और जीआरपी के संरक्षण में खेला जाता है। अवैध वेंडर्स को चलाने वाले आधा दर्जन से अधिक ठेकेदारों से पुलिसिया गठजोड़ सालों पुराना है। हर एक ठेकेदार अकेले आरपीएफ थाना और जीआरपी थाने को मासिक नजराना पेश करता है। इसी तरह की उगाही आरपीएफ और जीआरपी द्वारा रीवा के साथ-साथ सतना, जबलपुर, कटनी और मानिकपुर स्टेशनों पर बराबर की जाती है। सोशल मीडिया में आरपीएफ और जीआरपी का अवैध वेंडर को लेकर उमड़ने वाले प्रेम लगातार जग जाहिर हो रहे हैं। अब जब कानून के रखवालों ने ही धज्जियां उड़वाने की कसम खा रखी है तो फिर अवैध वेंडर को रेलगाड़ियों और स्टेशनों में घुसने से कौन रोक सकता है। रेलवे पुलिस प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर आरपीएफ थाना या चौकी का एक जिम्मेदार सिपाही महिला और पुरुष अवैध वेंडर्स से मासिक वसूली का काम बराबर पूरा करता है। मुसाफिरों के साथ सरेआम अवैध वसूली को सामग्री के बदले अवैध वेंडर अंजाम देते हैं, इसके बाद भी कहीं कोई एक्शन नहीं लिया जाता है। बताया जाता है कि अवैध वेंडर की भीड़ में सबसे ज्यादा संख्या मानिकपुर क्षेत्र में रहने वाले पुरुष और महिलाओं की रहती है।

संजय नगर में 17 लाख की लागत से होगा कवर्ड नाली निर्माण

एमआईसी सदस्य रवि तिवारी के मौजूदगी में किया गया भूमिपूजन

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड 14 स्थित संजय नगर कवर्ड नाली निर्माण का भूमिपूजन एमआईसी सदस्य रवि तिवारी के मौजूदगी में वरिष्ठ नागरिक रिटायर्ड तहसीलदार संतोष तिवारी द्वारा नारियल फोड़कर किया गया। लगभग 17 रुपये लाख की लागत से बनने वाली 500 मीटर लंबी नाली का निर्माण पूरा हो जाने के बाद संजय नगर के नागरिकों को जलभराव की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इस नाली का निर्माण कार्य एसडीओ शुक्ला के घर से रमाकांत तिवारी के घर तक, अरुण सिंह के घर से रिटायर्ड तहसीलदार संतोष तिवारी के घर होते हुए सत्य ऋषि पंडित के घर तक एवं ओम द्विवेदी के घर से पंकज वाजपेयी के घर तक किया जाएगा। एमआईसी सदस्य रवि तिवारी ने इस अवसर पर कहा कि वार्ड में इस क्षेत्र के नागरिक विगत 30 से 40 वर्षों से जलभराव की गंभीर समस्या से जूझते आ रहे थे। विशेष रूप से बरसात के दिनों में पानी भर जाने से आमजन का आवागमन बाधित हो जाता था। यह समस्या न केवल असुविधा का कारण थी, बल्कि स्वच्छता व स्वास्थ्य की दृष्टि से भी गंभीर थी। नाली निर्माण से संजय नगर के नागरिकों को इस दीर्घकालिक समस्या से राहत प्रदान करेगी और क्षेत्र की स्वच्छता व्यवस्था को सुदृढ़ बनाएगी। इसके लिए उन्होंने महापौर अजय मिश्रा बाबा का धन्यवाद दिया। इस अवसर पर नगर निगम जोन क्रमांक 3 के एसडीओ अमरीश सिंह, एसडीओ श्री शुक्ला, कॉन्ट्रैक्टर अभिषेक द्विवेदी, सुनील पटेल, रमाकांत तिवारी, अरुण सिंह, आरती पांडे, प्रशांत तिवारी, ज्ञानेंद्र तिवारी, कपिलेश गौतम, छेदीलाल मिस्त्री, लकी पटेल, उमेश सिंह, महेंद्र तिवारी सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

शहर में संचालित 6 अवैध बारात घरों पर ननि ने जड़ा ताला

निगमायुक्त के निर्देश पर की गई बिना अनुमति चल रहे बारात घरों पर कार्रवाई

नियमों का पालन नहीं करने पर एक बारात घर का किया गया चालान

जागरण, रीवा। अब जबकि शादी विवाह का सीजन आखिरी दौर में पहुंच गया है तो नगर निगम प्रशासन को शहर में संचालित अवैध बारात घरों पर कार्यवाही करने का ख्याल आया है। नगर निगम प्रशासन द्वारा रविवार को कार्यपालन यंत्री राजेश सिंह के नेतृत्व में जोन क्रमांक 1 के अंतर्गत आने वाले बिना अनुमति के संचालित 6 बारात घरों में ताला बंदी की कार्यवाही की गई। इसके साथ ही एक बारात को नियमों के अनुरूप नहीं पाये जाने पर चालानी कार्यवाही की गई। यह कार्यवाही ऐसे समय में की गई है जब आगामी 8 जून के बाद से अगले 5 महीनों

तक शादी विवाह के लिए कोई शुभ मुहूर्त नहीं है। शादी विवाह का पूरा सीजन निकल गया, इस दौरान सभी बारात घरों ने सभी शुभ मुहूर्त में अच्छी कमाई की है। बताया गया है कि नगर निगम से अनुमति लिये बगैर संचालित मनोकामना मैरिज गार्डन, ओम मंडप, रुद्राक्ष मैरिज गार्डन, दुल्हन पैलेस, जलसा गार्डन, महामृत्युंजय मैरिज गार्डन पर ताला बंदी की गई। इसके साथ ही आशीर्वाद मैरिज गार्डन में नियमों के उल्लंघन के कारण चालानी कार्यवाही की गई। निगम आयुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में जोनल अधिकारी राजेश सिंह के साथ सहायक राजस्व अधिकारी रावेंद्र सिंह सहायक राजस्व निरीक्षक वरुण रैकवार, राहुल चुटेले, रामनरेश मिश्रा, मुजीब खान, इस्तियाक खान एवं रामचंद्र तिवारी शामिल रहे। अधिकारियों द्वारा बताया गया कि यह अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा, जिससे शहर में अवैध रूप से संचालित बारात घरों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके एवं सभी बारात घर शासन द्वारा निर्धारित मापदंडों का नियमानुसार पालन सुनिश्चित किया जा सके।

शहर में अभी दर्जनों और भी हैं अवैध बारात घर

शहर में बिना अनुमति के संचालित बारात घरों की संख्या दर्जनों में है। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि रविवार को सिर्फ जोन क्रमांक एक के अंतर्गत संचालित अवैध बारात घरों पर की गई है। पूरे नगर निगम क्षेत्र को 4 जोन में बांटा गया है। लिहाजा अभी 3 जोन में संचालित अवैध बारात घरों में कार्यवाही किया जाना शेष है। सभी जोन में अवैध बारात घर धड़ल्ले से बिना किसी खौफ के संचालित किये जा रहे हैं।

कैसे चलते रहे शहर में अवैध बारात घर

नगर निगम द्वारा शादी विवाह के अंत में अवैध बारात घरों के विरुद्ध कार्यवाही किये जाने के कारण ये सवाल भी उठने लगा है कि आखिर अभी तक शहर में इतनी संख्या में अवैध बारात घरों का संचालन कैसे होता रहा है। क्या इनके संचालन की जानकारी निगम प्रशासन को नहीं थी, और अगर थी तो अभी तक इनके विरुद्ध कार्यवाही क्यों नहीं की गई। बिना कचरा शुल्क की रसीद के विवाह प्रमाणपत्र नहीं बनाया जाता है तो जाहिर है कि सभी बारात घरों द्वारा कचरा शुल्क जमा किया जाता रहा है फिर कार्यवाही नहीं की गई।

राधा-कृष्ण लीला प्रसंग सुन झूम उठे श्रद्धालु

रीवा। लाडली लक्ष्मी पथ स्थिज माधव विहार में 14 से 20 मई तक चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास पंडित बाला व्यंकटेश शास्त्री महाराज द्वारा कन्हैया की माखन चोरी, मां यशोदा का स्नेह, राधा- कृष्ण की लीला के प्रसंग सुनाए जिससे श्रोता मन्त्रमुग्ध हो कर झूम उठे। कथा श्रवण करने सांसद जनार्दन मिश्र, गुढ़ विधायक नागेंद्र सिंह, ननि अध्यक्ष व्यंकटेश पांडेय, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, जिला कांग्रेस अध्यक्ष राजेंद्र शर्मा, विवेक दुबे, कविता पाण्डेय, शैलेन्द्र शुक्ल, डॉ अनिल, मनीष गुप्ता, संजय मिश्रा, हरीश त्रिपाठी, जुगल किशोर कानोडिया, रमेश वाधवानी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु जन उपस्थित रहे। कथा ज्ञान यज्ञ के मुख्य यजमान व आयोजक मधु खरे, सी.एस. खरे सपना खरे, दीप खरे कविता माथुर खरे हैं।

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध

कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन | हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी | जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी | जबड़े का फ्रैक्चर

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना PM-JAY

नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)

अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

वर्ष 72 अंक 230 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 19 मई, 2025
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष 07, विक्रम संवत् 2082
नगर मूल्य 5 रुपए

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार
दैनिक जागरण
www.dainikjagranmpcg.com

समय और परिस्थितियां इतनी तेजी से बदलती हैं कि हमें अपना लक्ष्य निरंतर भविष्य पर केंद्रित रखना चाहिए।
- वॉल्ट डिज्नी

ऑफ बीट

सिगरेट छुड़ाने के लिए पिंजरे में बंद किया मुंह

कई लोग सिगरेट और शराब की लत चाहकर भी नहीं छोड़ पाते हैं। तुर्की के एक शख्स को भी ऐसी ही बुरी लत लगी थी। वह करीब 12 साल से सिगरेट और शराब छोड़ना चाह रहा था। इसके बाद शख्स की पत्नी ने जो किया, उसे जानकर आपके भी होश उड़ जाएंगे। दरअसल, पत्नी ने अपने पति के चेहरे को पिंजरे में बंद कर दिया। हैरान करने वाली बात यह है कि इस पिंजरे में उसने लॉक भी लगा दिया। अब उसकी पत्नी सिर्फ खाना और पानी के लिए ही पिंजरे को खोलती है। तस्वीरों में आप देख सकते हैं शख्स के सिर पर हेलमेट के आकार का एक पिंजरा लगा हुआ है। शख्स का नाम इब्राहिम यूसेल बताया जा रहा है।

आईपीएल में आज

हैदराबाद बनाम लखनऊ
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणामः पंजाब ने राजस्थान को 10 रन और गुजरात ने दिल्ली को 10 विकेट हराया।

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती से जुड़े एक मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला

जाति प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप में नहीं है तो आरक्षण का लाभ भी नहीं

नई दिल्ली, जेएनएन। सुप्रीम कोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि किसी भी भर्ती विज्ञापन के तहत आवेदन करने के लिए जाति प्रमाण पत्र उसी विशेष प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य है, जैसा कि विज्ञापन में निर्धारित किया गया है। केवल किसी आरक्षित श्रेणी से संबंधित होने के आधार पर कोई कैंडिडेट इस व्यवस्था से छूट का दावा नहीं कर सकता।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की पीठ ने यह टिप्पणी उस मामले में की जिसमें एक उम्मीदवार ने उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जारी विज्ञापन के तहत आवेदन किया था। कैंडिडेट ने ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाणपत्र केंद्र सरकार के लिए मान्य प्रारूप में प्रस्तुत किया था, जबकि विज्ञापन में स्पष्ट रूप से राज्य सरकार द्वारा निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र की मांग की गई थी। निर्धारित प्रारूप में प्रमाण पत्र प्रस्तुत न करने पर उम्मीदवार को अनारक्षित श्रेणी में माना जाना था। जब इस आधार पर कैंडिडेट को भर्ती प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया तो उसने पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दायर की। हाईकोर्ट से राहत न मिलने पर वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाईकोर्ट के फैसले को बरकरार रखते हुए कहा कि भर्ती विज्ञापन की शर्तों का पालन करना प्रत्येक कैंडिडेट का कर्तव्य है।

प्रमाण पत्र के तय फॉर्मेट की अनदेखी पर भर्ती में छूट नहीं

न्यायमूर्ति दत्ता द्वारा लिखे गए फैसले में 2013 के एक अन्य मामले रजिस्टार जनरल कलकत्ता हाईकोर्ट बनाम श्रीनिवास प्रसाद शाह (2013) का हवाला देते हुए कहा गया कि यदि कोई प्रमाणपत्र निर्धारित प्रारूप में न हो और वह सक्षम प्राधिकारी द्वारा न जारी किया गया हो, तो उसका कैंडिडेट की पात्रता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि उम्मीदवार से यह अपेक्षा नहीं की जा सकती कि वह प्रमाण पत्र के प्रारूप को लेकर असमंजस में रहे। यदि उसे संदेह था, तो वह संबंधित प्राधिकारी से सही प्रारूप में प्रमाण पत्र प्राप्त कर सकता था। केवल इस आधार पर कि वह आरक्षित जाति से संबंधित है, वह गलत प्रारूप को तकनीकी त्रुटि कहकर छूट नहीं मांग सकता।

बीपीएल छात्रों की सब्सिडी तक सीमित नहीं किया जा सकता एनआरआई छात्रों से लिया गया शुल्क

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम निर्णय में स्पष्ट किया कि स्ववित्तपोषित (सेल्फ-फाइनेंसिंग) संस्थानों में एनआरआई (अनिवासी भारतीय) छात्रों से वसूला गया शुल्क केवल गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के छात्रों की फीस में सब्सिडी देने तक सीमित नहीं किया जा सकता। अदालत ने कहा कि इस शुल्क का उपयोग संस्थानों की विभिन्न आवश्यकताओं और उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, जिसमें बीपीएल छात्रों को छात्रवृत्ति देना भी एक विकल्प हो सकता है, लेकिन यह एकमात्र उद्देश्य नहीं हो सकता। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने यह फैसला दिया।

यह निर्णय केरल मेडिकल शिक्षा अधिनियम, 2017 के अंतर्गत गठित फीस विनियामक समिति द्वारा निर्धारित शुल्क को चुनौती देने वाले एक मामले में आया। यह समिति राज्य के स्ववित्तपोषित मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस कोर्स की फीस तय करने के लिए अधिकृत है। समिति ने एनआरआई कोटा के अंतर्गत तय की गई फीस का एक हिस्सा बीपीएल छात्रों को छात्रवृत्ति या वित्तीय सहायता देने के लिए बनाए गए एक कोष में जमा कराने का निर्देश दिया था।

कोर्ट ने खारिज किया एनआरआई का तर्क

सुप्रीम कोर्ट ने विभिन्न संविधान पीठ के निर्णयों का हवाला देते हुए एनआरआई छात्रों की दलील खारिज कर दी कि सरकार स्ववित्तपोषित संस्थानों के लिए कठोर या एकरूप फीस ढांचा निर्धारित नहीं कर सकती। कोर्ट ने कहा, 'इस्लामिक एकेडमी और मॉडर्न डेंटल कॉलेज मामलों में साफ कहा गया है कि स्ववित्तपोषित संस्थानों को अपनी वित्तीय आवश्यकताओं और छात्रों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए स्वतंत्र रूप से शुल्क निर्धारण की अनुमति होनी चाहिए।'

बड़े आर्थिक संकट में फंस सकता है पाकिस्तान

कर्ज देकर आईएमएफ ने लगा दीं 11 नई शर्तें

नई दिल्ली, जेएनएन। पाकिस्तान पर बड़ा संकट आ सकता है। उसे लोन की एक किस्त तो मिल गई है लेकिन दूसरी किस्त जारी करने से पहले इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ ने पाकिस्तान पर 11 नई शर्तें लगाई हैं। इसके साथ ही आईएमएफ ने पाकिस्तान को चेतावनी दी है कि भारत के साथ तनाव से योजना के राजकोषीय, बाह्य और सुधार लक्ष्यों के लिए जोखिम बढ़ सकते हैं। पाकिस्तान पर लगाई गई नई शर्तों में 17,600 अरब पाकिस्तानी रुपए के नए बजट को संसद की मंजूरी, बिजली बिलों पर लोन भुगतान अधिभार में वृद्धि और तीन साल से अधिक पुरानी कारों के आयात पर प्रतिबंध को हटाना शामिल है।

आईएमएफ ने कहा है कि दो सप्ताह में पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव काफी बढ़ा है, लेकिन अबतक बाजार की प्रतिक्रिया मामूली रही है और शेयर बाजार ने अपने हाल के अधिकांश लाभ को बरकरार रखा है। आईएमएफ की रिपोर्ट में अगले वित्त वर्ष के लिए रक्षा बजट 2,414 अरब रुपए दिखाया है, जो पिछले बजट की तुलना में 12 प्रतिशत अधिक है। आईएमएफ के अनुमान की तुलना में सरकार ने इस महीने की शुरुआत में भारत के साथ टकराव बढ़ने के बाद रक्षा क्षेत्र के लिए 2,500 अरब अधिक आवंटित करने का संकेत दिया है। आईएमएफ ने कहा है कि पाकिस्तान को रक्षा बजट नहीं बढ़ाना चाहिए, बल्कि भारत से तनाव कम करना चाहिए।

पाक पर अब तक लग चुकी हैं 50 शर्तें

आईएमएफ ने पाकिस्तान पर अब 11 और शर्तें लगाई हैं। इस तरह पाकिस्तान पर अब तक 50 शर्तें लगाई जा चुकी हैं। आईएमएफ की रिपोर्ट में कहा गया है कि पाकिस्तान का कुल बजट आकार 17,600 अरब रुपए का है। इसमें से 1,0700 अरब रुपए विकास कार्यों के लिए होंगे। प्रांतों पर भी एक नई शर्त लगाई गई है। इसमें चार संघीय इकाइयां एक व्यापक योजना के माध्यम से नए कृषि आयकर कानूनों को लागू करेंगी, जिसमें रिटर्न प्रसंस्करण, करदाता पहचान और पंजीकरण, संचार अभियान और अनुपालन सुधार योजना के लिए एक परिचालन मंच की स्थापना शामिल है। एक और नई शर्त यह है कि सरकार आईएमएफ के संचालन में सुधार के आकलन की सिफारिशों के आधार पर कामकाज के संचालन की कार्रवाई योजना प्रकाशित करेगी। इसके अलावा एक और शर्त यह है कि सरकार 2027 के बाद की वित्तीय क्षेत्र की रणनीति की रूपरेखा तैयार करेगी।

संक्षिप्त खबरें

संभल मस्जिद का सर्वे होगा या नहीं... फैसला आज

प्रयागराज, जेएनएन। संभल की जामा मस्जिद और हरिहर मंदिर विवाद मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट सोमवार को अहम फैसला सुनाएगा। यह फैसला मस्जिद कमेटी द्वारा दाखिल की गई सिविल रिवीजन याचिका पर आएगा, जिसमें 19 नवंबर 2024 को सिविल कोर्ट द्वारा दिए गए सर्वे के आदेश को चुनौती दी गई थी। हालांकि, कोर्ट के स्टे से पहले सर्वे का बहुत सारा काम पूरा हो गया था। कोर्ट में 13 मई को बहस पूरी हो गई थी। इसके बाद जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। अब यह फैसला सोमवार दोपहर 2 बजे सुनाया जाएगा। इस फैसले से यह तय होगा कि जामा मस्जिद के सर्वे के सिविल कोर्ट के आदेश का पालन होना है या नहीं।

ईओएस-09 सैटेलाइट की लॉन्चिंग विफल

बेंगलुरू, जेएनएन। इसरो ने रविवार को 101वें मिशन के तहत ईओएस-09 सैटेलाइट को पोलर सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (पीएसएलवी-सी61) के जरिए लॉन्च किया, लेकिन यह कुछ ही मिनटों में असफल हो गया। पीएसएलवी-सी61 रॉकेट 44.5 मीटर ऊंचा और 321 टन वजनी था। यह सुबह 5.59 बजे श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र के पहले लॉन्च पैड से रवाना हुआ। रॉकेट के पहले और दूसरे चरण ने सामान्य रूप से काम किया, लेकिन तीसरे चरण में खामी देखी गई।

आरएसएस मुख्यालय पर हमले का आरोपी अबू सैफुल्लाह ढेर

पाकिस्तान के सिंध में अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

कराची, जेएनएन। लश्कर-ए-तैयबा का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह मारा गया है। सैफुल्लाह 2006 में नागपुर के आरएसएस मुख्यालय पर हुए हमले में शामिल था। इसके अलावा 2008 में उत्तर प्रदेश के रामपुर में सीआरपीएफ कैंप पर हुए आतंकी हमले और 2005 आईआईएससी बेंगलुरु पर हमले की साजिश का भी मास्टरमाइंड था। उसे पाकिस्तान के सिंध में मतली फलकारा चौक के पास अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी। सैफुल्लाह को कब गोली मारी गई, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। सैफुल्लाह नेपाल में लश्कर के मॉड्यूल पर काम कर रहा था। वह नेपाल में विनोद कुमार के नाम से काम करता था। उसने नेपाली महिला नगमा बानू से शादी की थी। सैफुल्लाह भारत में आतंकियों की घुसपैठ और आर्थिक मदद जुटाने जैसे गंभीर अपराधों को अंजाम दे रहा था।

बता दें कि इससे पहले लश्कर-ए-तैयबा का मोस्ट वांटेड आतंकी अबू कताल 15 मार्च की रात पाकिस्तान में मारा गया था। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

मुख्यमंत्री की घोषणा : अब कर्मचारियों को दिया जाएगा स्वास्थ्य बीमा का लाभ

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि 9 साल से कर्मचारियों का एचआर लटका था, जिसमें मैं काफी दुःखी था, मेरा मानना है कि जिनके हक की चीज है, उन्हें वह समय पर देनी चाहिए। इस मौके पर उन्होंने कर्मचारियों को स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ देने की घोषणा की।

सीएम रविवार को रवींद्र भवन में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अभिनन्दन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के कर्मचारी सरकार और जनता के बीच नल और नील की तरह सेतु बनाने का कार्य कर रहे हैं। उनकी कर्तव्य निष्ठा से ही हमारा प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है।

भोपाल के रविंद्र भवन में अभिनंदन समारोह को संबोधित करते डॉ. मोहन यादव।

रिक्त पदों पर भर्ती के लिए विशेष अभियान संचालित हैं। पुलिस में सभी पद भरे गए हैं। सीएम ने कहा कि पीएम नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार कर्मचारी कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने केंद्र सरकार का अनुसरण करते हुए प्रदेश के कर्मचारियों का महंगाई भत्ता केंद्र के समान करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही 9 वर्षों से लंबित हाउस रेंट अलाउंस की मांग को भी पूरा किया गया है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

अब मायावती का भतीजा आनंद बसपा में नंबर-2

लखनऊ, जेएनएन। बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक बार फिर भतीजे आकाश आनंद को बड़ी जिम्मेदारी दी है। आकाश को चीफ नेशनल को-ऑर्डिनेटर बनाया है। यह नंबर-2 की पोजिशन है। यानी, मायावती के बाद पार्टी में आकाश का दूसरा स्थान होगा। पार्टी ने पहली बार चीफ नेशनल को-ऑर्डिनेटर का पद बनाया है। इससे पहले आकाश नेशनल को-ऑडिनेटर थे। बता दें कि बसपा तीन हिस्सों उत्तर भारत, पूर्वोत्तर और दक्षिण भारत में बंटी है।

टीकमगढ़: दलित दूल्हे को घोड़ी पर बैठने के लिए बुलाना पड़ी पुलिस

गांव के दबंग कर रहे थे राछ निकालने का विरोध, वीडियो वायरल

जागरण, टीकमगढ़। आजादी के 77 साल बाद आज भी बुंदेलखंड के कई क्षेत्र जातिवाद और छुआछूत से बाहर नहीं निकल सके हैं। कई गांवों में आज भी छोटी जातियों के लोगों को खुलकर जीने का भी अधिकार नहीं मिल पा रहा है। ऐसा ही मामला कुडीला गांव में आया, जब दलित जाति के एक दूल्हे को घोड़ी पर चढ़ने के पहले पुलिस बुलानी पड़ी। पुलिस आने के बाद ही गांव में वह घोड़ी पर बैठकर अपनी राछ निकाल सका। गांव के दबंग परिवार घोड़ी पर बैठकर राछ निकालने का विरोध कर रहे थे।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और उसने मामले को संभाला। बताया जाता है कि कुडीला थाना क्षेत्र के सरकर गांव में रहने वाले प्रकाश अहिरवार पिता मथुरा अहिरवार की बारात शनिवार को हरपालपुर जाना थी। बारात के पहले गांव में राछ निकाली जाना थी, इसमें डीजे के साथ दूल्हे को घोड़ी पर बैठना था। राछ छोटी बारात समान होती है। मगर घोड़ी पर बैठाकर दलित दूल्हे का राछ निकालते समय लोधी समाज के लोगों ने विरोध कर दिया। उसे पैदल ही राछ निकालने का दबाव बनाया जा रहा था। विवाद की जानकारी लगते ही भीम आर्मी के सदस्य गांव पहुंच गए और दबंगों का विरोध शुरू कर दिया। इसी बीच पुलिस भी आ गई। पुलिस ने मोर्चा संभालते ही अपनी मौजूदगी में दूल्हे को घोड़ी पर ■ शेष पृष्ठ 7 पर

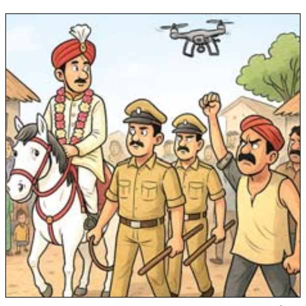

अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर खान गिरफ्तार

सोनीपत, जेएनएन। ऑपरेशन सिंदूर पर कमेंट करने वाले अशोका यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को सोनीपत पुलिस ने दिल्ली के ग्रेटर कैलाश से गिरफ्तार कर लिया है। उन पर कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर आपत्तिजनक पोस्ट करने का आरोप है।

प्रोफेसर अली खान के खिलाफ राई थाना में 2 अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई हैं। पहली एफआईआर जठेडी गांव के सरपंच की शिकायत पर हुई है। दूसरी एफआईआर महिला आयोग की चेयरपर्सन रेणु भाटिया की शिकायत पर दर्ज की गई। दरअसल, रेणु भाटिया ने प्रोफेसर को समन जारी करते हुए 14 मई 2025 को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का आदेश दिया था।

प्रवेश सूचना

राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली

प्रशिक्षण महानिदेशालय, कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय, भारत सरकार की सी.टी.एस. योजना में अगस्त, 2025 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं। ट्रेड, प्रवेश योग्यता तथा प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए हैं :

क्र. स.	ट्रेड का नाम	सीटें	प्रशिक्षण की अवधि	प्रवेश योग्यता
1.	हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर	108	1 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
2.	फिजियोथेरपी तकनीशियन	60	1 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
3.	डेंटल लैब तकनीशियन	24	2 वर्ष	दसवीं कक्षा परीक्षा उत्तीर्ण हो।
4.	रेडियोलॉजी तकनीशियन	20	2 वर्ष	बारहवीं कक्षा परीक्षा (विज्ञान वर्ग) उत्तीर्ण हो।

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखें।

1. **प्रमाण पत्र :** पाठ्यक्रम के पूरा होने के बाद, सफल प्रशिक्षुओं को राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (NCVT), भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिया जाता है, जो कि केंद्र सरकार/राज्य सरकारों/पीएसयू के अधीन अधीनस्थ पदों और सेवाओं की भर्ती के लिए मान्यता प्राप्त योग्यता है।
2. **चयन प्रक्रिया :** सभी सीटों पर दाखिले 'पहले आओ तथा पहले पाओ' के आधार पर किए जाएंगे।
3. **आयु :** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त 2025 को कम से कम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करें :** उम्मीदवार संस्थान की वेबसाइट **www.nitcindia.com** से प्रवेश पत्र ऑनलाइन भरकर ऑनलाइन मोड के माध्यम से प्रवेश के लिए आवेदन कर सकते हैं। आवेदन विवरणिका को रुपये 200/- का नकद भुगतान करके संस्थान से भौतिक रूप से भी लिया जा सकता है।
   नोट : फॉर्म भरते समय रुपये 500/- का अप्रतिदेय पंजीकरण शुल्क भी देय होगा।
5. **छात्रवृत्ति :** प्रवेश के पश्चात् आय प्रमाण पत्र रखने वाले आरक्षित वर्ग के छात्र भारत सरकार की ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति की छात्रवृत्ति योजनाओं के लिए आवेदन करने के पात्र हैं।
6. **बस-पास सुविधा :** सरकार छात्रों को 100 रुपये प्रति माह की दर से रियायती बस-पास सुविधा प्रदान करती है, यह दिल्ली में चलने वाली सभी एसी और गैर-एसी बसों में मान्य है।
7. अधिक जानकारी के लिए संस्थान की वेबसाइट **www.nitcindia.com** पर लॉग ऑन करें।
8. **प्रवेश की अंतिम तिथि : 30 जून, 2025**

निदेशक

राष्ट्रीय औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र, नई दिल्ली
30-34, सेवक पार्क, द्वारका मोड़ मेट्रो स्टेशन, पिलर नं.-771 के सामने, मेन नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली - 110059
व्हाट्स ऐप हेल्पलाइन : 9315138815, 011-42828067 (सुबह 10:00 बजे से शाम 4:00 बजे तक)
वि.स.: स./औ./25

तकनीकी आत्मनिर्भरता | 29 यूनिट्स का उत्पादन कर भारत की घरेलू क्षमताओं को किया जाएगा साबित

2025 के आखिर तक तैयार होगा पहला भारतीय जीपीयू

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने हाल ही में अपनी पहली सेमीकंडक्टर यूनिट उत्तर प्रदेश के जेवर में लगाने का फैसला किया है। इसके साथ ही अब सेमीकंडक्टर क्षेत्र में में एक और बड़ी उपलब्धि की खबर है। 2025 के अंत तक देश का पहला स्वदेशी जीपीयू (ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट) प्रोटोटाइप के रूप में सामने आ जाएगा। यह कदम भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर रेस में आगे लाएगा जहां अब तक अमेरिका, चीन, ताइवान और कोरिया जैसे देशों का दबदबा रहा है।

भारत सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, इस जीपीयू का तकनीकी प्रदर्शन इस वर्ष तैयार होगा, जिसकी शुरुआत में 29 यूनिट्स का उत्पादन किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारत की घरेलू जीपीयू डिजाइन क्षमता को साबित करना और भविष्य के लिए एक ठोस नींव तैयार करना है।

इस परियोजना की जिम्मेदारी केंद्र सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय के तहत आने वाले सी-डेक (सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस कंप्यूटिंग) को दी गई है। सी-डेक सुपरकंप्यूटिंग मिशनों में पहले से ही भारत की अगुआई कर रहा है। अब यह जीपीयू जैसी जटिल तकनीक को स्वदेशी रूप देने जा रहा है।

प्रस्तावित जीपीयू की कोर आर्किटेक्चर '1 गुणा के' नामक डिजाइन पर आधारित होगी, जिसे पूरी तरह भारत में ही विकसित किया जा रहा है। इससे भारत विदेशी तकनीकों और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी पर निर्भर नहीं रहेगा।

अधिकारी ने स्पष्ट किया, 'अब हम केवल असेंबल नहीं कर रहे, हम अपनी ढ्क्क बना रहे हैं। इसका मतलब है कि भविष्य में किसी विदेशी संकट या व्यापारिक प्रतिबंध के समय हमारी तकनीक रोकी नहीं जा सकेगी।'

तकनीक के साथ मिलेगी सैन्य और आर्थिक मजबूती

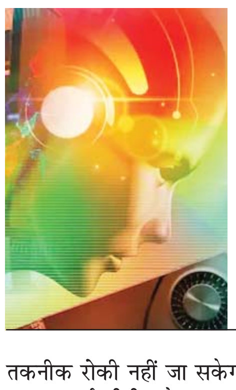

जीपीयू जैसे प्रोसेसर का उपयोग आज के युग में डेटा सेंटर्स, गेमिंग, रक्षा, एआई आधारित हथियार प्रणालियां और विज्ञान व अनुसंधान जैसे क्षेत्रों में होता है। एक मजबूत जीपीयू इकोसिस्टम भारत को ना केवल तकनीकी बल्कि सैन्य और आर्थिक स्तर पर भी सशक्त बनाएगा।

जटिल प्रक्रिया: जीपीयू डिजाइन अत्यंत जटिल प्रक्रिया है, जिसमें हार्डवेयर डिजाइन के साथ-साथ सॉफ्टवेयर ऑप्टिमाइजेशन, कंपाइलर डेवलपमेंट, थर्मल प्रबंधन, और इलेक्ट्रिकल टेस्टिंग शामिल होते हैं। भारत के लिए यह एक नई चुनौती जरूर है, लेकिन सुपरकंप्यूटिंग में पहले से उपलब्ध अनुभव इसे संभव बनाने में मदद करेगा।

इस्तेमालः जीपीयू पहले केवल इमेज रेंडरिंग के लिए इस्तेमाल होते थे, अब जनरल पर्पज कंप्यूटेशन (जीपीजीपूयू) के लिए भी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, डेटा एनालिटिक्स, और साइंटिफिक सिम्युलेशन में भी प्रयोग में आते हैं।

इस वर्ष जीपीयू के सफल प्रदर्शन के बाद सरकार का लक्ष्य है कि 2030 तक इन प्रोटोटाइप्स को पूरी तरह स्केलेबल और व्यावसायिक उत्पादों में बदला जाए। इसके लिए आवश्यक है कि भारत का सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन इन्फ्रास्ट्रक्चर (फैब्स) तैयार हो जाए। सरकार को उम्मीद है कि दशक के अंत तक भारत में बड़े पैमाने पर जीपीयू निर्माण शुरू हो सकेगा। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि जीपीयू के निर्माण के लिए जरूरी कई सहायक आईपी ब्लॉक्स (जैसे यूएसबी, मेमोरी कंट्रोलर, पेरीफेरल इंटरफेस आदि) बहुत जटिल और महंगे होते हैं। इसलिए इनके लिए वैश्विक कंपनियों जैसे एएमडी और एनविडिया से साझेदारी हो सकती है। ■ शेष पृष्ठ 7 पर

वरिष्ठ पत्रकार गया प्रसाद श्रीवास को मातृ शोक

रीवा। शहर के वरिष्ठ पत्रकार गया प्रसाद श्रीवास की माताजी का रविवार दोपहर निधन हो गया। जिनके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में पत्रकार व शहरवासियों ने शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से उनकी आत्म शांति की कामना की। श्री श्रीवास ने बताया कि 95 वर्षीय उनकी माताजी सुबह स्नान वगैरह करने के बाद सोई थीं, दोपहर में उनका देहावसान हो गया।

प्रभारी मंत्री ने दिवंगत श्री मिश्रा को दी श्रद्धांजलि

रीवा। जिले के प्रभारी मंत्री पंचायत ग्रामीण विभाग एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने उर्रहट मोहल्ले में अनीता मिश्रा के घर जाकर उनके पति स्व. श्रीश मिश्रा को श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्री पटेल ने दिवंगत के परिजनों को सांत्वना देते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र गुप्ता, अजय सिंह तथा दिवंगत श्री मिश्रा के परिजन उपस्थित रहे।

स्व.अर्जुन सिंह चौहान के घर जाकर दी श्रद्धांजलि

रीवा। जिले के प्रभारी मंत्री पंचायत ग्रामीण विभाग एवं श्रम मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने वरिष्ठ जनप्रतिनिधि स्व.अर्जुन सिंह चौहान के हेडगेवर नगर स्थित निवास जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंत्री श्री पटेल ने अनमोल सिंह चौहान तथा परिवारजनों को सांत्वना दी एवं दिवंगत श्री चौहान के कार्यों को याद किया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता वीरेन्द्र गुप्ता, अजय सिंह तथा दिवंगत श्री मिश्रा के परिजन उपस्थित रहे।

अहिल्याबाई की महान गाथा को जन-जन तक पहुंचाना है

300वें जयंती वर्ष पर होंगे विविध सांस्कृतिक आयोजन

जागरण, रीवा। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय अटल कुंज ढेकहा में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर का 300वें जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिला कार्यालय में कार्यशाला का स्वागत सम्बोधन जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने की। कार्यशाला में कार्यक्रम प्रभारी संजय द्विवेदी ने 20 मई से 31 मई तक होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। कार्यशाला में वक्ता के रूप में जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, जिला महामंत्री ममता गुप्ता, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा संतोष सिंह सिसोदिया उपस्थित रहीं। संचालन जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा साधना गुप्ता ने एवं आभार जिला उपाध्यक्ष रवीना साकेत ने व्यक्त किया।

कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिला प्रभारी शशांक श्रीवास्तव ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये जाने हैं। जिनमें नृत्य, नाटक और संगीत शामिल किये जायेंगे। अहिल्या जी की विरासत व प्रेरणादायी जीवन को समाज के सामने लाना है, उनके सुशासन, धार्मिक, सांस्कृतिक उत्थान के लिए किये गये कामों को समाज के बीच पहुंचाना है। उनके जीवन मूल्य, सामाजिक सुधार, दूरदर्शी शासन एवं मंदिरों का जीर्णोद्वार जैसे केदारनाथ, काशी विश्वनाथ कॉरीडोर एवं अन्य ज्योर्तिलिंग में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर की स्मृति दिखती है, जिसकी विरासत को प्रचारित करना है।

भाजपा महिला मोर्चा निकालेगी शोभा यात्रा : कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता ने कहा कि लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती पर शोभायात्रा महिला मोर्चा द्वारा निकाली जायेगी एवं अन्य एनजीओ संस्था की महिलाओं के साथ लोकमाता जी के दिव्य स्वरूप के साथ, दैविक गुणों की जीवंत प्रतिमा का यात्रा निकालकर संदेश प्रसारित करना है। 21 से 31 मई तक विभिन्न कार्यक्रम किये जाने हैं। विश्वविद्यालय, महाविद्यालय, विद्यालयों में, मंदिरों में एवं शहरी, ग्रामीण नगर पंचायत आदि क्षेत्र में संवाद प्रतियोगिता आयोजित करना है। प्रर्दशनी और सहित्य, मोबाइल प्रदर्शनी, इसमें प्रदेश सरकार, शहरी/ग्रामीण, स्थनीय निकायों एवं महिला एनजीओं की भूमिका रहेगी। जनजातीय समाज, महेश्वरी की साड़ी, महेश्वर की गाथा एवं सुशासन, योजना एवं समाज सुधार का प्रचार करना।

कार्यशाला में पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर के लोक कल्याण के लिए समर्पित जीवन वृत्त के बारे में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रज्ञा त्रिपाठी ने विस्तार से बतलाया। कार्यशाला में अहिल्याबाई होल्कर की समाज सेवा और सांस्कृतिक विरासत के सम्बन्ध में जिला महामंत्री ममता गुप्ता ने प्रकाश डाला।

सुशासन एवं महिला सशक्तिकरण पर पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर के उत्कृष्ट विचारों एवं नैतिक आचरण के चलते ही समाज में उन्हें देवी का दर्जा मिला। अहिल्याबाई होल्कर को एक ऐसी महारानी के रूप में जाना जाता है, जिन्होंनें भारत के अलग अलग राज्यों में मानवता की भलाई के लिये अनेक कार्य किये थे। इसलिये भारत सरकार तथा विभिन्न राज्यों की सरकारों ने उनकी प्रतिमाएँ बनवायी हैं और उनके नाम से कई कल्याणकारी योजनाओं भी चलाया जा रहा है। आज के इस कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, महिला मोर्चा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, युवा मोर्चा के पदाधिकारी व मंडल अध्यक्ष तथा पार्षद एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एसटीपी द्वारा उपचारित जल का उपयोग शौचालयों में करने की योजना

फ्रेश वाटर का उपयोग कम करने नगर निगम का सकारात्मक प्रयास

जागरण, रीवा। नगर निगम रीवा क्षेत्रांतर्गत फ्रेश वाटर बचाने एवं उसका उपयोग कम करने का नगर निगम का एक छोटा सा सकारात्मक प्रयास एसटीपी द्वारा उपचारित जल का उपयोग सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों के दैनिक व्यवहार के रूप में नगर पालिक निगम द्वारा फ्रेश वाटर का उपयोग कम करने के उद्देश्य में एसटीपी द्वारा उपचारित जल का दैनिक उपयोग शौचालय में किया जाना तय किया गया है जिसमे पानी के चलित टैंकरों द्वारा उपचारित जल का परिवहन कर मोटर के द्वारा शौचालयों के ओवर टैंकों तक पहुंचाया जायेगा।

इस छोटी परन्तु सकारात्मक पहल से न सिर्फ उपचारित जल को बर्बाद होने से रोका जायेगा, बल्कि इसका दैनिक उपयोग कर फ्रेश वाटर के उपयोग के दवाब को कम किया जाने का प्रयास किया जायेगा। अभी कुल 26 से 30 शौचालयों में इसका उपयोग किया जा रहा है। इसका और अधिक उपयोग क्रमशः धीरे-धीरे बढाया जायेगा। शुरुआत में एसटीपी से नजदीक के स्थित शौचालयों में इस सुविधा का लाभ मिल पायेगा। प्रतिदिन एसटीपी द्वारा उत्सर्जन उपचारित जल क्षमता 2963 केएलडी वर्तमान व्यवस्था में उपचारित जल का उपयोग क्षमता वाटर फाउंटेन एंड एग्रीकल्चर 2153 केएलडी है, प्रतिदिन एक शौचालय में 10 केएलडी जल व्यवहारित होता है।

जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया

नगर पालिक निगम रीवा क्षेत्रांर्तगत प्रधानमंत्री द्वारा चलाए गए विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सभी नागरिकों को जैविक खाद बनाने की प्रक्रिया समझाई गई। इस प्रक्रिया में घर के पुराने मटके को लेकर उसके ऊपर 3 से 4 इंच छोड़कर गोलाई में सबसे पहले अखबार की रद्दी के चार पांच टुकडे डालें। उसके बाद रसोई से बचा हुआ हरा कचरा, हरी सब्जी के छिलके डालें। बाद में घर में उपलब्ध दही, पांच से सात छोटी चम्मच डालें। उसके बाद पूरे कचरे को मिट्टी से ढक दें। मटके को ढक्कन लगा कर किसी सूखे स्थान पर रख दें। सप्ताह में एक बार उसे लकड़ी से उलट-पलट दें। दही में मौजूद बैक्टीरिया कुछ समय में कचरे को संभालना शुरू कर देंगे। लगभग दो माह में रंग बदल जायेगा और वह मिट्टी की खुशबू वाली खाद बन जाएगी। इसके निरंतर प्रयोग के लिए तीन से चार पुराने मटके से आप अपने गीले कचरे को निरंतर डालते हुए खाद बनाने की प्रक्रिया को जारी रख सकते हैं।

जय स्तंभ के आसपास का अतिक्रमण हटाएं, न कि रोटरी : खरे

रीवा। समता सम्पर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा है कि रीवा जिला प्रशासन आजादी के आंदोलन के प्रतीक जय स्तंभ को हल्के में नहीं ले। जय स्तंभ के आसपास सड़क किनारे हुए अतिक्रमण को हटाने की जगह जय स्तंभ की रोटरी कों निशाना बनाया जाना सरासर ग़लत है। जबकि अस्पताल चौराहा, कॉलेज चौराहा, सिरमौर चौराहा, एस ए एफ और पीटीएस चौराहे की बड़ी रोटरी पर कभी कोई सवाल नहीं होता है। जय स्तंभ आजादी के आंदोलन की स्मृति में बनाया गया है। इसके स्वरूप को बिगाड़ने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज होना चाहिए। श्री खरे ने कहा कि जय स्तंभ को अन्य चौराहों की तरह सौंदर्यीकरण किया जाना चाहिए। यह भारी विडंबना है कि जय स्तंभ में यातायात व्यवस्था जानबूझकर लचर बनाई गई है। आखिरकार वहां ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था क्यों नहीं बनाई जा रही। रीवा शहर का अतिक्रमण हटाने की मुहिम जय स्तंभ क्षेत्र में क्यों प्रभावी नहीं हो रही है। श्री खरे ने कहा कि यदि रोटरी समस्या है तो फिर अन्य चौराहों की रोटरी को कैसे विस्तार दिया गया है।

अब मेडिकल स्टोरों पर बैठकर चिकित्सक नहीं दे सकेंगे सेवा

दवा दुकानों में चल रहे अवैध क्लीनिक, पंजीयन नहीं हुआ तो निरस्त होगा ड्रग लाइसेंस

स्वास्थ्य विभाग ने दवा दुकानों में क्लीनिक संचालन के लिए जारी किए निर्देश

जागरण,रीवा। मध्यप्रदेश के बाहर से आने वाले चिकित्सक दवा दुकानों में बैठकर मरीजों को परामर्श दे रहे हैं। जिला सहित प्रदेश में यह धंधा बढ़ता जा रहा है। मेडिकल संचालक दवा का लाइसेंस लेकर बाकायदा क्लीनिक का संचालन करा रहे हैं। यह बात संज्ञान में आने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने दवा दुकानों में चल रहे अवैध क्लीनिकों को लेकर निर्देश जारी किए हैं। निर्देश के अनुसार यदि कोई डॉक्टर रीवा में किसी भी मेडिकल शॉप या स्थान पर परामर्श देने का कार्य करते हैं, तो क्लीनिक का पंजीयन कराना अनिवार्य है। चाहे वे कितने ही सीमित समय के लिए क्यों न आ रहे हों। निर्देश में यह स्पष्ट किया गया है कि केवल ड्रग लाइसेंस के आधार पर क्लीनिक संचालन मान्य नहीं है। यदि किसी भी मेडिकल शॉप पर डॉक्टर बैठते हैं, तो वहां का क्लीनिक पंजीयन प्राप्त करना अनिवार्य है। पंजीयन के पश्चात ही क्लीनिक का संचालन किया जा सकेगा।

औषधि निरीक्षक रद्द करें ड्रग लाइसेंस : औषधि निरीक्षकों को निर्देशित किया है कि जिन मेडिकल शॉप्स में क्लीनिक का पंजीयन नहीं है और वहां डॉक्टर द्वारा परामर्श सेवाएं दी जा रही हैं। ऐसे संस्थानों के विरुद्ध ड्रग लाइसेंस रद्द करने की कार्रवाई की जाए। चाहे डॉक्टर मात्र एक दिन के लिए ही क्यों न बैठते होंए पंजीयन कराना अनिवार्य है।

पंजीयन नहीं तो सूचना दें

विभागीय अधिकारियों द्वारा जनता से अपील की गई है कि जब भी वे किसी मेडिकल शॉप या क्लीनिक में जाएं, तो यह सुनिश्चित करें कि वहां का क्लीनिक रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र उपलब्ध है अथवा नहीं। यदि प्रमाण पत्र उपलब्ध नहीं है, तो इसकी सूचना स्वास्थ्य अधिकारियों को दें।

क्लीनिक संचालन के लिए यह जरूरी

- चिकित्सक मप्र मेडिकल काउंसिल या नेशनल मेडिकल कमीशन से पंजीकृत हो।
- क्लीनिक में बायोमेडिकल वेस्ट उत्पन्न होता है तो पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से एनओसी अनिवार्य
- क्लीनिकों को एमपी ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन करना होगा।

बिना पंजीयन के चल रहे क्लीनिक या किसी मेडिकल शॉप में डॉक्टर का बैठना और परामर्श देना पूर्णतः अवैध है। ऐसे सभी संस्थानों को चेतावनी दी जाती है कि यदि क्लीनिक का पंजीयन नहीं पाया गया, तो उक्त क्लीनिक को किसी भी समय सील किया जा सकता है एवं अधिनियम के अंतर्गत दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

डॉ.संजीव शुक्ला, सीएमएचओ रीवा

रसोई गैस सब्सिडी का दुरुपयोग को रोकने ई-केवाईसी जरूरी

फर्जी कनेक्शनों को खत्म करने आधार कार्ड के जरिए करनी होगी पहचान की पुष्टि

ई-केवाईसी नहीं कराने पर बंद हो जाएगी ग्राहक को मिलने वाली एलपीजी सब्सिडी

जागरण, रीवा। एलपीजी गैस कनेक्शन के लिए सरकार द्वारा ई-केवाईसी कराना अनिवार्य कर दिया गया है। सरकार के इस कदम का उद्देश्य एलपीजी सब्सिडी के दुरुपयोग को रोकना और फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना है। एलपीजी ई-केवाईसी प्रक्रिया के तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड के जरिए अपनी पहचान की पुष्टि करनी होगी। इससे यह सुनिश्चित किया जाएगा कि केवल वास्तविक उपभोक्ताओं को ही एलपीजी सिलेंडर मिल रही है और सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग हो रहा है। एलपीजी ई-केवाईसी की शुरुआत के साथ सरकार का उद्देश्य पारदर्शिता लाना और रसोई गैस वितरण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाना है। एलपीजी गैस ई-केवाईसी एक इलेक्ट्रॉनिक केवाईसी प्रक्रिया है, जिसके तहत ग्राहकों को अपने आधार कार्ड और बायोमेट्रिक डेटा का उपयोग करके अपनी पहचान सत्यापित करनी होती है। यह प्रक्रिया ऑनलाइन या गैस वितरक एजेंसी के कार्यालय में जाकर पूरी की जा सकती है। इसका मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों को खत्म करना और एलपीजी सब्सिडी का सही तरीके से उपयोग सुनिश्चित करना है। एलपीजी ई-केवाईसी को अनिवार्य बनाने के लिए मुख्य उद्देश्य फर्जी कनेक्शनों की पहचान, आधार कार्ड के माध्यम से ग्राहकों की पहचान सत्यापित करके फर्जी कनेक्शनों को पूरी तरह से खत्म करना है। सरकार का प्रयास है कि सब्सिडी का सही वितरण केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सब्सिडी मिलनी चाहिए, जिससे सरकार के वित्त की बचत होगी। सरकार ने अभी तक अंतिम तिथि घोषित नहीं की है।

ई-केवाईसी का उद्देश्य वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना : एक ही परिवार में एक से अधिक कनेक्शन होने के कारण सरकार को वित्तीय क्षति उठानी पड़ रही है। वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने के लिए एलपीजी ई-केवाईसी 2024 को अनिवार्य इसलिए बनाया गया है क्योंकि भारी मात्रा में फर्जी कनेक्शन पाए गए हैं, जिससे सरकार को भारी वित्तीय नुकसान हुआ है। कई लोग एक से अधिक कनेक्शन लेकर घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग कर रहे थे, जिससे सब्सिडी का दुरुपयोग हो रहा था। आधार आधारित ई-केवाईसी से इन समस्याओं को रोका जा सकता है।

कैसे करें एलपीजी गैस ई-केवाईसी : ऑनलाइन केवाईसी करने की प्रक्रिया को पूरा करने के तीन तरीके हैं जिसके माध्यम से इसे तीन चरणों में पूरा किया जा सकता है। एलपीजी के ग्राहक अपने गैस प्रदाता एजेंसी इंडेन, भारत गैस या एचपी गैस की वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर जाएं। अपना एलपीजी उपभोक्ता नंबर और आधार नंबर दर्ज करें। अपने पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजे गए ओटीपी द्वारा अपनी जानकारी सत्यापित करें। सफल सत्यापन के बाद आपको एक पुष्टिकरण संदेश प्राप्त होगा।

OFFICE OF THE PRINCIPAL DISTRICT & SESSION JUDGE, UMARIA (M.P.)

NOTICE INVITING TENDER

No. 1134/II-12-15/2024 Umaria, Date- 14/05/2025

Tenders are invited through Government Online Tender portal https://mptenders.gov.in from Reputed/Authorized Vendors/ Agencies for Mechanized Cleaning Services, Maintenance of Garden, District Court Building, Service Building, Pocso Court Building, Family Court Building, ADR Building in Campus of District Court Umaria, Madhya Pradesh. The last date of tender submission is **18/06/2025 at 5:00 P.M.** The tender shall be opened on **19/06/2025 at 05:00 P.M.** The detailed tender document along with terms and conditions is available on the official website of the High Court i.e. https://mphc.gov.in & Government Tender portal https://mptenders.gov.in & official website of the District Court i.e. https://umaria.dcourts.gov.in.

PRINCIPAL DISTRICT & SESSIONS JUDGE
UMARIA (M.P.)

G- 13004/25

प्री नर्सिंग सिलेक्शन टेस्ट (PNST) एण्ड जनरल नर्सिंग एवं मिडवाईफरी ट्रेनिंग सिलेक्शन टेस्ट (GNMTST) 2025 हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते हैं

आवेदन पत्र भरने की तिथि 19.05.2025 से 02.06.2025 तक

ऑनलाइन परीक्षा पद्धति समय सारणी

आवेदन पत्र में संशोधन करने की तिथि 19.05.2025 से 07.06.2025 तक

संभावित परीक्षा दिनांक	परीक्षा की पाली	अभ्यर्थियों के लिए रिपोर्टिंग समय	उत्तर अंकित का समय
24 जून 2025 से प्रारंभ	प्रथम	प्रात: 08:30 से प्रात: 09:30 बजे तक	प्रात: 10:30 से प्रात: 12:30 बजे तक (02 घंटे)
	द्वितीय	दोपहर 01:00 से दोपहर 02:00 बजे तक	दोपहर 03:00 से दोपहर 05:00 बजे तक (02 घंटे)

आवेदन पत्र भरने की प्रकिया एवं महत्वपूर्ण निर्देश :-

1. परीक्षा के नियम, विभागवार रिक्त पदों की आरक्षण तालिकाएं एवं परीक्षा संचालन नियम से संबंधित विस्तृत नियमपुस्तिका मण्डल की वेबसाइट **www.esb.mp.gov.in** पर उपलब्ध रहेगी, जिसमें उल्लेखित समस्त नियमों/जानकारी का अध्ययन करके ही आवेदन पत्र भरा जावे।
2. वेबसाइट **www.esb.mponline.gov.in** के माध्यम से आवेदन पत्र भरा जा सकता है।
3. **संभावित परीक्षा शहर-** भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सतना, सागर, रीवा एवं रतलाम
4. **प्रवेश परीक्षा शुल्क***

अनारक्षित अभ्यर्थियों के लिए	रु. 400/-
केवल मध्यप्रदेश के मूल निवासी अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/ई.डब्ल्यू.एस. एवं दिव्यांगजन अभ्यर्थियों के लिए	रु. 200/-
ऑनलाइन आवेदन- कियोस्क के माध्यम से ऑनलाइन भरने वाले अभ्यर्थियों हेतु एम.पी. ऑनलाइन का पोर्टल शुल्क	रु. 60/-
अतिरिक्त रजिस्टर्ड सिटिजन यूजर के माध्यम से लॉगिन कर फार्म भरने पर पोर्टल शुल्क	रु. 20/-

विशेष निर्देश

1. अभ्यर्थी का आधार पंजीयन अनिवार्य है।
2. मण्डल द्वारा आयोजित परीक्षाओं में मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र लाना अनिवार्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के रूप में अभ्यर्थी मतदाता पहचान पत्र, पेन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, आधार कार्ड, पासपोर्ट, में से काई एक को चयनित कर सकता है। यू.आई.डी.ए.आई. (UIDAI) के द्वारा सत्यापित (Verify) होने पर ही ई आधार मान्य होगा। मूल फोटोयुक्त पहचान पत्र के अभाव में परीक्षार्थी को परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित किया जाएगा।
3. अभ्यर्थी को नियम पुस्तिका में विनिश्चित मूल परिचय पत्र के अतिरिक्त अपना आधार कार्ड/ई-आधार कार्ड की छायाप्रति/आधार नंबर/आधार VID की जानकारी लाना अनिवार्य है।
4. परीक्षा में प्रवेश के समय एवं परीक्षा के दौरान बहुस्तरीय बायोमेट्रिक सत्यापन अनिवार्य है। अत: जिन अभ्यर्थियों का आधार नंबर लॉक है वह परीक्षा दिनांक को परीक्षा केंद्र पर उपस्थिति के पूर्व आधार अनलॉक करवाना सुनिश्चित करें।
5. परीक्षार्थियों को परीक्षा में रिपोर्टिंग समय तक परीक्षा केंद्र में प्रवेश की अनुमति होगीइसके पश्चात विलम्ब से आने पर अभ्यर्थियों को प्रवेश की पात्रता नहीं होगी।
6. परीक्षा कक्ष में इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस यथा मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, लॉग टेबल्स, डिजीटल घड़ी, नकल पर्चा एवं sun glasses (धूप का चश्मा) आदि का उपयोग पूर्णत: वर्जित है।
7. ऑनलाइन आवेदन-पत्र क्रमांक के द्वारा ही ऑनलाइन परीक्षा हेतु अभ्यर्थी अपना प्रवेश-पत्र प्राप्त कर सकते हैं। अत: आवेदन-पत्र क्रमांक आवश्यक रूप से संभाल कर रखें, जिसकी समस्त जिम्मेदारी आवेदक की ही होगी।
8. परीक्षा केंद्र पर आवेदक को परीक्षा हाल में प्रवेश हेतु मण्डल वेबसाइट से डाउनलोड किये गये प्रवेश-पत्र साथ लाना अनिवार्य है।
9. किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा प्रारंभ होने के पश्चात् परीक्षा समाप्ति तक परीक्षा कक्ष छोड़ने की अनुमति नहीं होगी।
10. आवेदन-पत्र भरते समय उम्मीदवारों के किसी भी प्रमाण पत्र का परीक्षण मण्डल द्वारा नहीं किया जाकर नियुक्ति प्रकिया के दौरान सम्बंधित विभाग द्वारा किया जाता है। अत: कम्प्यूटर आधारित (Online) परीक्षा में उम्मीदवारों की पात्रता (Eligibility) पूर्णत: प्रावधिक (Provisional) होगी।

विशेष नोट - मण्डल अपनी सुविधानुसार परीक्षा तिथि/परीक्षा पाली/शहरों/केन्द्रों एवं अन्य बिन्दुओं में परिवर्तन कर सकता है।

विज्ञापन क्र. 57/2025 संचालक

मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मण्डल
Madhya Pradesh Employees Selection Board (MPESB)
'चयन भवन' मेन रोड नं. - 1, चिनार पार्क (ईस्ट) भोपाल - 462011
Fax : +91-0755-2550498, website : www.esb.mp.gov.in
म.प्र. माध्यम/120137/2025

कार्यालय कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग, (भ./स.) संभाग क्रमांक-1 रीवा
निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 10/ब.ले.लि./निविदा/2025-2026 रीवा, दिनांक 13/05/2025

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से निम्न कार्यों हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा समस्त संशोधन सहित के आधार पर प्रपत्र-अ में निविदाकारों, जो केन्द्रीय पंजीयन प्रणाली के तहत लोक निर्माण विभाग में उपयुक्त श्रेणी में पजीकृत हो, से आमंत्रित की जाती है।

क्र.	टेण्डर कमांक	कार्य का नाम	ठेके की अनु. राशि (रू.लाख में)	1- अमानत राशि 2- निविदा प्रपत्र का मूल्य	1- निविदा आमंत्रण क्र. 2- कार्यावधि सहित/छोड़कर
1	2	3	4	5	6
1	PWDRB 422869	उपसंभाग मऊगंज अन्तर्गत हनुमना स्थिति न्यायालय में सर्वर रूम का मरम्मत कार्य	2.93	1- 5860.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
2	PWDRB 422871	उपसंभाग क्रमांक-3 के अन्तर्गत सिरमौर स्थिति न्यायालय में सर्वर रूम का मरम्मत कार्य	1.12	1- 2240.00 2- 1000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
3	PWDRB 422872	उपसंभाग क्रमांक-1 के अन्तर्गत मानस भवन का रेनोवेशन का कार्य	4.23	1- 8460.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
4	PWDRB 422873	उपसंभाग क्रमांक-1 के अन्तर्गत उपखण्ड सिविल लाईन में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत शासकीय आवास क्रमांक न्यू एफ-1 सिलि लाईन रीवा का मरम्मत कार्य	4.23	1- 8460.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
5	PWDRB 422874	उपसंभाग क्रमांक-1 के अन्तर्गत उपखण्ड बिछिया में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत ओल्ड एच टाईप क्वार्टर नं. एच-1 चिरहुला कालोनी रीवा का मरम्मत कार्य	3.00	1- 6000.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
6	PWDRB 422875	उपसंभाग क्रमांक-1 के अन्तर्गत उपखण्ड बिछिया में विशेष मरम्मत के अन्तर्गत शासकीय आवास क्रमांक जी-2 (कन्टेनजेंसी क्वार्टर) विटनरी ऑफिस बिछिया रीवा का मरम्मत कार्य	3.38	1- 6760.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 02 माह वर्षाकाल सहित
7	PWDRB 422876	उपसंभाग त्योंथर के अन्तर्गत रेस्ट हाउस एवं न्यायालयीन भवनों का मरम्मत कार्य	16.94	1- 33880.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 06 माह वर्षाकाल सहित
8	PWDRB 422878	उपसंभाग त्योंथर के अन्तर्गत आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य	16.94	1- 33880.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 06 माह वर्षाकाल सहित
9	PWDRB 422879	उपसंभाग मऊगंज अन्तर्गत उपखण्ड हनुमना के आवासीय भवनों का मरम्मत कार्य	16.95	1- 33900.00 2- 2000.00	1- प्रथम आमंत्रण 2- 06 माह वर्षाकाल सहित
		कुल योग	69.72		

उपरोक्त वेबसाइट आर्नेलाइन भुगतान करने के उपरान्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) बेवसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की **अंतिम दिनांक 04/06/2025 सायं 17.30 बजे निर्धारित है।** विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में हाने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग(भ./स.)
संभाग क्रमांक-1 रीवा

G- 13006/25

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरुरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क -
8962086944

श्रुति ने किया संभाग में बेहतर प्रदर्शन

रीवा। सीबीएसई बोर्ड का परिणाम बीते दिवस जारी हुआ। ज्योति सीनियर सेकेंडरी में पढ़ने वाली श्रुति खंताल ने कक्षा 10वीं में 97.2 प्रतिशत अंक हासिल कर संभाग में बेहतर प्रदर्शन किया है। श्रुति के पिता शरद खंताल कृष्णा फार्मेसी कॉलेज मनगवां में प्रशासनिक डायरेक्टर हैं। उन्होंने बताया कि श्रुति ने स्कूल के साथ संभाग में टॉप किया है। इसमें उनकी माता रोली खंताल का विशेष योगदान रहा जो कि खुद कोचिंग चलाती हैं और श्रुति की पढ़ाई का विशेष ध्यान रखती हैं। बतादें कि ज्योति सीनियर सेकेंडरी के ही छात्र शुभादित्य सिंह ने 98 प्रतिशत अंक हासिल किया है जो संभाग में सबसे अधिक हो सकता है।

मिट्टी के पोषक तत्व और गुण बताता है मृदा स्वास्थ्य कार्ड

रीवा। भारत सरकार द्वारा स्वाइल हेल्थ कार्ड यानी मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू की गई है। इस योजना के तहत किसान सिंचित क्षेत्र में 2.5 एकड़ तथा अंसिचित क्षेत्र में 10 एकड़ क्षेत्र से मिट्टी का नमूना लेकर उसकी जाँच कराते हैं। यह जाँच कृषि विभाग द्वारा की जाती है। कृषि विभाग द्वारा मिट्टी के नमूने लिए जाने पर इसकी जाँच पूरी तरह से निःशुल्क रहती है। यदि किसान स्वयं सेंपल लेकर जाता है तो मिट्टी के नमूने की जाँच के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जाति के किसान को तीन रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसान को पाँच रुपए प्रति नमूना शुल्क देना होता है। मिट्टी में माइक्रो न्यूट्रेंट की जाँच कराने के लिए अनुसूचित जाति और जनजाति के किसानों को 30 रुपए तथा सामान्य वर्ग के किसानों को 40 रुपए शुल्क देना होता है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड से किसान को उसके खेती की मिट्टी के गुणों तथा पोषक तत्वों की जानकारी मिलती है।

लगन और परिश्रम से बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त हो जाता है: प्रभारी मंत्री

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री ने सेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में मेधावी छात्रों का किया सम्मान

रीवा। श्रम और साधना से किसी भी लक्ष्य को पाया जा सकता है। श्रम और साधना के बलबूते ही सेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा ने कक्षा दसवीं में प्रदेश भर में चौथा स्थान हासिल किया है। ये बातें प्रदेश के पंचायत ग्रामीण विकास श्रम मंत्री एवं रीवा जिले के प्रभारी मंत्री प्रहलाद पटेल ने सेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर कहीं। मंत्री श्री पटेल मेधावी छात्रों को सम्मानित करने स्कूल पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि मेरी शुभकामनाएं हैं कि ये मेधावी छात्र आगे और सफलता हासिल करे ताकि विश्व के परिदृश्य में इनकी प्रतिभा का परचम फहरे। बताते चलें कि प्रभारी मंत्री श्री पटेल रायपुर कर्चुलियान अंतर्गत पहड़िया ग्राम में संचालित सेवियर पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्रों को सम्मानित करने पहुंचे। दरअसल सेवियर सीनियर सेकेंडरी स्कूल की छात्रा अंजलि शर्मा ने इस वर्ष एमपी बोर्ड के जारी परीक्षा परिणाम में कक्षा दसवीं में पूरे मध्य प्रदेश में चौथा स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर मेधावी छात्रों को सम्मानित करने के लिए सेवियर पब्लिक स्कूल प्रांगण में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। उक्त समारोह में प्रभारी मंत्री ने मेधावी छात्रों को सम्मानित किया वहीं विद्यालय की डायरेक्टर अनिता सिंह सहित समस्त स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। श्री पटेल ने कहा कि अंजलि ने प्रदेश भर में अपने नाम के साथ इस विद्यालय परिवार का नाम रोशन किया है। उसने ये साबित कर दिया है कि ग्रामीण अंचल में प्रतिभाओं की कमी नहीं, जरूरत है उनकी प्रतिभा को निखारने की। कार्यकम में भाजपा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष अजय सिंह पटेल, भाजपा किसान मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र सिंह समान, विशंभर पटेल, भाजपा पिछड़ा वर्ग के जिला मंत्री विवेकानंद पटेल, एड रावेंद्र मिश्र, शिवेंद्र सिंह, दिनेश पटेल, विनोद पटेल, ऋषिराज सिंह आदि सैकड़ों की संख्या में छात्र एवं अभिभावक मौजूद रहे।

मोबाइल की स्क्रीन बता देगी कौन से कॉलेज में मिलेगा एडमिशन

ई-प्रवेश प्रक्रिया में मोबाइल ऐप से भी होगा विद्यार्थियों का पंजीयन

छात्रों के लिए आसान हुई प्रक्रिया, इसी वर्ष पहली बार हुई शुरुआत

जागरण, रीवा

प्रदेश में पहली बार कॉलेजों के एडमिशन मोबाइल एप के द्वारा होंगे। 15 मई गुरुवार से प्रवेश प्रक्रिया चालू हो गई है। छात्रों को अपने मोबाइल पर ई-प्रवेश एप डाउनलोड करना होगा, फिर उनके 12वीं के अंकों के आधार पर कॉलेज तय होगा। पहली बार यह प्रक्रिया अपनाई जा रही है। छात्रों को एप पर ही सीटों और फीस की जानकारी भी आसानी से मिल जाएगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा मध्यप्रदेश के शासकीय, अनुदान प्राप्त अशासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों में स्नातक प्रथम वर्ष, स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष सेमेस्टर में प्रवेश के लिए ई-प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है।

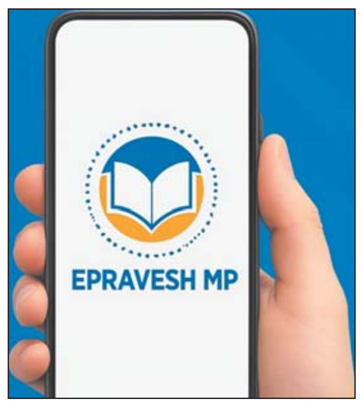

फीस की जानकारी भी मोबाइल पर

खास बात यह है कि इस बार फीस की जानकारी लेने के लिए भी विद्यार्थियों को भटकना नहीं पड़ेगा, मोबाइल एप पर ही फीस की जानकारी भी आसानी से मिल जाएगी। एप पर कॉलेज की सीटों की जानकारी के साथ फीस का स्ट्रक्चर भी उपलब्ध होगा। छात्र आसानी से अपने बजट क अनुरूप कॉलेज का चयन कर सकेंगे।

प्राइवेट कॉलेजों के नाम पोर्टल पर नहीं खुल रहे

रीवा सहित मध्यप्रदेश के कॉलेजों में एडमिशन का काम गुरुवार से शुरू हो गया है लेकिन ग्रांटेड और प्राइवेट कॉलेजों के नाम पोर्टल पर चढ़े ही नहीं। इस बार एमपी बोर्ड, सीबीएसई और आईपीएससी हायर सेकेंडरी का नतीजा आने बाद प्रदेश में इस बार राजकोट की इन्फिनिटी इंफो.वे कंपनी से एडमिशन का काम करवाया जा जा रहा है। पहले इसके लिए बेंगलुरु की एसआरआईटी कंपनी को ठेका देने की बात कही जा रही थी। एडमिशन के लिए प्रदेश के 1360 कॉलेज हैं, लेकिन इस एप पर मध्यप्रदेश के 570 गवर्नमेंट और कुछ ऑटोनॉमस कॉलेज ही पात्र बताए जा रहे हैं। 73 ग्रांट और 568 प्राइवेट कॉलेज के नाम इस लिस्ट में दिखाई ही नहीं दे रहे थे। इसका मतलब हुआ कि विद्यार्थी अभी सिर्फगवर्नमेंट कॉलेज में ही एडमिशन ले सकेंगे। हालांकि इस सप्ताह में इसमें सुधार की बात कही जा रही है।

वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुक्रवार से

उच्च शिक्षा विभाग के सभी सरकारी-निजी कॉलेजों में प्रवेश प्रक्रिया 15 मई से चार जुलाई तक निर्धारित की है। यह प्रक्रिया 3 चरणों में होगी। इसमें दो केंद्रीकृत और एक महाविद्यालय स्तरीय काउंसलिंग चरण शामिल हैं। विभाग ने एडमिशन का शेड्यूल जारी कर दिया है। पहले चरण के तहत रजिस्ट्रेशन 30 मई तक होंगे। सीट आवंटन पांच जून को किया जाएगा। वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुक्रवार से शुरू होगी। छात्र ई-प्रवेश मोबाइल एप और पोर्टल के माध्यम से पंजीयन कर सकेंगे। इस बार एक वर्षीय पीजी में भी प्रवेश मिलेगा। बताया जाता है एनसीटीई पाठयक्रम के लिए रजिस्ट्रेशन शुल्क 250 रुपए एवं सामान्य पाठयक्रमों के लिए 150 रुपए रखा गया है।

> ई-प्रवेश एप डाउनलोड कर छात्र प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं, इससे घर बैठे हर जानकारी उन्हें उपलब्ध हो जाएगी। विभाग द्वारा छात्रों को राहत देने यह एप शुरु की गई है।
> **डॉ.आरपी सिंह**
> **क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा**

5वीं-8वीं की पुनः परीक्षा अब 2 जून से होगी

राज्य शिक्षा केंद्र ने जारी किया संशोधित आदेश, समय सारणी जारी

जागरण, रीवा। राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं एवं 8वीं की पुनः परीक्षा का संशोधित आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक अपरिहार्य कारणों से तिथियों में आंशिक संशोधन किया गया है। यह परीक्षा अब 22 मई की बजाय 2 जून से 9 जून के बीच कराई जाएगी। इसके साथ परीक्षा की समय-सारणी भी जारी कर दी गई है। समस्त शासकीय, अशासकीय (मान्यता) प्राप्त एवं अनुदान प्राप्त शालाओं तथा डाइस कोड प्राप्त मदरसों के कक्षा 5वीं व 8वीं की वार्षिक मुख्य परीक्षा में अनुत्तीर्ण एवं अनुपस्थित परीक्षार्थियों के लिए पुनः परीक्षा का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक होगा। जिला परियोजना समन्वयक योगेश शर्मा ने बताया कि संशोधित आदेश की जानकारी स्कूलों तक पहुंचा दी गई है।

पांचवीं की पुनः परीक्षा वर्ष 2024 2025 की संशोधित समय-सारणी

- 2 जून, प्रथम भाषा.हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी
- 3 जून, गणित अथवा संगीत (दृष्टिबाधितों हेतु)
- 4 जून, पर्यावरण अध्ययन
- 5 जून, द्वितीय भाषा.अंग्रेजी (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी, उर्दू, मराठी है। अथवा हिन्दी (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है)
- 6 जून, अतिरिक्त भाषा.हिन्दी, संस्कृत, उर्दू, पंजाबी

आठवीं की पुनः परीक्षा वर्ष 2024 2025 की संशोधित समय-सारणी

- 2 जून, प्रथम भाषा.हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू, मराठी
- 3 जून, गणित अथवा संगीत
- 4 जून, विज्ञान
- 5 जून, सामाजिक विज्ञान
- 6 जून, द्वितीय भाषा.अंग्रेजी (जिनकी प्रथम भाषा हिन्दी, उर्दू, मराठी है। अथवा हिन्दी (जिनकी प्रथम भाषा अंग्रेजी है)
- 9 जून, तृतीय भाषा.संस्कृत, हिन्दी, उर्दू, मराठी, उड़िया, पंजाबी, गुजराती

गर्मी में पेयजल की व्यवस्था करना सबसे बड़ा मानव धर्म

पुस्तक विक्रेता संघ ने सार्वजनिक प्याऊ का किया उद्घाटन

रीवा। पुस्तक विक्रेता संघ के तत्वावधान में अग्रसेन बुक एजेंसी सिरमौर चौराहा रामा गोविंद पैलेस में निःशुल्क सार्वजनिक शीतल पेयजल प्याऊ का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ में संघ के संरक्षक नरेंद्र गुप्ता नरेश चुगवानी द्वारा फीता काटकर किया गया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि भीषण गर्मी में आमजन को शुद्ध व ठंडा पानी उपलब्ध कराना सबसे बड़ा मानव धर्म है। यह सेवा कार्य न केवल सामाजिक जिम्मेदारी का उदाहरण है, बल्कि पुण्य का कार्य भी है। संघ के नवनियुक्त अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा, जल ही जीवन है, जल है तो कल है। संघ के द्वारा यह तृतीय निःशुल्क प्याऊ का उद्घाटन है, सभी व्यापारी अपने प्रतिष्ठानों के सामने प्याऊ की व्यवस्था करें। संघ के उपाध्यक्ष कमलेश अग्रवाल ने भी इसे अत्यंत सराहनीय कार्य बताते हुए कहा कि पेयजल व्यवस्था के साथ जल संरक्षण भी उतना ही आवश्यक है। संघ सचिव मयंक गोयल ने जानकारी दी कि रीवा नगर में शीघ्र ही 2 और सार्वजनिक स्थानों पर निःशुल्क प्याऊ स्थापित किए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता संघ के सदस्य हेमंत अग्रवाल ने की व कोषाध्यक्ष आदित्य मिश्रा ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर संदीप श्रीवास्तव शिवम गुप्ता सुरेश कुशवाहा राजेश सिंह सुशील मिश्रा महेंद्र गुप्ता प्रेमचंद गुप्ता संजय सिंह भास्कर मिश्रा अनिल अग्रवाल नीरज गुप्ता शिवेश गौतम रिंकू मिश्रा कृष्ण कुमार पाण्डेय कामता शरण द्विवेदी सुलभ पुरवार जयप्रकाश मिश्रा नईम आजाद संतोष अग्रवाल रामजी गुप्ता राकेश गुप्ता सहित बड़ी संख्या में स्थानीय आमजन उपस्थित रहे।

एमसीयू में वैदिक सनातनी ज्योतिष सम्मेलन 22 जून को

रीवा। माखन लाल चतुर्वेदी यूनिवर्सिटी के सभागार में अगामी 22 जून को वैदिक सनातनी ज्योतिष महामंथन विद्वान की खोज सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। इस सम्मेलन में देश के प्रसिद्ध ज्योतिषी जीडी वशिष्ठ, अनिल वत्स, अक्षय शर्मा, विक्रम विश्वविद्यालय ज्योतिष विभाग एचओडी सर्वेश्वर शर्मा, पंडित दिनेश गुरु आदि विश्वविख्यात ज्योतिषी उपस्थित होंगे। कार्यक्रम के आयोजक रीवा के एस्ट्रोलॉजर विक्रम शुक्ला एवं संयोजक दीप खरे एवं सह आयोजक पंडित राज शर्मा हैं। सम्मेलन में ज्योतिष के विद्वत गुरुजन एकत्रित होकर अपने ज्ञान को साझा करेंगे । इस अवसर पर ज्योतिष विद्वानों को सम्मानित भी किया जाएगा। साथ ही जीडी वशिष्ठ तथा अन्य विद्वानों द्वारा ज्योतिष के गहरे विषय पर व्याख्यान भी दिए जायेंगे।

पीएम फसल बीमा योजना: प्राकृतिक आपदा में किसानों के साथ

रीवा। देश में खेती परंपरागत रूप से प्रकृति पर आधारित है। किसान की फसल पर पाले, अधिक वर्षा, बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा में हानि का सदैव खतरा रहता है। इससे किसान को सुरक्षा देने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू की गई है। इस योजना में बीमा कंपनियाँ बीमा की जो राशि तय करती हैं उसमें से किसान को खरीफ फसल के लिए केवल 2 प्रतिशत और रबी फसल के लिए 1.5 प्रतिशत प्रीमियम देना होता है। बागवानी फसलों के लिए प्रीमियम राशि 5 प्रतिशत निर्धारित की गई है। प्रीमियम की शेष राशि का 50 प्रतिशत केन्द्र सरकार तथा 50 प्रतिशत राज्य सरकार द्वारा अदा किया जाता है। फसल हानि होने पर कम से कम 25 प्रतिशत दावा राशि सीधे किसान के बैंक खाते में दी जाती है। इस संबंध में उप संचालक कृषि यूपी बागरी ने बताया कि प्रत्येक जिले में तहसीलवार, फसलवार तथा हल्कावार बीमा के प्रकरण तैयार किए जाते हैं।

एपीएस क्रिकेट चैलेंजर कप का हुआ समापन

जागरण, रीवा। एपीएस क्रिकेट चैलेंजर कप के प्रथम संस्करण का समापन रविवार को हुआ। इस अवसर मुख्य अतिथि इंजी. राजेंद्र शर्मा चेयरमैन शिल्पी कंस्ट्रक्शन रीवा रहे, विशिष्ट अतिथि डॉ शिवेंद्र शुक्ला मैनेजिंग डायरेक्टर रीवा हॉस्पिटल, अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खिलाड़ी ईश्वर पांडे, डॉ.जय तिवारी सुपरस्पेशलिटी रीवा थे। अध्यक्षता अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग रीवा संभाग रीवा डॉ.आरपी सिंह ने की। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में यहां के इतिहास के बारे बताते हुए खिलाड़ी एवं कमेटी को प्रतियोगिता की बधाई दी। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि श्री शर्मा ने आयोजक समिति शारीरिक शिक्षा विभाग के पूर्व एवं वर्तमान छात्रों को प्रतियोगिता के सफल आयोजन की बधाई के साथ खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं, साथ ही शिल्पी लीग का शुभारंभ बड़े मंच के साथ करने की घोषणा की। उन्होंने कहा इसके लिए रीवा संभाग ही नहीं, पूरा विंध्य आपके खेल के क्षेत्र में लगातार योगदान एवं सहयोग के लिए आभारी रहेगा। संपूर्ण प्रतियोगिता में संचालक शारीरिक शिक्षा विभाग के संचालक प्रो. राम भूषण मिश्रा के नेतृत्व में कमेटी के विपिन वर्मा, विजय प्रताप सिंह, डॉ. गायत्री शुक्ला, डॉ. विजय सिंह, डॉ. भरत विश्वकर्मा, विक्रांत पटेल, रोशन मिश्रा, शांतनु तिवारी, तरुण अर्जुन यादव, नितेश द्विवेदी, रईस मंसूरी, गौरव तिवारी, अमन पांडे, अंपायर के रूप में जितेंद्र गुप्ता, अमित प्रताप सिंह, संजय तिवारी, तरुण पटेल, स्कोरर के रूप में रोशन मिश्रा, अमीषा, अंशू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रकृति की संवाहक संस्कृति रही है गोंड स्थापत्य कला: कुलगुरु

वेंकट भवन में छाया चित्र प्रदर्शनी एवं कार्यशाला का आयोजन

जागरण, रीवा। विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर पुरातत्व अभिलेखागार एवं संग्रहालय के तत्वावधान में वेंकट भवन पुरातत्व संग्रहालय की ऐतिहासिक सुरंग में गोंड स्थापित कला से संबंधित चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ किया गया एवं प्राचीन मूर्ति कला से संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। गोंड आदिवासी स्थापत्य कला से संबंधित चित्र प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ राजेंद्र कुमार कुड़ारिया ने कहा कि गोंड संस्कृति हमारे देश की प्राकृतिक सभ्यता संस्कृति का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्कृति है, जिनके घर, महल या रहवास के स्थलों पर प्रकृति चित्रण वन्यजीवों का चित्रण उभर कर सामने आता है और यह हमेशा राष्ट्र के प्रति समर्पित रहे हैं । गोंड स्थापत्य कला मध्य भारत के अपने मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में विस्तारित रहे हैं और इस समाज की राष्ट्रभक्त जांबाज रानी के नाम पर ही मध्य प्रदेश ही नहीं देश का सबसे सुंदर रेलवे स्टेशन रानी कमलापति के नाम से समर्पित किया गया है, जो गोंड सभ्यता संस्कृति की परिचायक रहीं हैं। कुलपति डॉ कुड़ारिया ने पुरातत्व विभाग के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रदर्शनी से वर्तमान समाज न केवल शिक्षित होता है, बल्कि देश में उनके द्वारा दिए गए योगदान को बेहतर तरीके से समझ सकता है। कार्यशाला में प्रो महेश चंद्र श्रीवास्तव, सरदार प्रहलाद सिंह, इतिहासकार असद खान, शिक्षाविद् डॉ मुकेश येंगल, डॉ गोविंद सिंह डांगी, डॉ चंद्रप्रकाश मिश्र ने भी संबोधित किया।

शिल्प व स्थापत्य कला में विंध्य का रहा स्वर्णिम युग : अपने संबोधन में असद खान ने कहा कि नवमीं सदी से 1150 ई.तक विंध्य क्षेत्र में कल्चुरीयुग था जो मूर्ति कला एवं स्थापत्य कला की दृष्टि से स्वर्णिम युग था। रीवा नगर में उसे युग की अद्भुत मूर्ति शिल्प रीवा किले में पुतिरहा दरवाजा, पद्मधर पार्क में हर-गौरी की विशाल प्रतिमा, भैरवनाथ की प्रतिमा के अलावा सैकड़ों की तादात में प्रतिमाएं उसे स्वर्णिम दौर की शिल्पकला का बयां खुद-ब-खुद कर रही हैं। पर्यावरण एवं पुरातत्व विशेषज्ञ डॉ मुकेश येंगल ने कहा कि प्राचीन मूर्तिकला में भारत विश्व का प्रतिनिधित्व करता है। अजन्ता एलोरा के मन्दिर, कोणार्क का सूर्य टेंपल, दक्षिण भारत अद्भुत मूर्तिकला और विंध्यक्षेत्र में डेढ़ हजार सालों के अनवरत मुर्तिशिल्प लाजवाब हैं। डॉ येंगल ने रीवा के विरासत की विस्तापूर्वक जानकारी प्रस्तुत की। दूसरे सत्र में डॉ रविता पाठक, शिक्षाविद् जेपी जायसवाल, पंकज शर्मा, विनोद भट्ट, एवं शाहिद परवेज़ ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

विश्व संग्रहालय दिवस के अवसर पर वेंकट भवन पुरातत्व संग्रहालय में आयोजित प्रदर्शनी एवं कार्यशाला में विश्वविद्यालय में प्राचीन इतिहास विभाग के विभाग अध्यक्ष प्रोफेसर महेश चंद्र श्रीवास्तव,कार्यक्रम संयोजक डॉ मुकेश येंगल , लेखक असद खान वरिष्ठ समाजसेवी सरदार प्रहलाद सिंह, डॉ गोविंद सिंह डांगी, डॉ चंद्र प्रकाश मिश्रा, डॉ नलिन दुबे ,सेना के पूर्व अधिकारी चंद्रशेखर तिवारी, शिक्षाविद् पंकज शर्मा , इंजीनियर दीपक निगम, ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के प्रकाश द्विवेदी, शिक्षाविद् जेपी जायसवाल प्राचार्य उत्कृष्ट विद्यालय, केंद्रीय विद्यालय की सीनियर लेक्चरर डॉ रविता पाठक ,यूथ हॉस्टल एसोसिएशन के चेयरमैंन शाहिद परवेज ,वेंकट भवन के तेज बहादुर सिंह ,शिव श्रीवास्तव,अभिषेक शर्मा, कुसुम सिंह, रूबी द्विवेदी, नीलू तिवारी, रुचि द्विवेदी, शिक्षाविद् उमेश, शिवेश श्रीवास्तव, आंचल मिश्रा, संदीप जडिया, रंजीव गुप्ता, विजय विश्वकर्मा, अविनाश, सुरेंद्र शर्मा, सहित नगर के बड़ी संख्या में शिक्षाविद् एवं समाजसेवी संगठन के साथी उपस्थित रहे।

विवि के पुरातत्व संग्रहालय का किया अवलोकन

कुलगुरु प्रो राजेंद्र कुमार कुड़ारिया ने विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के संग्रहालय का भ्रमण किया। कुलगुरु ने संग्रहालय में संग्रहित सभी पुरासामग्रियों का विस्तृत अवलोकन किया तथा विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की विद्यार्थी इस पुरासम्पदा को समझे, इसका अध्ययन करें और इसके संरक्षण में योगदान दें, प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति पुरातत्व विभाग का संग्रहालय विशिष्ट है, जहां पर मानव के उद्भव से लेकर क्रमिक विकास के सभी पुरावशेष संग्रहित एवं प्रदर्शित किए गए हैं जो विद्यार्थियों के अध्ययन हेतु अत्यधिक उपयोगी है। कुलगुरु ने विश्वविद्यालय संग्रहालय के विकास हेतु विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से संपर्क कर उसके विकास की बात कही तथा विस्तृत कार्य योजना पर विभागीय शिक्षकों से चर्चा की। विभागाध्यक्ष प्रो. महेश चंद्र श्रीवास्तव ने संग्रहालय में संग्रहित पुरासामग्री से अवगत कराया एवं उनकी विशेषताओं की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर नलिन दुबे, डॉ. गोविंद सिंह दांगी, डॉ चंद्र प्रकाश मिश्रा, आनंद प्रकाश गर्ग एवं नईमुद्दीन खान एवं विभागीय छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक मूल्यों को स्थापित करेगी ज्योति कलश यात्रा

रीवा। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के मार्गदर्शन में ज्योति कलश यात्रा का स्वागत अटल पार्क में कलश पूजन, शंखनाद के साथ किया गया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मनगवां विधायक के पिताश्री बीपी प्रजापति रहे। कलश पूजन वैदिक मंत्रोच्चार से कराया गया। ज्योति कलश यात्रा जिले में 25 मई तक चलेगी । गायत्री परिवार द्वारा जिले की 9 तहसील में 18 दिनों में 74 ग्रामों के 700 व्यक्तियों तक गायत्री यज्ञ तथा दीप यज्ञ के मध्याम से सम्पर्क कर गुरुदेव के विचार एवं ज्योति कलश यात्रा के उद्देश्य के बारे मे बताया गया। यात्रा के दौरान मंडल गठन का कार्य भी प्रारम्भ है। जिला समन्वयक रविंद्र सिंह ने बताया कि जन्म शताब्दी वर्ष युग परिवर्तन की विशिष्ट बेला है, यह देवत्व के नव जागरण की बेला है। राजेश शर्मा ने ज्योति कलश यात्रा के उद्देश्य के बारे मे बताया तथा भागीदार बनाने का अनुरोध किया।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

जवान की वापसी, भारत की कूटनीतिक कामयाबी

> पाकिस्तानी सीमा में गलती से जा पहुंचे भारत के सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ के एक जवान को पाकिस्तान ने लौटा दिया है और स्वाभाविक ही इसे भारत की एक और कूटनीतिक कामयाबी माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी गलती से जवानों के सीमा पार कर जाने की कई घटनाएं सामने आ चुकी हैं। अगर युद्ध या तनाव की स्थिति न हो तो रिहाई में ज्यादा मुश्किल नहीं होती है। गौरतलब है कि भारत के बीएसएफ के जवान पूर्णम साव तेईस अप्रैल को गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे और वहां उन्हें पकड़ लिया गया था। सीमा पार किन्हीं हालात में अगर अन्य देश के जवान को पकड़ लिया जाता है तो उसके जीवन तक को लेकर आशंकाएं पैदा हो जाती हैं। यही वजह है कि पूर्णम साव की वापसी को लेकर उनके परिवार सहित देश के लोगों की चिंताएं गहरा रही थीं। इस बीच भारत और पाकिस्तान के बीच किस स्तर का टकराव हुआ, यह दुनिया ने देखा। लेकिन अब बुधवार को जब पूर्णम साव की पाकिस्तान से रिहाई की खबर आई, तो निश्चित तौर पर यह उनके परिवार वालों के साथ-साथ समूचे देश के लोगों के लिए राहत की बात थी। दोनों देशों के डीजीएमओ स्तर पर हुई बातचीत के नतीजे में बीस दिनों के बाद पूर्णम शा को छोड़ा गया। दरअसल, जिन परिस्थितियों में जवान पूर्णम साव गलती से पाकिस्तानी सीमा में दाखिल हो गए थे, वे इतनी ज्यादा संवेदनशील थीं कि उस दौरान दोनों देशों के बीच संघर्ष की नौबत आई। पहलगाम में आतंकी हमले में छब्बीस लोगों की मारे जाने के बाद भारत के पास एक तरह से जवाबी कार्रवाई करना अंतिम विकल्प था। इस टकराव की तीव्रता का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि इसे दोनों देशों के बीच पूर्ण संघर्ष के तौर पर भी देखा गया। ऐसे में अगर बीएसएफ जवान की सुरक्षा और जान को लेकर भारत में चिंता गहरा रही थी, तो यह लाजिमी था। यों भी पाकिस्तान के अतीत और उसकी प्रकृति अक्सर उसके विवेक आधारित फैसले नहीं लेने के ही सूचक रहे हैं। हालांकि इस बीच उम्मीद जरूर की जा रही थी कि तमाम विपरीत हालात के बावजूद भारत के लगातार कूटनीतिक प्रयासों से जवान की वापसी सुनिश्चित हो सकेगी। मगर जब दोनों देशों के बीच संघर्ष विराम की घोषणा हुई तब यह उम्मीद और मजबूत हुई कि अब शायद माहौल शांत होने के बाद इस मसले पर कूटनीतिक बातचीत आगे बढ़ेगी। पाकिस्तान पहले ही अवांछित गतिविधियों के अंजाम देने से लेकर आतंकवादियों को शह और समर्थन देकर भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करता रहा है। ऐसे में वहां पकड़ लिए गए बीएसएफ जवान के प्रति उसके व्यवहार या रिहाई को लेकर आशंका बनी हुई थी, क्योंकि इसके लिए शुरू होने वाली प्रक्रिया काफी संवेदनशील और जटिल होती है। अंतरराष्ट्रीय कानून और सैन्य संधियों के तहत अगर कोई जवान गलती से सीमा पार कर जाता है तो उसके खिलाफ ज्यादा गंभीर कार्रवाई नहीं की जाती। हालांकि यह दोनों देशों के बीच संवाद और समझौते पर निर्भर करता है। इस लिहाज से देखें तो बीते कुछ दिनों के दौरान तेजी से बदलते घटनाक्रम में जवान की रिहाई के लिए भारत ने कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए थे और आखिर इसमें कामयाबी मिली।

दहशतगर्दों के ठिकानों को नुकसान, लेकिन नेतृत्व अभी कायम

आतंक के विरुद्ध

समीर चौहान

> हमने आतंकवादी ढांचे को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है, लेकिन आतंकी नेतृत्व को उखाड़ फेंकना अभी बाकी है। नहीं भूलना चाहिए कि मसूद अजहर, जिसके परिवार के दस लोग भारतीय हमले में मारे गए हैं, ने अपने परिजनों की मौत का बदला लेने की कसम खाई है। लश्कर-ए-ताइबा का नेतृत्व भी इससे अलग नहीं है। भले ही पाकिस्तान अल्पकालिक घुसपैठ के प्रयास को टाल सकता है। लेकिन ऐसा आतंकियों के बारे में नहीं कहा जा सकता, जो शायद कुछ और ही सोच रहे हों।

सात से 14 मई का सप्ताह काफी हलचल भरा रहा, जिसके कारण केवल ऑपरेशन सिंदूर पर विराम लगने के अलावा कई सवाल अनुत्तरित रह गए। भारत द्वारा पाकिस्तानी दुस्साहस का उचित तरीके से जवाब दिया गया, लेकिन भारत ने इसका ख्याल रखा कि निर्दोष पाकिस्तानी नागरिकों को कोई बड़ी क्षति न पहुंचे या उनकी जान न जाए। भारतीय बलों ने जवाबी कार्रवाई करते हुए लगातार संयम बरता। दस मई को संघर्ष विराम समझौते के बाद ऑपरेशन सिंदूर पर विराम लगा दिया गया, लेकिन पाकिस्तान ने फिर भी समझौते का उल्लंघन किया, जिसे करारा जवाब दिया गया। उसके बाद से दोनों तरफ से संघर्ष विराम का पालन किया जा रहा है। सरकार ने ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित करते हुए कहा है कि यदि सीमा पार से शत्रुतापूर्ण कार्रवाई होती है, तो अभियान फिर से शुरू किया जाएगा। अचानक संघर्ष विराम की घोषणा ने कुछ लोगों को परेशान कर दिया है। विभिन्न भारतीय और वैश्विक रक्षा विशेषज्ञ अलग-अलग अटकलें लगा रहे हैं, जिनमें एक कारण पाकिस्तान में नाभकीय विकिरण को बताया जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने यह कहकर इस विवाद को तूल दिया कि अमेरिकी अधिकारियों ने संघर्ष विराम की पहल करके दोनों ओर के लाखों लोगों की जान बचाई है। हालांकि, भारत ने इन दावों का खंडन किया है। आईएईए रिपोर्ट इसकी पुष्टि करती है कि पाकिस्तान के भीतर परमाणु विकिरण का कोई रिसाव नहीं हुआ है। पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों का वर्दी में आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होना और उन्हें राजकीय सम्मान देना, पाकिस्तान की असलियत को बयां करता है। वरिष्ठ पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी सैन्य वर्दी में आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल हुए और मारे गए आतंकवादियों को पूर्ण राजकीय सम्मान दिया गया। पिछले कई दशकों से पाकिस्तान दावा करता रहा है कि ये आतंकवादी गैर-सरकारी तत्व या घरेलू जिहादी हैं, लेकिन पाकिस्तानी सैन्य अधिकारियों का वर्दी में उनके अंतिम संस्कार में शामिल होना और उन्हें राजकीय सम्मान देना, उस दावे को कमजोर करता है। मेरी राय में इसके दो संभावित कारण हैं। पहला कारण यह हो सकता है कि जब बहावलपुर और मुरीदके में भारतीय रक्षा बलों द्वारा सटीक हमला कर उन्हें ध्वस्त किया जा रहा था, तब आतंकी बुनियादी ढांचे की रक्षा या बचाव के लिए पाकिस्तानी सेना की ओर से कोई प्रतिक्रिया न होने से पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठान में आतंकियों का विश्वास डगमगा गया। इसलिए आतंकी नेतृत्व द्वारा पाकिस्तानी सैन्य नेतृत्व के खिलाफ दुश्तापूर्ण रुख अपनाने की धमकी ने उन्हें एकजुटता साबित करने के लिए मजबूर किया। दूसरा कारण यह हो सकता है कि पाकिस्तान को प्रतिष्ठान को विश्व समुदाय द्वारा कोई प्रतिरोध नहीं होने का भरोसा है। दूसरा कारण निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि आज तक किसी ने भी पाकिस्तान से सवाल नहीं किया है। आश्चर्य की बात यह है कि विश्व के किसी भी मंच से, चाहे वह संयुक्त राष्ट्र हो या अमेरिका/ब्रिटेन/ऑस्ट्रेलिया या कोई अन्य देश, पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के प्रति इस दोस्ताना रवैये पर कोई निंदात्मक बयान नहीं आया है। इसके विपरीत, तुर्किये और अजरबैजान ने पाकिस्तान को समर्थन प्रदान करना जारी रखा। यही नहीं, आईएमएफ ने पाकिस्तान को बेलआउट पैकेज दिया।

अब भारत को क्या करना चाहिए? हमने आतंकवादी ढांचे को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाया है, पर आतंकी नेतृत्व को अभी उखाड़ फेंकना बाकी है। नहीं भूलना चाहिए कि मसूद अजहर, जिसके परिवार के दस लोग भारतीय हमले में मारे गए हैं, ने अपने परिजनों की मौत का बदला लेने की कसम खाई है। लश्कर-ए-ताइबा का नेतृत्व भी इससे अलग नहीं है। इसलिए, निम्नलिखित बातों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। हमारी सैन्य सुरक्षा में कोई कमी नहीं है। ऑपरेशन सिंदूर स्थगित हुआ है, बंद नहीं किया गया है। अंतरराष्ट्रीय सीमा और नियंत्रण रेखा पर वायु रक्षा ग्रिड और घुसपैठ रोधी ग्रिड को सक्रिय और जीवंत बनाए रखने की आवश्यकता है। भले ही पाकिस्तान अल्पकालिक घुसपैठ के प्रयास को टाल सकता है। लेकिन ऐसा आतंकियों के बारे में नहीं कहा जा सकता, जो शायद कुछ और ही सोच रहे हों। हमें आश्चर्य नहीं होना चाहिए यदि वे अपने आकाओं की अवहेलना करें और स्वयं घुसपैठ का प्रयास करें। इसके अलावा, पाकिस्तान भारत में अपने स्लीपर सेल को सक्रिय कर सकता है। भारत की समुद्री तटरेखा के साथ-साथ नेपाल और बांग्लादेश सीमाओं का बेहतर प्रबंधन विशेष जरूरी है, ताकि आतंकियों के भारत में पहुंचने के किसी भी प्रयास को विफल किया जा सके।

ऑपरेशन सिंदूर से संबंधित नागरिक सुरक्षा उपायों को जो गति मिली है, उसे जारी रखना चाहिए। जिला और राज्य स्तर पर नियमित रूप से समय-समय पर नागरिक सुरक्षा अभ्यास और कार्रवाइयां पूरी तत्परता से की जानी चाहिए। सिंधु जल संधि को उचित ही निलंबित रखा गया है, ताकि पाकिस्तान के लोग समझें कि ऐसा उनके मुल्क के आतंकवादी प्रकृति के कारण हुआ है। पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेनकाब करने की जरूरत है, जिसमें आतंकवादी समूह द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) की आतंकवादी गतिविधियों के बारे में यूएनएससी 1267 प्रतिबंध समिति की निगरानी टीम को शामिल करना और उन्हें वैश्विक आतंकवादी समूहों की सूची में शामिल करने की मांग करना शामिल है।

अन्य देशों के अलावा, तुर्किये और अजरबैजान जैसे दुश्मन के मित्र देशों को यह एहसास कराया जाना चाहिए कि पाकिस्तान के युद्ध-प्रयासों का समर्थन करने पर भारत के साथ उनके प्रत्यक्ष व्यापार और कारोबार पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। भारतीय जनता ने पहले ही इन देशों के गंतव्यों और वस्तुओं का बहिष्कार शुरू कर दिया है और इसके संकेत जमीन पर दिखाई देने लगे हैं। ऑपरेशन सिंदूर खैबर पख्तूनख्वा, बलूचिस्तान, सिंध या गिलगित-बाल्टिस्तान में पाकिस्तान की दमनकारी नीतियों को उजागर करने का अवसर दिया है। वहां के लोगों का नैतिक रूप से समर्थन करना चाहिए।

पाकिस्तान द्वारा निर्यात किए जाने वाले आतंक का खात्मा शुरू हो चुका है। अब गेंद पाकिस्तान के लोगों के पाले में है कि वे अपने राजनीतिक-सैन्य-आतंकवादी गठजोड़ के नेतृत्व के असली नापाक इरादों को समझें। अगर इस घृणित गठजोड़ ने सीमाओं का उल्लंघन किया, तो पाकिस्तान का विनाश निश्चित है।

(लेखक सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर हैं।)

उम्मीद के नुकसान के सन्नाटे में गुम कश्मीरी महिलाओं की खुशी

सामयिक

तृप्ति सिंघल सोमानी

> पहलगाम, जिसे चरवाहों की घाटी के नाम से जाना जाता है, कश्मीर की सबसे खूबसूरत जगहों में से एक है। यह खामोशी से हिमालय की गोद में बसा है, जहां बर्फीली नदियां, हरे देवदार के जंगल और दूर तक फैले घास के मैदान हैं। दुनिया भर से लोग शांति महसूस करने, टट्टू की सवारी का आनंद लेने, नदी किनारे गर्म कहवा पीने और ताजी पहाड़ी हवा में सांस लेने के यहां लिए आते हैं। इसे धरती पर स्वर्ग कहा जाता है।

इस साल, वसंत का मौसम कश्मीर घाटी के लिए विशेष था। महामारी और राजनीतिक अशांति के कारण वर्षों की खामोशी के बाद, कश्मीर का पर्यटन सीजन आखिरकार उम्मीद के संकेत दे रहा था। स्थानीय बाजार फिर से खुल रहे थे, और होमस्टे को फिर से बुकिंग मिल रही थी। क्षेत्र की अधिकांश महिलाओं के लिए पर्यटन पैसे कमाने, अपने घरों से बाहर निकलने और अपनी पहचान बनाने का एक तरीका बन गया है। वे खाने के स्टॉल चला रही थीं, प्रकृति की सैर करा रही थीं, हाथ से बने कपड़े बेच रही थीं और पर्यटकों को कढ़ाई सिखा रही थीं। धीरे-धीरे और चुपचाप, वे सम्मान और आर्थिक स्वतंत्रता का जीवन जी रही थीं। लेकिन 22 अप्रैल, 2025 को एक ही झटके में सबकुछ बदल गया। उस दिन, हथियारों से लैस पांच आतंकवादियों ने पहलगाम में पर्यटकों के एक समूह पर हमला किया। यह अचानक और क्रूर था। इसमें छब्बीस लोग मारे गए और बीस से ज्यादा घायल हो गए। यह हाल के वर्षों में भारत का सबसे खतरनाक आतंकी हमला बन गया। इस खबर ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। इसके बाद लोगों के साथ जो हुआ -खासकर कश्मीर की महिलाओं के साथ-वह काफी हद तक अनदेखा रहा। पर्यटकों ने तुरंत अपनी यात्रा योजनाएं रद्द करनी शुरू कर दीं। लोकल सर्किल्स के एक हालिया सर्वेक्षण के अनुसार, देश के 62 से अधिक परिवारों ने कश्मीर जाने का प्लान कैंसल कर दिया। होटल और गेस्टहाउस खाली होने लगे। हमले से पहले पहलगाम में गूंज रही हंसी, कदमों की आहट और कैमरे क्लिक-क्लिक एकदम से बंद हो गईं। सुनाई देने लगी तो चीख-पुकार, मातम, फौजी जूतों की थाप। अरु घाटी के इस स्वर्ग को खौफ और पहले वाले सन्नाटे ने अपने आगोश में ले लिया। यह सन्नाटा सिर्फ व्यापार का नुकसान नहीं है। कई महिलाओं के लिए यह उनकी आय का एकमात्र स्रोत का खोना भी है। यह आत्मविश्वास और उम्मीद का नुकसान है। अरु घाटी के पास एक छोटा सा कहवा स्टॉल चलाने वाली रुबीना की आंखों में आंसू थे, जब उन्होंने कहा, हमने अभी-अभी कोविड से उबरना शुरू ही किया था। अप्रैल हमारा सबसे व्यस्त महीना माना जाता था। अब सबकुछ वापस शून्य पर आ गया है। अनंतनाग की कारीगर शबनम ने कहा, हमें आखिरकार वे पर्यटक मिल रहे थे जो हर साल हमसे खरीदारी करने आते थे। इस हमले ने सबकुछ खत्म कर दिया, पर्यटक अब डरे हुए हैं और हम फिर से पहले वाली स्थिति में पहुंच गए हैं। पूर्व के एक अध्ययन से पता चला है कि कश्मीर में पर्यटन ने महिलाओं को पैसे कमाने, नए कौशल सीखने और अधिक स्वतंत्र होने का मौका दिया है। पर्यटन का हिस्सा बनना उनके लिए काम से कहीं बढ़कर है। यह उनकी पहचान है, उनका अस्तित्व है, मगर एक हमले ने इन महिलाओं को जिंदगी की दौड़ में फिर सबसे पीछे लाकर खड़ा कर दिया है। डर-खौफ के नए माहौल के बीच, अब कई महिलाओं को बाहर जाने की अनुमति नहीं है। परिवार स्थानीय बेटियों को बाजार भेजने से भी डरते हैं। महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे होमस्टे खाली हैं। कहवा स्टॉल बंद हैं। कढ़ाई की कार्यशालाएं रुकी हुई हैं। सब कुछ फिर से जम गया है। इस हमले का वास्तविक नुकसान हमारी नज़र से परे है। इसने महिलाओं की प्रगति को छीन लिया है। इसने सार्वजनिक स्थान पर उनकी आवाज़ और उपस्थिति को छीन लिया है। इसने उन्हें फिर से अंधकार में धकेल दिया है। कश्मीर में अस्थिर परिस्थितियां सीधे तौर पर वहां के लोगों के लिए आर्थिक आघात में बदल जाती हैं। खासकर, महिलाओं के लिए स्थिति और भी ज्यादा बुरी हो जाती है, क्योंकि वैकल्पिक रोजगार तक उनकी पहुंच पहले से ही सीमित है।

पर्यटन कश्मीर की अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह स्थानीय हस्तशिल्प उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार प्रदान करता है। हर साल कश्मीर में पर्यटन उद्योग लगभग 12,000 करोड़ रुपये का कारोबार करता है और यह राज्य की जीडीपी में 7-8 फीसदी का योगदान देता है। हाल ही में, पहलगाम में आतंकी हमले के कारण पर्यटन में गिरावट आई है और इससे हस्तशिल्प उद्योग को नुकसान हो रहा है। सरकार को हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने के लिए योजनाएं शुरू करनी चाहिए, जैसे कि हस्तशिल्प को ऑनलाइन प्लेटफार्मों पर बढ़ावा देना, कारीगरों को प्रशिक्षण प्रदान करना. सरकार को हस्तशिल्प उद्योग से जुड़े व्यवसायों को आर्थिक सहायता प्रदान करनी चाहिए, जैसे कि ऋण उपलब्ध कराना, सब्सिडी देना और कर में छूट देना, जिससे स्थानीय महिला कारीगरों की उम्मीदों पर छाया सन्नाटा दूर हो सके।

प्रसंगवश

पाक के हक में चीन ने चली अरुणाचल की चाल

> चीन-पाक की दुरभिसंधि दशकों पुरानी है लेकिन उसकी हालिया करतूतों की टाइमिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है।

ऐसे वक्त में जब पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाक को सबक सिखाया है, चीन प्रत्यक्ष व परोक्ष तौर पर पाकिस्तान का समर्थन करता नजर आ रहा है। वह न केवल पाकिस्तान की सैन्य व आर्थिक मदद ही कर रहा है बल्कि चीनी सरकारी मीडिया भी कुप्रचार व भ्रामक समाचार फैलाने में पाक के साथ खड़ा नजर आ रहा है। अब उसने अपनी नई करतूत अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदलकर उजागर की है। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है। लगातार तीसरे साल चीन ने भारतीय राज्य अरुणाचल प्रदेश के स्थानों का नाम बदला है। चीन अरुणाचल को जांगनान के नाम से दर्शाता है। वहीं इसे तिब्बत के दक्षिणी हिस्से के रूप में होने का दावा करता है। जैसा कि उम्मीद भी थी, भारत सरकार ने चीन के इन बेतुके दावों को सिरे से खारिज कर दिया है। नई दिल्ली ने बीजिंग के इस बेतुके-निराधार दावे को सिरे से नकार दिया है। भारत सरकार ने फिर से दोहराया है कि 'अरुणाचल भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा था और हमेशा रहेगा।' दरअसल, चिंता की बात यह है कि चीन ने यह करतूत ऐसे समय में की है जब पहलगाम हमले और उसके जवाब में सफल 'ऑपरेशन सिंदूर' के चलते भारत-पाक के बीच तनाव कायम है। निश्चय ही इन स्थितियों में चीन का यह भड़काऊ कदम है। यहां उल्लेखनीय है कि भारतीय उपमहाद्वीप में हाल ही में हुई उथल-पुथल के दौरान पाकिस्तान को उसके सदाबहार दोस्त बीजिंग का भरपूर समर्थन मिला है। जिससे पता चलता है कि अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाने तथा व्यापार-कारोबार बढ़ाने की बात करने वाला चीन भारत के प्रति कैसी दुर्भावना रखता है। भले ही वह वैश्विक संगठनों व मंचों पर भारत के साथ खड़ा होने का दावा करता हो। निस्संदेह, ऐसी घटनाएं हमें सतर्क करती हैं कि चीन के साथ मैत्री संबंधों के निर्धारण के दौरान हमें सजग व सचेत रहना चाहिए। अन्यथा चीन पीठ पर वार करने से नहीं चूकने वाला है। बीते वर्ष विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने व्यंग्यात्मक लहजे में एक सवाल पूछा था, 'अगर आज मैं आपके घर का नाम बदल दूं तो क्या वो मेरा हो जाएगा?' लेकिन निर्विवाद रूप से चीन ने विदेश मंत्री के इस संदेश को नजरअंदाज ही किया है। इतना ही नहीं वह फिर से भौगोलिक क्षेत्रों के नामों के मनमाने मानकीकरण के साथ आगे बढ़ गया है। लेकिन सवाल इस करतूत के समय का है। जाहिर बात है कि बीजिंग ने ऐसा न केवल चुनौतीपूर्ण समय में भारत का ध्यान भटकाने के लिये किया है, बल्कि पाकिस्तान के साथ एकजुटता दिखाने के लिये भी किया है। चीन ने अरुणाचल पर अपने क्षेत्रीय दावे से फिर से पाकिस्तान का मनोबल बढ़ाने का कुत्सित प्रयास किया। यह जानते हुए भी उसके दावे निराधार हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार ने चीन के सरकारी मीडिया, खासकर ग्लोबल टाइम्स द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे पाकिस्तानी दुष्प्रचार के मामले को गंभीरता से लिया है। गत सात मई को, चीन स्थित भारतीय दूतावास ने ग्लोबल टाइम्स को इस बात के लिये फटकार लगायी थी कि उसने तथ्यों और स्रोतों को पुष्टि किए बिना पाकिस्तान की सेना द्वारा भारतीय लड़ाकू विमान को मार गिराए जाने की रिपोर्ट दी थी। दिल्ली ने बुधवार को भारत में चीनी मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स के एक्स-अकाउंट हैंडल को कुछ घंटों के लिये ब्लॉक कर दिया था। निस्संदेह, चीनी शरारतें उनके नेताओं के भारत के प्रति हाल के प्रयासों के विपरीत हैं। ऐसे में चीनी विदेश मंत्री वांग यी द्वारा परिकल्पित ड्रैगन और हाथी के बीच दोस्ती का प्रपंच तब तक एक दूर का सपना ही रहेगा, जब तक कि चीन पाकिस्तान को बचाने के प्रयासों में लगा रहेगा।

॥ गीता ॥

श्लोक : नादत्ते कस्यचित्पापं न चैव सुकृतं विभुः।
अज्ञानेनावृतं ज्ञानं तेन मुह्यन्ति जन्तवः॥

भावार्थ

सर्वव्यापी परमेश्वर भी न किसी के पाप कर्म को और न किसी के शुभकर्म को ही ग्रहण करता है, किन्तु अज्ञान द्वारा ज्ञान ढँका हुआ है, उसी से सब अज्ञानी मनुष्य मोहित हो रहे हैं।

जीवन दर्शन

मौन में आत्मा ब्रह्म से मिलती है और हम स्वयं से

विवेक जब परिपक्व होता है, तो साधक जानता है कि शरीर एक साधन है, मन एक उपकरण है, और बुद्धि एक मार्गदर्शक है। वह यह भी समझता है कि वह स्वयं इन सबसे परे है। जैसे कोई राजा अपने सेवकों से कार्य कराता है पर स्वयं सेवक नहीं बनता, वैसे ही आत्मा शरीर, मन, बुद्धि से कार्य करवाती है, पर उनसे बंधती नहीं। यह भेद ही मुक्ति का प्रवेश द्वार है। यह संसार निरंतर गति में है। एक अदृश्य चक्र की भांति जो हर क्षण आकार लेता है और मिट जाता है। इस चक्र की गति इतनी सूक्ष्म और अनवरत है कि हम उसमें उलझे रहते हैं। कभी उसके मूल को पहचान ही नहीं पाते। एक साधारण मनुष्य इस परिवर्तन को जीवन का स्वाभाविक अंग मानकर चलता है, लेकिन जो साधक है, जो आत्मा की खोज में है, वह इस गति की तह तक जाता है और नित्य और अनित्य का भेद समझता है। वह जानता है कि परिवर्तनशील वस्तुएं या घटनाएं चाहे कितनी भी आकर्षक क्यों न हों, वे सत्य नहीं हैं, क्योंकि वे शाश्वत नहीं हैं। वहीं से आरंभ होता है विवेक, यानि उस गूढ़ अंतरबोध की यात्रा जिसे आदि शंकराचार्य जी ने अपनी 'विवेकचूड़ामणि' में नित्यानित्यवस्तु विवेकः कहा है। इस विवेक का अभ्यास केवल ग्रंथों का पठन नहीं है; यह जीवन की गहराई में उतरने की क्रिया है। यह एक मानसिक और आध्यात्मिक अनुशासन है, जिसमें हर क्षण साधक अपने अनुभवों की परीक्षा करता है। भोजन करते समय, संवाद करते समय, यहां तक कि शोक में डूबते समय भी एक आवाज भीतर उठती है- क्या यह क्षण स्थायी है? क्या यह भाव, यह दुख, यह सुख, यह संबंध- क्या यह मुझे उस सत्य की ओर ले जा रहा है जो अपरिवर्तनीय है? यदि नहीं, तो क्या मैं इस भाव को छोड़ सकता हूं, या कम से कम उसे अपनी आत्मा की पहचान बनने से रोक सकता हूं? यह वह अवस्था है जब व्यक्ति अपने विचारों से ऊपर उठ कर देखता है। अर्थात वह समझे कि मैं अपने विचार नहीं हूं। यह वही बात है जो शास्त्र सैकड़ों वर्षों से कह रहे हैं- मनः कृतं जगत। मन जैसा सोचता है, वैसा संसार बनता है। इसलिए विवेक का अभ्यास मन को प्रशिक्षित करना है। उसे यह सिखाना कि स्थायी क्या है और क्षणिक क्या।

अनन्या मिश्रा

फजीहत के बाद भाजपा सिखाएगी आचरण का पाठ

अनर्गल बयानबाजी से पार्टी की छवि हो रही धूमिल, नेताओं-कार्यकर्ताओं के लिए जून में आयोजित किया जाएगा प्रशिक्षण वर्ग

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश में नेताओं की बदजुबानी से सरकार चला रही भाजपा की जमकर फजीहत हुई है। जिस पर केन्द्रीय नेतृत्व से लेकर संघ ने भी एतराज जताया है। भविष्य में ऐसी स्थिति निर्मित नहीं हो, इसके लिए भाजपा अपने नेताओं से लेकर कार्यकर्ताओं तक को आचरण का पाठ पढ़ाने की तैयारी में है।

सूत्रों की मानें तो प्रदेश स्तर पर जून माह में कार्यशाला भोपाल में आहुत होगी। गौरतलब है कि जनजातीय कार्यमंत्री विजय शाह के एक बयान से शुरू हुई बदजुबानी थमने का नाम नहीं ले रही है। अब तो कई नेता शाह के समर्थन में भी सामने आने लगे हैं। जिसे विपक्षी दल कांग्रेस मुद्दा बनाकर भाजपा को लगातार घेर रही है। दरअसल शाह का बयान सेना से जुड़ा हुआ है, जिससे आम जनता के बीच भी प्रतिकूल प्रतिक्रिया हो रही है और इससे भाजपा को नुकसान हो रहा है। कहा जा रहा है कि भाजपा का राष्ट्रीय नेतृत्व भी इसी पक्ष में था कि शाह से इस्तीफा लेकर इस पूरे मामले का पटाक्षेप किया जाए, लेकिन कांग्रेस इस बयान को लेकर सड़क पर उतरी और भाजपा पर शाह का इस्तीफा लेने का दवाब भी बना। जानकारों का मानना है कि कांग्रेस का विरोध भी शाह के लिए कवच सा बन गया, क्योंकि भाजपा नेतृत्व कभी भी प्रेशर पॉलिटिक्स को महत्व नहीं देती।

इसके अलावा आदिवासी वोट बैंक विशेष कर गौंड वोट ने भी फिलहाल शाह की कुर्सी को सुरक्षित रखा है। लेकिन राजनीति के जानकार दावा करते हैं कि इससे भाजपा को काफी नुकसान हुआ है। इस डैमेज को कंट्रोल करने के लिए सरकार से लेकर भाजपा संगठन को आने वाले समय में काफी मशक्कत करनी पड़ेगी। इसके लिए यदि भाजपा भविष्य शाह के खिलाफ एक्शन लेती है,तो उसे सबसे ज्यादा आदिवासी वोट बैंक को साधे रखने की रणनीति पर काम करना होगा और यदि शाह को अभयदान मिलता है,तो सेना से जुड़े इस मुद्दों को कैसे शांत किया जाए, इस पर ध्यान

आपसी खींचतान पर भी होगा एक्शन

पार्टी से जुड़े सूत्रों का कहना है कि भाजपा प्रदेश में अपने नेताओं के मध्य हो रही खींचतान को लेकर भी परेशान है। जिस तरह से पिछले कुछ दिनों से भाजपा नेता अपनी उपेक्षा की बात कर अपने ही दल के नेताओं को निशाने पर ले रहे है,उससे पार्टी के अंदरुनी लड़ाई सामने आ रही है,इससे भी पार्टी का कार्यकर्ता असमंजस्य में है और जनता के बीच भी गलत संदेश जा रहा है। बताया गया है कि इस प्रशिक्षण में ऐसे नेताओं की अलग से क्लास लगाई जाएगी और उन्हें बताया जाएगा कि पार्टी मजबूत होगी,तभी नेता और कार्यकर्ता मजबूत रहेगा। इन नेताओं को दो टूक बताया जाएगा कि उन्हें पहले पार्टी फोरम में अपनी बात रखनी होगी,यदि नहीं किया गया तो पार्टी उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही करेंगे,भले ही इसका नुकसान पार्टी को हो।

मंत्री से लेकर सांसद-विधायकों को भी दिया जाएगा प्रशिक्षण

इधर भाजपा ने भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए अपने नेताओं व कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया है। बताया जा रहा है कि पार्टी पहले भोपाल में राज्य स्तरीय प्रशिक्षण वर्ग आहुत करेगी, जिसमें मंत्रियों से लेकर वरिष्ठ नेताओं, विधायक और सांसदों को संघ व पार्टी से जुड़े वरिष्ठ नेताओं को आचरण का पाठ पढ़ाया जाएगा। इसके उपरांत संभाग और फिर जिला स्तर पर इस तरह के प्रशिक्षण वर्ग आहुत किए जाएंगे।

कांग्रेस से आए भाजपाइयों की फिर अलग से लगेगी पाठशाला

जानकारों का कहना है कि प्रशिक्षण वर्ग में उन नेताओं की अलग से पाठशाला लगेगी, जो कांग्रेस से भाजपा में आए हैं। यह अलग बात है कि इन नेताओं को पहले भी प्रशिक्षण दिया जा चुका है। इसमें सांसद से लेकर विधायक और पार्टी के नेता शामिल होंगे। बताया गया है कि पार्टी फिलहाल कुछ समय के लिए दूसरे दलों के नेताओं को दल में शामिल करने से बचेगी। इसके लिए पार्टी पहले इन नेताओं के बारे में जानकारी एकत्र कराएगी और उनके आने से जनाधार स्तर पर कितना लाभ पार्टी को मिलेगा, इसका पता कराएगी।

कैबिनेट कल : राजवाड़ा में 200 साल बाद होंगे प्रशासनिक फैसले

विशेष संवाददाता, भोपाल। होल्कर सम्राज्य ने जिस राजवाड़ा में लगभग 200 साल पहले राजसी निर्णय लिए थे, वहीं पर मंगलवार को मोहन सरकार सूबे के हित में कई अहम फैसले लेंगे। यहां से जहां विजन 2047 का खाका सामने लाया जाएगा, तो वहीं महानगरों की तर्ज पर भोपाल-इंदौर को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र बनाए जाने के निर्णय पर मुहर लगेगी। गौरतलब है कि सुशासन, स्वावलंबन, आत्म-निर्भरता और महिला कल्याण की मिसाल मानी जाने वाली लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के पुण्य सम्मान में 20 मई को इंदौर के उस राजवाड़ा में कैबिनेट की बैठक बुलाई गई है,जहां कभी होल्कर सम्राज्य प्रजा के हित में निर्णय लेता था। यह पहली बार होगा, जब मध्यप्रदेश सरकार की कैबिनेट बैठक राजवाड़ा जैसे ऐतिहासिक स्थल पर होगी। कैबिनेट में जहां विजन 2047 को लेकर लगभग सभी मंत्री विभागों के विजन का प्रजेंटेंशन देगें, तो कैबिनेट में इंदौर और भोपाल को मेट्रोपॉलेटन क्षेत्र बनाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा सकती है। बैठक में लोक परिवहन के लिए बस सेवा शुरू करने पर भी विचार कर सकती है। कई दूसरे अहम प्रस्तावों पर भी मुहर लगाई जा सकती है। कैबिनेट की बैठक की वजह से 20 मई को जहां सरकार के अधिकांश मंत्री सोमवार को देर शाम या मंगलवार की सुबह इंदौर पहुंच जाएंगे, तो मुख्य सचिव अनुराग जैन के अलावा सभी विभाग के अपर मुख्य सचिव,प्रमुख सचिव और सचिव स्तर के अधिकारी और उनके सहायक अधिकारी भी इंदौर में रहेंगे।

अहिल्या बाई ने पूर्ण कराया था राजवाड़ा भवन का निर्माण

कैबिनेट के संदर्भ में मीडिया संदेश में मुख्यमंत्री ने बताया कि राजवाड़ा भवन का निर्माण कार्य मल्हार राव जी होलकर महाराज द्वारा प्रारंभ किया गया था, जिसे लोकमाता अहिल्या बाई माता ने पूर्ण कराया था। उसी स्थल पर मंत्रि-परिषद की बैठक कर उन्हें नमन किया जाएगा। डॉ. यादव ने कहा कि तिथि अनुसार लोकमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर का जयंती वर्ष, विवाह वर्षगांठ (20 मई) और महाराजा श्रीमंत मल्हार राव जी होल्कर की पुण्य-तिथि, ये तीनों सुयोग एक ही समय पर आ रहे हैं, जो इस आयोजन को और भी अधिक विशेष बनाते हैं।

संक्षिप्त खबरें

एम्स ग्रामीणों को कर रहा दवाओं के प्रति जागरूक

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान भोपाल ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को दवाओं के प्रति जागरुक कर रहा है। इसी कड़ी में गत दिवस फार्माकोलॉजी विभाग ने कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के सहयोग से बकानिया (भोपाल) स्थित आंगनवाड़ी केंद्र में फार्माकोविजिलेंस और क्षय रोग (टीबी) की डॉट थेरेपी के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक जागरूकता अभियान आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय को यह समझाना था कि फार्माकोविजिलेंस,यानी औषधियों के दुष्प्रभावों की निगरानी, दवाओं के सुरक्षित और प्रभावी उपयोग के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, इस अभियान के माध्यम से टीबी के मरीजों को डॉट थेरेपी का पूरा कोर्स करने के लिए प्रेरित किया गया और उनके संदेहों का समाधान भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान यह बताया गया कि दवाओं के दुष्प्रभावों की जानकारी देना क्यों जरूरी है और टीबी की दवाएं समय पर तथा पूरी तरह से लेना कितना महत्वपूर्ण है। वक्ताओं ने जोर दिया कि डॉट थेरेपी का पालन न केवल मरीज के पूरी तरह ठीक होने के लिए आवश्यक है, बल्कि यह दवा-प्रतिरोधी टीबी को रोकने, बीमारी के फैलाव को कम करने और समग्र जनस्वास्थ्य को बेहतर बनाने में भी अहम भूमिका निभाता है।

चौथे साल में रिसर्च बढ़ाने प्रोफेसरों को बनाया जाएगा सुपरवाइजर

गत वर्ष हुए थे 500 से अधिक गाइड पंजीकृत

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए रिसर्च गाइड उपलब्ध कराने की नई प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने रिसर्च गाइड के लिए आवेदन जमा कराने भी शुरू कर दिए हैं। गाइड नियुक्त करने का निर्णय विश्वविद्यालयों की रिसर्च डिग्री कमेटी (आरडीसी) की बैठक में लिया जाएगा। भोपाल में यह बैठक बरकतउल्ला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाएगी। इस नई पहल से विद्यार्थियों को बेहतर शोध अवसर मिलेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत यूजी के चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को पीजी के रिसर्च कोर्स में भाग लेने का अवसर मिलेगा। इसके लिए उन्हें पीजी में पृथक से प्रवेश लेने की जरूरत नहीं रहेगी। वर्तमान में चल रही काउंसलिंग से चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को सीधा लाभ होगा, जिन्हें अब रिसर्च के लिए गाइड उपलब्ध होंगे। गत वर्ष प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में करीब 500 सुपरवाईजर पंजीकृत हुए थे। सुपरवाईजर के अभाव में कालेज रिसर्च की सीटों पर प्रवेश नहीं दे पाएंगे। इसलिए कालेजों को प्रोफेसरों को संबंधित विश्वविद्यालयों में सुपरवाईजर के लिए आवेदन कराना जरूर है। गत वर्ष चौथे वर्ष में करीब 26 हजार विद्यार्थियों ने प्रवेश लिए था, लेकिन सुपरवाइजर के अभाव में कालेजों को रिसर्च की सीटें नहीं मिल सकी थीं, जिसके कारण समूचे प्रदेश में करीब 600 विद्यार्थियों के ही प्रवेश हो सके थे।

रिसर्च सेंटरों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी

विभागीय अधिकारियों के मुताबिक गत वर्ष राज्य के ढाई दर्जन से अधिक कॉलेजों ने रिसर्च सेंटर स्थापित करने के लिए आवेदन किया था, लेकिन कई कॉलेजों में गाइड की कमी के कारण यह प्रक्रिया लंबित है। किसी भी कॉलेज को रिसर्च सेंटर बनाने कम से कम दो गाइड की आवश्यकता होती है। एक्सीलेंस कालेज को बीयू ने मनोविज्ञान का रिसर्च सेंटर नियुक्त कर दिया है। कालेज ने इतिहास का रिसर्च सेंटर बनाने के लिए आवेदन किया है। इसके लिए बीयू की तरफ निरीक्षण होना शेष है। बीयू की कार्रवाई पूरी होने के बाद रिसर्च सेंटर घोषित होने पर एक्सीलेंस कालेज भी रिसर्च की सीटों पर प्रवेश दे पाएगा। दूसरी ओर कॉलेजों को रिसर्च सेंटर बनाने की प्रक्रिया मई-जून में ही पूरी हो जानी थी, लेकिन सुपरवाईजर के अभाव में मामला अटका है। यदि समय रहते कॉलेजों को रिसर्च सेंटर बनाया जाता है, तो चौथे वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्रों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

सीएम ने समरधा में किया भोज-नर्मदा द्वार का भूमिपूजन, नीमच में सौर संयंत्र का वचुर्अल लोकार्पण

प्रदेश की पहचान वीर शासकों की रही है: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश की पहचान हमारे वीर शासकों से रही है। ऐसे में सरकार ने तय किया है कि हमारी गौरवशाली अतीत को दुनिया के सामने लाने की आवश्यकता है। इसलिए राजधानी भोपाल के प्रमुख मार्गों पर राजा भोज,विक्रमादित्य जैसे महापुरुषों के नाम पर द्वार बनाए जाएंगे। सीएम रविवार को होशंगाबाद रोड स्थित समरधा में भोज-नर्मदाद्वार का भूमिपूजन के बाद अपना संबोधन दे रहे थे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के गौरव रहे सम्राट विक्रमादित्य को आज भी न्यायप्रियता, पराक्रम और लोक कल्याण के लिए जाना जाता है, तो राजा भोज को महान शिक्षक और योद्धा के रूप में याद किया जाता है। सरकार का उद्देश्य है कि इन ऐतिहासिक शख्सियतों की विरासत को नई पीढ़ी और पूरे देश के सामने प्रस्तुत किया जाए।

कर्नल सोफिया और व्योमिका सिंह ने नारी सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया

सीएम ने कहा कि बहन कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने विश्व के सामने ऑपरेशन सिंदूर में आंतकियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई को सशक्त रूप से प्रस्तुत कर नारी शक्ति के सामर्थ्य का प्रकटीकरण किया है।

प्रमुख प्रवेश मार्गों पर बनेंगे 9 द्वार

सीएम ने कहा कि भोपाल के प्रमुख प्रवेश मार्गों पर निर्मित होने वाले 9 द्वारों पर माँ नर्मदा के तट पर विद्यमान प्रमुख तीर्थों सहित सभी महत्वपूर्ण ऐतिहासिक, सांस्कृतिक संदर्भ उकेरे जाएंगे। उज्जैन में निर्मित महामृत्युंजय द्वार, विभिन्न काल में उज्जैन के इतिहास और प्रमुख घटनाओं को अभिव्यक्त करता है।

नीमच की बिजली से भोपाल में होगा जलप्रदाय

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वचुर्अल रुप से नीमच स्थित सोलर पैनल का लोकार्पण किया। 10 मेगावाट का यह सोलर पैनल भोपाल नगर निगम द्वारा नीमच में स्थापित किया गया है। बताया गया है कि इस सोलर पैनल से उत्पादित बिजली का उपयोग भोपाल की जल प्रदाय व्यवस्था के संचालन में किया जाएगा। इस मौके पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में हम आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ-साथ आत्मनिर्भर नगर निगम व नगर पालिका के सपने को साकार करने की ओर अग्रसर हो रहे हैं। भोपाल नगर निगम द्वार नीमच में सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करना, आत्मनिर्भता की ओर एक प्रभावी कदम है। भोपाल महापौर श्रीमती मालती राय ने बताया कि 5 करोड़ रुपए की लागत से भोज-नर्मदा द्वार का निर्माण होगा। इस अवसर पर खेल युवक कल्याण एवं सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर, भोपाल भोपाल सांसद आलोक शर्मा, विधायक रामेश्वर शर्मा और विधायक भगवान दास सबनानी उपस्थित थे।

सीएम ने 'संग्रहालय मेला' का किया शुभारंभ वर्चुअल रियलिटी केंद्र बना आकर्षण का केंद्र

अंतरराष्ट्रीय संग्रहालय दिवस पर श्यामला हिल्स स्थित राज्य संग्रहालय परिसर में 'संग्रहालय मेले' की भव्य शुरुआत हुई। इस सप्ताहव्यापी आयोजन का उद्घाटन सीएम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। यहां उन्होंने कहा कि हमारे पुरातत्वविद् एक सिक्के को देखकर इतिहास की पूरी कहानी कह सकते हैं। यह कला अद्भुत है। हमें अपनी जड़ों को सहेजते हुए आधुनिकता की ओर अग्रसर होना है। मुख्यमंत्री ने राज्य संग्रहालय में स्थापित वर्चुअल रियलिटी केंद्र का अवलोकन करते हुए जनता के लिए उपयोगी बताया। प्रदेश के पहले वर्चुअल म्यूजियम सेटर में बिना किसी गाइड के आप खुद स्मारकों के भीतर घूम सकते हैं। ओरछा और भोपाल से शुरू हुई ये पहल जल्द ही प्रदेश के अन्य ऐतिहासिक स्थलों में भी पहुंचने वाली है। इस मौके पर पुरातत्व विभाग द्वारा प्रकाशित 11 नई पुस्तकों का विमोचन किया गया, साथ ही विभागीय मैस्कॉट 'वाकण दादा' का लोकार्पण भी हुआ। मुख्यमंत्री ने डॉ. विष्णु श्रीधर वाकणकर को स्मरण करते हुए उनकी ऐतिहासिक खोजों को प्रेरणादायी बताया। मेले में 'भारत की सौर परंपरा' पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी ने दर्शकों को देश के सूर्य मंदिरों और उनसे जुड़ी कलात्मक विरासत से परिचित कराया। मेले के 9 स्टॉल में संग्रहालय, संरक्षण, डिजिटाइजेशन,3 डी प्रिंटिंग, मॉडलिंग और प्रकाशन से संबंधित कार्यों का प्रदर्शन किया गया।

ईएसबी की निरस्त समूह 1-उप समूह 3 की परीक्षा अब 23 को

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र कर्मचारी चयन मंडल 23 मई को समूह 1- उप समूह 3 की संयुक्त परीक्षा 2024 का आयोजन करेगा। इसकी संशोधित सूचना ईएसबी की वेबसाइट पर अपलोड कर दी है। उम्मीवार ईएबसी की वेबसाइट से प्रवेश पत्र डाउनलोड कर परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। उन्हें पुराने प्रवेश पत्र से परीक्षा केंद्र पर प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा गत गुरुवार को तकनीक समस्याओं के चलते निरस्त कर दी थी।

ईएसबी को गत गुरुवार को दस हजार 704 उम्मीदवारों की समूह 1- उप समूह-3 की संयुक्त परीक्षा 2024 करानी थी। परीक्षा में चार हजार 818 उम्मीदवार शामिल हुए थे। उक्त परीक्षा तकनीकी खराबी के कारण नहीं हो पाई है। इस दौरान समस्त उम्मीदवारों को ढाई घंटे तक इंतजार करना पड़ा था। इस संबंध में ईएसबी पहुंचकर उम्मीदवारों ने शिकायत भी दर्ज कराई थी। ईएसबी में समुह-1 उप समुह-3 के पदों के लिए संयुक्त भर्ती परीक्षा 2024 में कुल 22 हजार 66 आवेदन जमा हुए थे। एक दिन की परीक्षा में दो पालियां रखी गई थीं। पहली पाली की परीक्षा निरस्त होने के बाद दूसरी पाली समय पर आयोजित कराई गई थी।

- **गुरुवार को पेपर अपलोड नहीं होने के कारण हुई थी निरस्त**

131 किमी लंबी पदयात्रा निकालेंगे धीरेंद्र शास्त्री

जागरण, छतरपुर। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने घोषणा की है कि हिंदू राष्ट्र के लिए वे आगामी 7 नवंबर से 10 दिवसीय पदयात्रा निकालेंगे। यह यात्रा दिल्ली से शुरू होकर हरियाणा होती हुई उत्तर प्रदेश के मथुरा तक जाएगी। यह घोषणा पं. धीरेंद्र शास्त्री ने पानीपत में आयोजित श्री हनुमंत कथा के पहले दिन की। यह कथा तीन दिन तक चलेगी, जिसमें सुंदरकांड की एक चौपाई पर विशेष चर्चा की जाएगी। कार्यक्रम में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल टंडन भी मौजूद थे। पं. शास्त्री ने कहा कि इस यात्रा का मुख्य उद्देश्य उन लोगों तक पहुंचना है, जो आर्थिक कारणों से बागेश्वर धाम नहीं आ पाते। बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर के अनुसार 131 किमी लंबी यह पदयात्रा 400 गांवों और नगरों से होकर गुजरेगी। इस क्षेत्र में 5 करोड़ की आबादी निवास करती है। यह उनकी दूसरी पदयात्रा होगी। पहली सनातन हिंदू एकता पदयात्रा 2024 में निकाली गई थी, जो 160 किमी लंबी थी। इसमें देश-विदेश से लाखों लोग शामिल हुए थे।

निरंतर विकास ही नरेला की पहचान है : सारंग

जागरण, भोपाल। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने नरेला विधानसभा के अंतर्गत वार्ड 39 के नवीन नगर में सीसी रोड, नाली निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। उन्होंने नवीन नगर में पार्क और खेल का मैदान बनाने की भी घोषणा की। मंत्री सारंग ने सभी को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2008 में शुरू हुई नरेला विधानसभा की विकास यात्रा आज निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है और यह सतत विकास आज नरेला की पहचान बन गया है। मंत्री सारंग ने कहा कि नरेला विधानसभा सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही थी, लेकिन आज अग्रणी क्षेत्र में गिनी जाती है। उन्होंने आगे कहा कि हम वर्तमान ही नहीं बल्कि भविष्य की जरूरतों को भी ध्यान में रखते हुए योजनाबद्ध तरीके से विकास कार्य कर रहे हैं।

आवेदन जमा | स्कूल शिक्षा विभाग को 31 मई तक करने हैं अधिकारी और कर्मचारियों के स्थानांतरण

प्रदेशभर के 68 फीसदी प्रोफेसर खड़े हैं तबादले की कतार में

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग को 31 मई तक स्थानांतरण करने हैं। इसके लिए आवेदन जमा करा लिए गए हैं। विभाग को अंतिम तिथि तक एक हजार 830 आवेदन मिले हैं। इसमें 68 फीसदी आवेदन प्रोफेसरों ने किए हैं। शेष आवेदन खेल अधिकारी, ग्रंथपाल और अन्य कर्मचारियों द्वारा किए गए हैं। इसमें अधिकतर आवेदन उन प्रोफेसरों के हैं, जिन्होंने 2019 में नियुक्तियां हासिल की थीं। उनकी परिवीक्षा समाप्त हो गई है। इसलिए वे नये स्थान पर जान चाहते हैं। विभाग ने जमा आवेदनों की स्क्रूटनी शुरू कर दी है। जल्द ही स्थानांतरण के आदेश ऑनलाइन जारी किए जाएंगे। लंबे समय से एक स्थान पर जमे कर्मचारी और अधिकारी कालेज और विश्वविद्यालयों को छोड़ना चाहते हैं। इसलिए समूचे राज्य से विभाग को अंतिम तिथि तक एक हजार 830 आवेदन मिले हैं। इसमें सबसे ज्यादा एक हजार 260 आवेदन प्रोफेसरों द्वारा किए गए हैं। इसके बाद 115 खेल अधिकारी और 114 ग्रंथपाल ने आवेदन किए हैं। इसके अलावा कुछ असिस्टेंट रजिस्ट्रार ने आवेदन किए हैं। करीब 300 आवेदन कर्मचारियों ने स्थानांतरण के लिए हैं। विभाग ने आवेदनों की स्क्रूटनी करेगा। इसमें देखा जाएगा कि कौन से अधिकारी व कर्मचारी कितने समय से एक ही स्थान पर जमे हुए हैं। यहां तक उनके खिलाफ कोई शिकायत दर्ज तो नहीं कराई गई।

जरूरत वालों को दी जाएगी प्राथमिकता

विभाग स्थानांतरण के पहले देखेगा कि किस अधिकारी व कर्मचारी को तबादले की कितनी आवश्यकता है। इसमें सबसे ज्यादा ऐसे आवेदनों को प्रथमिकता दी जाएगी, जिनके माता पिता के पास कोई सहारा नहीं है। इसके बाद कैंसर पीड़ित और परिवार को देखरेख की आवश्यता पर नजर रखी जाएगी।

छह साल से एक ही स्थान पर हैं असिस्टेंट प्रोफेसर

2019 में नियुक्त हुए असिस्टेंट प्रोफेसर एक ही स्थान पर बने हुए हैं। पहले वे परिवीक्षा अवधि समाप्त होने का इंतजार करते रहे। जैसे ही परिवीक्षा अवधि समाप्त हुई है, तो वे अपने गृहनिवास की तरफ संचालित कालेजों में पदस्थ होने की लालसा में लगे हुए हैं। इसलिए उन्होंने आवेदन करने में कोई कोताही भी नहीं बरती है।

प्रदेश के 573 कालेजों में प्रोफेसरों के 5694 पद रिक्त

प्रदेश के 573 कालेजों में पांच हजार 694 प्रोफेसर, 287 खेल अधिकारी और 308 लाइब्रेरियन के पद रिक्त हैं। प्रदेश में करीब छह हजार 263 प्रोफेसर कार्यरत हैं। उक्त रिक्त पदों को देखते हुए विभाग प्रोफेसरों के स्थानांतरण की रणनीति तैयार कर रहा है। विभाग हर कालेज से रिक्त पदों की जानकारी ले चुका है। अब रिक्त पदों के आधार पर विभाग प्रोफेसरों की स्थानांतरण करेगा। इसमें भोपाल में करीब एक दर्जन फैकल्टी में करीब 100 पद रिक्त बने हुए हैं।

अतिथि विद्वान परेशान, बढ़ेगी फालेन आउट की संख्या

प्रोफेसरों के स्थानांतरण होने से सबसे ज्यादा समस्या अतिथि विद्वानों को आएगी। उन्हें फालेन आउट कर दिया जाएगा। उन्हें नये स्थान पर पदस्थ करने विभाग ने कार्यक्रम भी जारी कर दिया है। हर माह एक से तीन तारीख तक पोर्टल में विकल्प प्रस्तुत करना है, पांच तारीख को आवंटन होगा। वहीं पांच से दस तारीख तक उपस्थित दर्ज करनी होगी। ऐसे ही द्वितीय चरण में 15 से प्रक्रिया शुरू होगी और जो 30 तारीख तक चलेगी। अतिथि विद्वान महासंघ के मीडिया प्रभारी डॉ आशीष पाण्डेय ने कहा कि मंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री की स्पष्ट घोषणा थी कि फालेन आउट शब्द विलोपित किया जाता है। अब अतिथि विद्वान फालेन आउट नहीं होंगे। अब फालेन आउट करने की सरकार कैसे तैयारी कर रही है। डॉ पाण्डेय ने कहा कि सरकार उन पदों को भरा माने जहां अतिथि विद्वान पदस्थ हैं।

> प्रोफेसरों के स्थानांतरण के आवेदन जमा करा लिए गए हैं। समय रहते आवेदनों का निराकरण करते हुए स्थानांतरण किए जाएंगे।
>
> ■ **इंदर सिंह परमार,** तकनीकी शिक्षा, उच्च शिक्षा, आयुष विभाग मंत्री

पृष्ठ एक और तीन के शेष

हैदराबाद के गुलजार...

फायर रोबोट की मदद न लेते तो हो जाती बहुत मुश्किल दमकल विभाग ने कहा- आग बुझाने में आधुनिक फायर रोबोट और ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म का भी इस्तेमाल किया गया। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट हाइड्रॉलिक प्लेटफॉर्म एक बड़ी फायर ब्रिगेड पर लगा होता है। इसमें एक लंबा हाइड्रॉलिक आर्म होता है, जो ऊपर-नीचे और घूम सकता है। इस आर्म के ऊपर एक प्लेटफॉर्म (टोकरी) होती है, जिसमें फायरमैन खड़े होकर ऊंची इमारतों तक पहुंच सकते हैं। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि अगर आग बुझाने में रोबोट की मदद नहीं ली गई होती तो पूरी ही इमारत राख हो गई होती। रोबोट की मदद से विकराल आग पर दो घंटे में काबू पा लिया गया। केंद्र देगा 2-2 लाख का मुआवजा, राज्य 4-4 लाख रुपए: घटना पर पीएम मोदी ने गहरा दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा- हैदराबाद में आग की घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। जिन लोगों ने अपनों को खोया है, उनके प्रति संवेदनाएं। घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। पीएम राहत कोष से मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50-50 हजार रुपए की मदद दी जाएगी। वहीं तेलंगाना सरकार ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए के मुआवजे का ऐलान किया है।

मुख्यमंत्री की घोषणा ...

इसके साथ ही अधिकारियों- कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुविधा को देखते हुए प्रदेश में स्थानांतरण नीति का क्रियान्वयन किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसरों में वृद्धि हो रही है। राज्य सरकार रोजगार परक उद्योगों को विशेष प्रोत्साहन उपलब्ध करा रही है। प्रदेश में दुग्ध उत्पादन को भी 9 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने का लक्ष्य है। राज्य कर्मचारी संघ ने किया सीएम का अभिनंदनः डॉ. यादव द्वारा गत माह लिए गए कर्मचारी हितैषी निर्णयों के लिऐ मध्य प्रदेश राच्य कर्मचारी संघ ने रविंद्र भवन में उनका अभिनंदन किया। कर्मचारी संघ के सदस्यों ने अंगवस्त्रम भेंट कर मुख्यमंत्री डॉ.यादव का तिलक किया।

आरएसएस मुख्यालय पर ...

पंजाब में अनजान हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी थी। अबू कताल 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी था। पिछले साल 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शिवखोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमले में भी कताल का हाथ था। इसमें 10 लोगों की जान गई थी। गौरतलब है कि पाकिस्तान में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा भारत विरोधी ताकतों का सफाया लंबे समय से जारी है। मुफ्ती शाह मीर को पाकिस्तान के बलूचिस्तान में 14 मार्च को अज्ञात हमलावरों ने गोली मार दी थी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद की थी। नमाज के बाद मुफ्ती मीर मस्जिद से बाहर निकल रहा था। तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी) और हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था।

टीकमगढ़: दलित दूल्हे...

बैठाकर शांतिपूर्वक राछ निकलवाई। इसके बाद दूल्हा पक्ष के परिवारवाले हरपालपुर बारात लेकर रवाना हुए। भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष संजू चौधरी ने बताया कि आजादी के 77 साल बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में दलित समाज को सामाजिक समानता नहीं मिल पा रही है। वहीं पुलिस का दावा है कि अब गांव में शांति का माहौल है। प्रकाश अहिरवार को घोड़ी पर बैठाकर ही राछ निकलवा दी है।

2025 के आखिर तक...

लेकिन साझेदारी में भी सुरक्षा का पूरा ध्यान रखा जाएगा। भारत का यह प्रयास केवल तकनीकी नहीं, बल्कि रणनीतिक आत्मनिर्भरता की दिशा में भी बड़ा कदम है। अब तक देश की अधिकांश चिप डिजाइन विदेशी आईपी पर निर्भर रही हैं, जिससे भू-राजनीतिक या व्यापारिक दबाव के चलते कभी भी एक्सेस रोकी जा सकती थी। भारत अब इस स्थिति से बाहर निकलना चाहता है। सरकार की इंडिया सेमिकंडक्टर मिशन (आईएसएम) के अंतर्गत घरेलू जीपीयू विकसित करने और रजिस्टर करने पर विशेष बल दिया गया है। अधिकारी के अनुसार, 'यह सिर्फ एक चिप नहीं है। यह एक ऐसे इकोसिस्टम का निर्माण है जिसमें किसी भी देश द्वारा हमें तकनीकी रूप से नकारा नहीं जा सके।'

संक्षिप्त समाचार

कश्मीर के पूर्व विधायक अमीन भट ने दिया इस्तीफा

श्रीनगर। पूर्व विधायक मोहम्मद अमीन भट ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद के नेतृत्व वाली डेमोक्रेटिव प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) से इस्तीफा दे दिया। भट ने एक बयान में डीपीएपी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। मोहम्मद अमीन भट 2014 में देवसर सीट से विधानसभा के लिए चुने गए थे। डीपीएपी के प्रांतीय अध्यक्ष भट ने गुलाम नबी आजाद के प्रति आभार व्यक्त किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं। आजाद ने अनुच्छेद 370 के निरस्त होने के बाद कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया था और अपनी पार्टी डीपीएपी बनाई थी।

एक्टिवेटेड सिम सीमा पर भेजीं, आरोपी गिरफ्तार

खैराबाद/सीतापुर। जाली दस्तावेज के आधार पर सीतापुर से 50 सिम कार्डों को एक्टिवेट कर नेपाल और पाकिस्तान भेजा गया था। आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपी संतराम को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी के पास से जाली आधार कार्ड, पहचान पत्र, पैन कार्ड, कई फोटो और संदिग्ध ऑडियो रिकॉर्डिंग भी मिली है। आरोपी के तार साइबर अपराधियों से जुड़े हैं। एटीएस को जानकारी मिली थी कि खैराबाद के धरैंचा गांव निवासी संतराम वर्ष 2022 से मोबाइल सिम कार्ड बेचने का काम करता है। आरोप है कि संतराम ने जाली दस्तावेज के आधार पर कुछ सिम एक्टिवेट किए। इन एक्टिवेटेड सिमों को संतराम ने पीलीभीत निवासी युवक के माध्यम से नेपाल तक भेजवाया। सूत्रों के अनुसार एक्टिवेटेड सिमों का उपयोग देश विरोध गतिविधियों में किया गया है। इस इनपुट के आधार पर एटीएस सक्रिय हुई।

जारी रहेगा भारत-पाक का संघर्ष विरामः सेना

नई दिल्ली। बीते कई दिनों से चर्चा थी कि 18 मई तक ही भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम है। सेना ने इन खबरों को लेकर बयान जारी किया है। भारतीय सेना ने साफ कर दिया है कि 18 मई को डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस (डीजीएमओ) लेवल की कोई वार्ता निर्धारित नहीं है। सेना ने कहा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात की चर्चा थी की 18 मई को भारत और पाकिस्तान के बीच का सीजफायर समाप्त हो जाएगा। इस खबर के बाद से कई लोगों में भ्रम की स्थिति बन गई थी। हालांकि, सेना ने अब स्पष्ट बयान जारी कर बताया है कि दोनों देशों के बीच संघर्म विराम के समाप्त होने की खबर पूरी तरह से गलत है।

यूट्यूबर ज्योति की पुरी यात्रा की जांच शुरू

भुवनेश्वर, जेएनएन। हरियाणा की रहने वाली यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा की गिरफ्तारी के बाद अब ओडिशा पुलिस ने उसकी पुरी यात्रा की जांच शुरू कर दी है। ज्योति को पाकिस्तान के लिए जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। सोशल मीडिया पर ज्योति की श्री जगन्नाथ मंदिर और पुरी समुद्र तट की तस्वीरें और वीडियो वायरल हो गए, जो उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर साझा किए थे। पुरी पुलिस को जानकारी मिली है कि यहां ज्योति की प्रियंका सेनापति नामक करीबी मित्र है। वह भी यूट्यूबर है। जानकारी मिली है कि ज्योति और प्रियंका ने हाल ही में पाकिस्तान के करतारपुर साहिब गुरुद्वारे की यात्रा की थी। पुलिस मल्होत्रा की पुरी यात्रा के उद्देश्य की जांच कर रही है, जिसमें वह कहां रुकी थी, उसने किससे संपर्क किया था, और क्या उसने कोई संदिग्ध गतिविधि की थी। इस मामले में प्रियंका सेनापति के घर की जांच भी की गई है।

कान्स 2025: रॉबर्ट पैटिंसन और जेनिफर लॉरेंस की फिल्म को मिला स्टैंडिंग ओवेशन

जेनिफर
फिल्म के प्रीमियर पर लोगों ने छह मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाई।

78वें कान्स फिल्म फेस्टिवल में ट्विलाइट अभिनेता रॉबर्ट पैटिंसन रेड कार्पेट पर उतरे। उनके साथ अभिनेत्री जेनिफर लॉरेंस ने भी पोज दिए। उनकी फिल्म 'डाई माई लव' का प्रीमियर हुआ। फिल्म के प्रीमियर पर लोगों ने छह मिनट तक खड़े होकर तालियां बजाई। दिल्ली की फैशन इन्फ्लुएंसर नैंसी त्यागी लगातार दूसरी बार कान्स में उतरी हैं। खूबसूरत अंदाज में रेड कार्पेट पर उतरते ही नैंसी का लुक वायरल हो गया।

फिनलैंड में हवा में टकराये दो हेलीकॉप्टर, 5 की मौत

हैल्सिंकी, जेएनएन। फिनलैंड में एक बड़ी दुर्घटना घटी है, जहां हवा में दो हेलिकॉप्टरों की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद दोनों हेलिकॉप्टर जमीन पर गिरकर क्रैश हो गए। पुलिस ने बताया कि इस घटना में पांच लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि दुर्घटना के वक्त दोनों हेलिकॉप्टर में पांच लोग ही सवार थे। हादसे को लेकर पुलिस ने बयान जारी कर कहा, 'इस हादसे में कई लोगों की मौत हुई है। पीड़ितों की पहचान की जा रही है और पुलिस व अन्य आपातकालीन टीमें मौके पर पहुंचकर बचाव व जांच कार्य में जुटी हुई है।' स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, इन दोनों हेलिकॉप्टर्स ने एस्टोनिया से उड़ान भरी थी और इनमें कुछ व्यवसायी सवार थे। एक

हेलिकॉप्टर में तीन लोग बैठे थे और दूसरे में दो लोग सवार थे। पुलिस ने बताया कि यह हादसा फिलनैंड के कौटुआ शहर के पास दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में यूरा हवाई अड्डे के पास एक जंगली इलाके में हुई है। नेशनल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन के डिटेक्टिव चीफ इंस्पेक्टर जोहान्स सिरिला ने बताया, 'शनिवार को यूरा हवाई अड्डे के पास दो हेलिकॉप्टर के आपस में टकराने से पांच लोगों की मौत हो गई।'

ब्रूकलिन ब्रिज से टकराया जहाज, दो की मौत

45 मीटर ऊंचे थे मैक्सिकन नौसेना के जहाज के मस्तूल, 277 लोग थे जहाज पर सवार, 22 हुए घायल

न्यूयॉर्क, जेएनएन। न्यूयॉर्क में मैक्सिकन नौसेना का एक सैलिंग ट्रेनिंग शिप 'कुआउतेमोक' ब्रूकलिन ब्रिज से टकरा गया। इस हादसे में दो लोगों की मौत हो गई और 17 अन्य घायल हो गए। न्यूयॉर्क के मेयर एरिक एडम्स ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि दो घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

यह जहाज, जो प्रकाशों और विशाल मैक्सिकन ध्वज से सजा हुआ था, शनिवार शाम को ईस्ट रिवर के रास्ते ब्रूकलिन ब्रिज के नीचे से गुजरने की कोशिश कर रहा था। लेकिन जहाज के लगभग 45 मीटर ऊंचे मस्तूल पुल की ऊंचाई पार नहीं कर सके और ऊपर से टकराकर टूट गए। मैक्सिकन नौसेना ने हादसे की आंतरिक जांच शुरू कर दी है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें देखा जा सकता है कि जहाज जैसे ही मैनहटन और ब्रूकलिन को जोड़ने वाले इस ऐतिहासिक पुल के पास पहुंचा, उसके मस्तूल पुल से टकराते ही गिर गए।

पर्यटकों में मची अफरा-तफरी ब्रूकलिन ब्रिज के पास स्थित साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट इलाके में मौजूद लोग उस समय दहशत में आ गए जब जहाज पुल से टकराने के बाद डॉक की ओर मुड़ गया। लोगों को चीखते और दौड़ते हुए देखा गया। गनीमत रही कि पुल को कोई बड़ा नुकसान नहीं पहुंचा। न्यूयॉर्क शहर के परिवहन अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक जांच के बाद पुल को सुरक्षित घोषित किया गया और दोनों दिशाओं में यातायात फिर से चालू कर दिया गया।

• ब्रूकलिन ब्रिजः इतिहास और महत्व

ब्रूकलिन ब्रिज 1883 में बनकर तैयार हुआ था और एक समय यह दुनिया का सबसे लंबा सस्पेंशन ब्रिज हुआ करता था। यह पुल न केवल मैनहटन और ब्रूकलिन को जोड़ने का मुख्य जरिया है, बल्कि यह पर्यटकों के लिए भी एक प्रमुख आकर्षण है।

22 लोग घायल, 19 अस्पताल में भर्ती

मैक्सिकन नौसेना ने जानकारी दी कि जहाज पर 277 लोग सवार थे। हादसे में 22 लोग घायल हुए, जिनमें से 19 को न्यूयॉर्क के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। तीन की हालत गंभीर है। हालांकि, राहत की बात यह रही कि कोई भी व्यक्ति नदी में नहीं गिरा, इसलिए कोई रेस्क्यू ऑपरेशन नहीं चलाना पड़ा। न्यूयॉर्क पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हादसे के पीछे तकनीकी खराबी हो सकती है, हालांकि अभी विस्तृत जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, 'सभी घायल लोग जहाज के भीतर ही थे, पानी में गिरने की कोई घटना नहीं हुई है।'

मैक्सिकन दूतावास सक्रिय

मैक्सिको के विदेश मंत्रालय ने भी सोशल मीडिया के जरिए जानकारी दी कि अमेरिका में स्थित मैक्सिकन राजदूत और अन्य अधिकारी इस हादसे में प्रभावित कैडेट्स की मदद कर रहे हैं और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में हैं। जहाज 'कुआउतेमोक' को 1981 में स्पेन के बिलबाओ शहर के सेलाया शिपयार्ड्स में बनाया गया था। यह जहाज एक नौसेना प्रशिक्षण पोत है और दुनियाभर के विभिन्न बंदरगाहों की यात्रा करता है। न्यूयॉर्क के साउथ स्ट्रीट सीपोर्ट म्यूजियम के अनुसार, वह इस यात्रा के सह-आयोजक थे और जनता को इस जहाज पर आने का निमंत्रण दिया गया था।

आरसीपी ने अपनी पार्टी 'आसा' का किया जन सुराज में विलय

पटना, जेएनएन। कभी नीतीश कुमार के साथ रहे बिहार के चर्चित नेता आरसीपी सिंह ने अपनी पार्टी आप सब की आवाज (आसा) का विलय जन सुराज पार्टी में कर दिया है। रविवार को पटना में प्रशांत किशोर के साथ प्रेस वार्ता में इसकी जानकारी दी गयी। प्रेस वार्ता में प्रशांत किशोर ने कहा कि जब लालू प्रसाद और नीतीश कुमार एक साथ 2015 में साथ हुए थे। इस समय से पहले प्रशांत किशोर और रामचंद्र प्रसाद सिंह के साथ आए थे। सभी राजनीतिक दल का अपना अपना काम है। आरसीपी सिंह को जितना संगठन का काम करने का अनुभव है, उतना किसी अन्य नेता के पास नहीं है। प्रेसवार्ता में आरसीपी सिंह ने आप सब की आवाज 'आसा' का जन सुराज में विलय की घोषणा की।

रूस ने किया यूक्रेन पर अब तक का सबसे भीषण हमला

रूस के हमले में खंडहर हुई इमारत।

कीव, जेएनएन। रूस ने यूक्रेन में युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक का सबसे बड़ा ड्रोन हमला किया है। रूस ने शनिवार-रविवार की रात में 273 ड्रोन यूक्रेन में भेजे। यह बीते 39 महीने यानी फरवरी, 2022 में जंग शुरू होने के बाद से यूक्रेन पर रूस की ओर से हुए सबसे बड़े हमलों में से एक है। कीव के क्षेत्रीय गवर्नर मायकोला कलाशनिक के अनुसार, रूस के इस ड्रोन हमले में दो मौत हो गई और तीन घायल हुए हैं। हमले में मरने वाली एक महिला है।

यूक्रेन की एयरफोर्स ने कहा है कि रूस ने कुल 273 ड्रोन भेजे थे। इनमें से 88 को मार गिराया गया और 128 हवा में ही खो गए। यूक्रेनी एयरफोर्स के रूसी ड्रोन के हवा में खो जाने के दावे से मतलब उन्हें इलेक्ट्रॉनिक तरीके से जाम कर देना है। इलेक्ट्रॉनिक जैमिंग में ड्रोन को सिग्नल भेजने और प्राप्त करने से रोका दिया जाता है। इससे वह काम नहीं कर पाते हैं। हमला तुर्की में मॉस्को और कीव के बीच युद्धविराम पर बातचीत के दौरान ही हुआ है। ये वार्ता भी बिना किसी नतीजे के खत्म हो गई है।

रूस के हमले के बाद यूक्रेन की आपातकालीन सेवा कुछ तस्वीरें जारी की हैं। इसमें कीव क्षेत्र में आग बुझाते हुए दमकलकर्मी दिख रहे हैं। यूक्रेन ने कहा है कि यह आग रूसी ड्रोन हमले के बाद लगी, जिससे क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ है। इससे पहले शनिवार को यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में यात्री बस पर रूसी ड्रोन हमला हुआ था, इसमें कम से कम नौ लोग मारे गए। इस भीषण ड्रोन हमले और तुर्की में बातचीत बेनतीजा रहने से यूक्रेन-रूस में युद्धविराम होने शांति लौटने की उम्मीद को भी एक बार फिर तगड़ा झटका लगा है।

आज पुतिन-जेलेंस्की से बात करेंगे ट्रंप

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की के साथ बात करेंगे। इसके अलावा नाटो देशों के नेताओं से भी बातचीत की जाएगी। ट्रंप ने इन नेताओं से बातचीत का मकसद यूक्रेन-रूस युद्ध रोकने पर चर्चा करना बताया है। ट्रंप ने कहा कि वह सोमवार को पुतिन से यूक्रेन में खूनखराबा रोकने के बारे में बात करेंगे, इसके बाद जेलेंस्की से वार्ता होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि युद्ध जल्दी ही रुक जाएगा। ट्रंप का बयान रूस और यूक्रेन के बीच तीन सालों में हुई पहली बातचीत के बाद आया है।

महाराष्ट्रः कार्यक्रम में नहीं पहुंचे सीएस डीजीपी, सीजेआई ने जताई नाराजगी

मुंबई, जेएनएन। महाराष्ट्र एवं गोवा बार काउंसिल की ओर से रविवार को सुप्रीम कोर्ट के नवनियुक्त मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुख्य न्यायाधीश ने महाराष्ट्र के वरिष्ठ अधिकारियों की अनुपस्थिति पर नाराजगी व्यक्त की है। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि लोकतंत्र के तीन स्तंभ न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका समान हैं। संविधान के प्रत्येक अंग को दूसरों के प्रति सम्मान प्रदर्शित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत के मुख्य न्यायाधीश पहली बार महाराष्ट्र का दौरा कर रहे हैं और राज्य के मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक और मुंबई पुलिस आयुक्त को वहां उपस्थित रहना उचित नहीं लगता है, तो उन्हें इस पर विचार करने की जरूरत है। प्रोटोकॉल में कुछ भी नया नहीं है। यह एक संवैधानिक संस्था से दूसरी संवैधानिक संस्था के प्रति सम्मान का मामला है। सीजेआई ने कहा कि जब किसी संवैधानिक संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य के दौरे पर आता है, तो उसका किस तरह से स्वागत किया जाता है, इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। अगर ऐसी स्थिति में हममें से कोई होता, तो अनुच्छेद 142 के बारे में चर्चा हो सकती थी।

◆ भावुक हो गए मुख्य न्यायाधीशः कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई काफी भावुक हो गए। उन्होंने कहा, आप सभी की शुभकामनाओं और प्यार से मैं अभिभूत हूं। शपथ लेते ही देश की जनता ने मुझे प्यार दिया। आज की घटना जीवन के अंत तक याद रहेगी।

बुरहानपुर में डबल मर्डर खेत में मिले दंपति के शव

जागरण, बुरहानपुर। जमीन विवाद को लेकर जिले के खकनार स्थित रामाखेड़ा कला में डबल मर्डर का मामला सामने आया है। एक दंपति के शव खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। प्रारंभिक रूप से सामने आया है कि हत्या जमीन विवाद को लेकर हुई। रविवार को सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही मामले की जांच की जा रही है। मामला रामाखेड़ा गांव का है। जानकारी अनुसार भंगड़ा भिलाला और उनकी पत्नी जेमा बाई के शव खेत में खून से लथपथ पाए गए। बुरहानपुर पुलिस को आशंका है कि जमीन के विवाद में उनकी हत्या की गई है। मृतक के बेटे ने अपने चाचा और उनके परिवार पर हत्या का आरोप लगाया है। मालूम हो कि जमीन को लेकर पहले से ही विवाद चल रहा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चाचा के साथ जमीन विवादः मृतक के बेटे का कहना है कि उसके चाचा और परिवार के लोगों से जमीन को लेकर विवाद था। कुछ दिन पहले पटवारी से सीमांकन भी कराया था।

राष्ट्रपति के 14 प्रश्नों के विरोध में स्टालिन ने 8 सीएम को लिखे पत्र

चेन्नई, जेएनएन। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों को पत्र लिखा है। इसमें विधेयकों पर राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समय सीमा के संबंध में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष राष्ट्रपति के सवालों का विरोध करने का आग्रह किया है। साथ ही समन्वित कानूनी रणनीति की वकालत की है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्र की सलाह पर 13 मई को संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट के समक्ष 14 प्रश्न रखे हैं।

सीएम स्टालिन ने पश्चिम बंगाल के अलावा कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, केरल, झारखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्रियों को भी पत्र लिखा।

पत्र में डीएमके प्रमुख ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार क्षेत्राधिकार को तब लागू या प्रयोग नहीं किया जा सकता है जब संबंधित मामले में अदालत के आधिकारिक फैसले द्वारा पहले ही निर्णय दिया जा चुका हो।

उन्होंने आरोप लगाया, 'फिर भी केंद्र की भाजपा सरकार ने संदर्भ मांगने पर जोर दिया है, जो उनके कपटी इरादे की ओर इशारा करता है।' उन्होंने गैर-भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों से अनुरोध किया कि वे राष्ट्रपति की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भेजे गए इस संदर्भ का विरोध करें।

17 मई को लिखे पत्र में उन्होंने कहा, 'हमें न्यायालय के समक्ष एक समन्वित कानूनी रणनीति बनानी चाहिए और संविधान के मूल ढांचे की रक्षा करने के लिए एकजुट होकर अपना पक्ष रखना चाहिए, जैसा कि हमारे सुप्रीम कोर्ट ने अपने ऐतिहासिक निर्णय (तमिलनाडु राज्य बनाम तमिलनाडु के राज्यपाल) में बरकरार रखा है। मैं इस महत्वपूर्ण मुद्दे में आपके तत्काल और व्यक्तिगत हस्तक्षेप की आशा करता हूं।'

9 जिलों में लू की चेतावनी, इंदौर में 1 इंच से ज्यादा बारिश, उज्जैन-नर्मदापुरम भीगे

इन स्थानों पर सिस्टम सक्रिय

- हरियाणा में एक चक्रवातीय सर्कुलेशन बना हुआ है। जिसकी ऊंचाई सिर्फ 1.5 किलो मीटर है।
- हरियाणा में सक्रिय साइक्लोनिक सर्कुलेशन के कारण एक द्रोणिका पंजाब के मध्य भाग से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, बांग्लादेश तक सक्रिय है।
- एक सर्कुलेशन महाराष्ट्र के विदर्भ में सक्रिय है।
- चौथा सिस्टम गुजरात और उससे सटे उत्तर-पूर्व अरब सागर में सक्रिय है।

कार्यालय संवाददाता, भोपाल। मध्य प्रदेश में मई का महीना सावन जैसे गुजर रहा है। कई जिलों में बारिश हो रही है और कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। शेष जिलों में तेज गर्मी भी बनी हुई है। सोमवार के लिए मौसम केंद्र भोपाल ने जो बुलेटिन जारी किया है, उसके मुताबिक 9 जिलों में लू चलने की संभावना है, जबकि 36 जिलों में हल्की बारिश की उम्मीद है। मौसम वैज्ञानिक के मुताबिक प्रदेश में अलग अलग ध्रुवों पर मौसम का अलग अलग रूप देखने को मिल रहा है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रदेश के आस पास के राज्यों में चार सिस्टम एक्टिव हैं। जिसका असर मप्र में देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग के अनुसार अगले तीन से चार दिन तक मौसम ऐसा ही रहेगा। मप्र में पिछले 24 घंटे में इंदौर में सर्वाधिक बारिश रिकार्ड की गई है। यहां बारिश का आंकड़ा 33 मिली मीटर यानि एक इंच ये ज्यादा रहा है। इसके बाद उज्जैन में 8.6 एमएम, नरसिंहपुर में 5 और नौगांव में 4.8 मिली मीटर बारिश हुई है।

यहां चलेगी लू

शिवपुरी, ग्वालियर, दतिया, भिंड, मुरैना, श्योपुरकलां, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी।

तापमान में कोई बदलाव नहीं खजुराहो सबसे गर्म

बारिश और लू की चेतावनी के बीच मप्र के अधिकतर जिलों में तापमान स्थिर बना हुआ है। बीते दो दिन में कोई बहुत बड़ा उतार या चढ़ाव देखने को नहीं मिला है। रविवार को मप्र में सबसे ज्यादा गर्म खजुराहो रहा। यहां का अधिकतम तापमान 43.8 डिग्री रहा। खजुराहो दो दिन मप्र में सबसे अधिक तापमान वाला जिला बना हुआ है। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल में अधिकतम तापमान 39.1 और न्यूनतम तापमान 26.9 डिग्री रहा। इंदौर में 37.4 डिग्री, उज्जैन में 39 डिग्री और जबलपुर में 39.9 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा ग्वालियर-गुना में 43.7 डिग्री, सीधी में 43.4 डिग्री, शिवपुरी-टीकमगढ़ में पारा 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सतना, रीवा, दमोह, उमरिया, सागर, रायसेन, रतलाम, खंडवा में पारा 40 डिग्री से अधिक रहा।

50 की स्पीड से चलेगी हवा

मौसम केंद्र द्वारा जिन 36 जिलों में हल्की बारिश का अलर्ट जारी किया गया है, वहां 30 से लेकर 50 किलो मीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चलने की भी चेतावनी दी गई है।

▶▶ भारतीय रक्षा अध्ययन केंद्र का दावाः पाकिस्तान को दी रडार, सैटेलाइट और हथियारों की मदद

हालिया संघर्ष में ज्यादा गहरी और प्रत्यक्ष थी चीन की भूमिका

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया सैन्य संघर्ष में चीन की भूमिका कहीं अधिक गहरी और प्रत्यक्ष रही है, जितना अब तक माना जा रहा था। भारत के रक्षा मंत्रालय से संबद्ध एक प्रतिष्ठित थिंक टैंक 'सेंटर फॉर जॉइंट वारफेयर स्टडीज' (सीईएनजेडब्ल्यूएस) के निदेशक अशोक कुमार ने दावा किया है कि चीन ने पाकिस्तान को न केवल हथियारों की आपूर्ति की, बल्कि हवाई सुरक्षा प्रणाली, रडार पुनर्संयोजन और सैटेलाइट कवरेज में तकनीकी सहायता भी प्रदान की।

यह दावा ऐसे समय में आया है जब भारत और पाकिस्तान के बीच अप्रैल के अंत में शुरू हुए टकराव को हाल के दशकों का सबसे गंभीर संघर्ष माना जा रहा है, जिसमें दोनों परमाणु संपन्न देशों ने एक-दूसरे के खिलाफ ड्रोन, मिसाइल, वायुसेना और तोपखानों का इस्तेमाल किया।

हथियारों की 'परीक्षा' कीः कुमार के अनुसार, यह संघर्ष चीन के लिए अपने नए रक्षा प्रणालियों के वास्तविक युद्ध में परीक्षण का अवसर भी था। हालांकि, भारत के सैन्य विश्लेषण में इन हथियारों के प्रदर्शन को 'औसत से नीचे' और कुछ मामलों में 'पूरी तरह विफल' बताया गया है। चीनी जे-10सी लड़ाकू विमान और पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल जैसी प्रणालियों का पहली बार किसी सैन्य संघर्ष में उपयोग हुआ, जो चीन के प्रतिद्वंद्वी देशों- खासकर ताइवान और जापान, के लिए चिंता का विषय बन गया है।

रडार, सैटेलाइट नेटवर्क फिर से संगठित किया

सीईएनजेडब्ल्यूएस के निदेशक अशोक कुमार ने बताया कि 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले और उसके बाद शुरू हुई सैन्य झड़पों के बीच के 15 दिनों के दौरान चीन ने पाकिस्तान को भारत की सैन्य गतिविधियों पर नजर रखने के लिए सैटेलाइट कवरेज और रडार प्रणाली को फिर से व्यवस्थित करने में मदद की। इससे संकेत मिलता है कि चीन ने महज सैन्य उपकरण ही नहीं, बल्कि लॉजिस्टिक्स और खुफिया सहायता भी पाकिस्तान को प्रदान की, जिससे भारत को दोहरे मोर्चे पर खतरे का सामना करना पड़ा।

> 'चीन ने पाकिस्तान की एयर डिफेंस रडार प्रणाली को पुनर्संयोजित किया ताकि हमारी हवाई गतिविधियों की तुरंत जानकारी उन्हें मिल सके। आज जो भी सैन्य तकनीक चीन के पास है, उसे भविष्य में पाकिस्तान के पास मान लेना ही रणनीतिक रूप से सुरक्षित दृष्टिकोण होगा।
>
> • अशोक कुमार
> निदेशक, सीईएनजेडब्ल्यूएस

तीन दिन से लापता महिला का शव कुएं में मिला

जागरण, रतलाम। तीन दिन से लापता महिला का शव कुएं में मिला है। जिले के ताल थाना क्षेत्र के ग्राम खारवाखुर्द के महिदपुर रोड पर स्थित एक खेत में उज्जैन जिले के ग्राम रणायरापीर खेड़ा निवासी महिला का शव मिला। शव दो-तीन दिन पुराना बताया जा रहा है। परिजनों ने महिला की हत्या के आरोप लगाते हुए मामले से जांच मांग की है। पुलिस व ग्रामीणों के अनुसार ग्राम खारवाखुर्द के महिदपुर रोड के पास स्थित पंकज अग्रवाल उज्जैन वाले के खेत में स्थित कुएं में शनिवार शाम किसी ने महिला का शव देखा। इसके बाद पुलिस को सूचना दी।

बायजू के संस्थापक ने पहली बार की अपनी आगामी योजनाओं पर बात

मैं हार नहीं मान रहा हूं, हम पुनर्निर्माण करेंगे : रवींद्रन

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत की एक समय की मशहूर एडटेक दिग्गज कंपनी बायजूस ने बड़ा निवेश करके देश में आनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में बड़ा नाम कमा लिया था और शाहरुख जैसे दिग्गज को ब्रांड के जोड़ लिया था। बायजू के संस्थापक रवींद्रन ने पहली बार कंपनी के तेजी से उत्थान और पतन के बारे में खुलकर बात की है। इसे वह भारत के लिए एक खोया हुआ अवसर कहते हैं। उनका सपना देश में लाख शिक्षण नौकरियां पैदा करने का था, लेकिन यह मिशन अमेरिका में कुछ गिद्ध ऋणदाताओं के लालच के कारण पटरी से उतर गया।

दो साल पहले करोड़ों आज कुछ भी नहीं

रवींद्रन ने एक समाचार एजेंसी के साथ मुलाकात में कहा, दो साल पहले हम हजारों करोड़ रुपये पर बैठे थे। आज हमारे पास कुछ भी नहीं है। इसे पूरा करने के बाद हमने कुछ सौ करोड़ और जुटाए हैं, क्योंकि पिछले दो सालों में कई अच्छे लोगों ने हमारा समर्थन किया है। कुछ अमेरिकी और कुछ भारतीयों ने हमें निशाना बनाया। ये सब हेज फंड हैं। एक समय 22 अरब डॉलर के मूल्य वाली बायजूस को वित्तीय समस्याओं, विनियामक मुद्दों और कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ा है। इस कारण रवींद्रन बायजू इस समय दुबई में बस गए हैं। उन्होंने रणनीतिक चूक को स्वीकार किया और मजबूत इक्विटी विकल्पों के बावजूद 100 करोड़ रुपये का टर्म लोन लेने के कंपनी के विकल्प ने अंततः कंपनी को आक्रामक बाहरी दबावों के सामने उजागर कर दिया।

रवींद्रन ने कहा, मैं हार नहीं मान रहा हूं। जैसे ही हम नियंत्रण में आएंगे और नियंत्रण 100 प्रतिशत मेरे पास होगा, हम पुनर्निर्माण करेंगे। बायजू 3.0 हमारा मिशन है। मैं यह बताने की स्थिति में नहीं हूं कि वह क्या होगा। मैं आपको आश्वस्त कर सकता हूं कि इसे फिर से उसी मिशन पर बनाया जाएगा, जो छात्रों में सीखने के प्रति प्रेम पैदा करना है। बायजू की सह-संस्थापक और बायजू रवींद्रन की पत्नी दिव्या गोकुलनाथ ने कहा, हम बाहर नहीं जाते। हम पार्टी नहीं करते। हम नेटवर्क नहीं बनाते। सब झूठ है। हमारे पास कोई लग्जरी कार या घर नहीं है। जब हालात खराब हो गए, तो जो लोग मायने रखते थे, वे हमारे साथ रहे। हमारा दायरा नहीं बदला। जब हम इतने ऊपर पहुंच गए, तब भी इसने हमें जमीन से जुड़ा रखा।

सपना था भारत में 10 लाख शैक्षणिक रोजगार पैदा करना

3-4 निवेशकों द्वारा कंपनी को हथियाने की कोशिश की गई

बायजू ने कहा, मैं अपने सभी निवेशकों को दोष नहीं दे रहा हूं। मैं ऐसा व्यक्ति हूं जो हर संभव नुकसान उठाने की कोशिश करता हूं, लेकिन कुछ सड़े हुए लोग भी हैं। यह सिर्फ तीन या चार निवेशकों हैं, जिन्होंने कुछ ऋणदाताओं के साथ मिलकर कंपनी का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की है।

कुछ गलतियां हमने भी कीं

रवींद्रन ने कहा, जब हमने भारत से पूरी दुनिया में विस्तार करने की कोशिश की, तो हमने कुछ व्यावसायिक गलतियां कीं। शायद हम इसे थोड़ा धीरे कर सकते थे। हम बहुत जल्दी, बहुत तेजी से बढ़ रहे थे। हम भारत से 21 नए देशों में चले गए। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें, 2019 से 2021 के संदर्भ में, कोविड युग में, हमारे पास 160 विश्व स्तरीय निवेशक और इक्विटी निवेशक हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे बाहरी झटकों के कारण निवेशकों द्वारा वादे गलत हुए, इससे योजनाएं प्रभावित हुईं।

एफपीआई ने बाजार में डाले 18,620 करोड़ रुपए

नई दिल्ली, जेएनएन। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों का भारतीय शेयर बाजार के प्रति भरोसा कायम है। वैश्विक अनुकूल परिस्थितियों तथा मजबूत घरेलू बुनियाद के बीच इस महीने अबतक एफपीआई ने भारतीय शेयरों में 18,620 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले अप्रैल में उन्होंने शेयरों में 4,223 करोड़ रुपये डाले थे। यह तीन माह बाद भारतीय शेयरों में उनका पहला शुद्ध निवेश था। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने मार्च में शेयरों से 3,973 करोड़ रुपये, फरवरी में 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा कि एफपीआई की भारतीय बाजार में खरीद जारी रहने की संभावना है। ऐसे में बड़ी कंपनियों के शेयरों में मजबूती रहेगी। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस महीने अबतक शेयरों में 18,620 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस तरह 2025 में अब उनकी कुल निकासी घटकर 93,731 करोड़ रुपये रह गई है। अप्रैल में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई की गतिविधियों में तेज उछाल देखा गया। अप्रैल के मध्य में शुरू हुई उनकी खरीदारी का सिलसिला अब भी जारी है।

बीते वित्त वर्ष में भारत के स्मार्टफोन निर्यात ने पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे को पीछे छोड़ा

मोबाइल फोन भारत का सबसे ज्यादा निर्यात किया जाने वाला इलेक्ट्रानिकउत्पाद बना

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले तीन साल में अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात पांच गुना हो गया है। वहीं इस दौरान जापान को निर्यात चार गुना हो गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इस तरह आज स्मार्टफोन निर्यात ने देश से पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे के निर्यात को पीछे छोड़ दिया है। आंकड़ों के अनुसार, 2024-25 में स्मार्टफोन निर्यात 55 प्रतिशत के उछाल के साथ 24.14 अरब डॉलर पर पहुंच गया, जो 2023-24 में 15.57 अरब डॉलर और 2022-23 में 10.96 अरब डॉलर था। बीते वित्त वर्ष में अमेरिका, नीदरलैंड, इटली, जापान और चेक गणराज्य शीर्ष पांच देश रहे जहां स्मार्टफोन निर्यात में सबसे ऊंची वृद्धि दर्ज हुई है।

अमेरिका को 10.6 अरब डालर का निर्यात- अकेले अमेरिका को 2024-25 में स्मार्टफोन का निर्यात 10.6 अरब डॉलर का हो गया। अमेरिका को स्मार्टफोन का निर्यात 2022-23 में 2.16 अरब डॉलर और 2023-24 में 5.57 अरब डॉलर रहा था। जापान को निर्यात में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। जापान को निर्यात 2022-23 के 12 करोड़ डॉलर से 2024-25 में 52 करोड़ डॉलर हो गया। वाणिज्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा, इस तेज उछाल के साथ स्मार्टफोन भारत का सबसे ज्यादा निर्यात वाला उत्पाद बन गया है। इसने पहली बार पेट्रोलियम उत्पादों और हीरे को पीछे छोड़ दिया है।

निर्यात वृद्धि में पीएलआई योजना का खास योगदान

अधिकारी ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में इस क्षेत्र में भारी उछाल आया है, जिससे देश एक प्रमुख वैश्विक विनिर्माता और उपभोक्ता केंद्र में बदल गया है। उन्होंने कहा कि इस वृद्धि में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का खास योगदान रहा है। पीएलआई से जहां निवेश बढ़ा है वहीं स्थानीय उत्पादन को भी बढ़ावा मिला और भारत को वैश्विक मूल्य श्रृंखला से अधिक गहराई से जोड़ने में मदद मिली है। आंकड़ों के अनुसार, नीदरलैंड को निर्यात 2022-23 में 1.07 अरब डॉलर से बढ़कर 2024-25 में 2.2 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह, इटली को निर्यात 72 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.26 अरब डॉलर पर पहुंच गया। चेक गणराज्य को भी निर्यात 65 करोड़ डॉलर से बढ़कर 1.17 अरब डॉलर हो गया।

इस सप्ताह 5 नए म्युचुअल फंड का डेब्यू

नई दिल्ली, जेएनएन। म्युचुअल फंड बाजार में इस सप्ताह 5 नए फंड डेब्यू करने जा रहे हैं। अगर आप भी म्युचुअल फंड की नई स्कीम में पैसा लगाने का मौका तलाश रहे थे तो आपके लिए ये नए फंड निवेश का एक बेहतरीन विकल्प बन सकते हैं। इन इनएफओ में यूनिफी फ्लेक्सी कैप फंड, मोतीलाल ओसवाल सर्विसेज फंड, आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी 200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड और निप्पॉन इंडिया के 2 नए फंड निप्पॉन इंडिया बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 30 इंडेक्स फंड और निप्पॉन इंडिया बीएसई सेंसेक्स नेक्स्ट 30 ईटीएफ शामिल हैं। 19 मई से लेकर 4 जून 2025 तक निवेशक इन फंड्स में पैसा लगा सकते हैं।

यूनिफी फ्लेक्सी कैप फंड

यूनिफी फ्लेक्सी कैप फंड 19 मई 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 मई 2025 को बंद होगा। इस फंड में निवेशक मिनिमम 5,000 से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह एक ओपन एंडेड फ्लेक्सी कैप फंड है जो निफ्टी 500 ट्राई इंडेक्स को ट्रैक करने के लिए डिजाइन किया गया है। सरवनन वी एन, एजस लखानी और कार्तिक श्रीनिवास इस स्कीम के फंड मैनेजर्स हैं। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है। हालांकि एक साल से पहले इस स्कीम में से पैसा निकालने पर निवेशकों से 1 प्रतिशत का एग्जिट लोड देना होगा। रिस्कोमीटर पर इस स्कीम को अत्यधिक जोखिम की कैटिगरी में रखा गया है।

मोतीलाल ओसवाल सर्विसेज फंड

मोतीलाल ओसवाल सर्विसेज फंड 20 मई 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 3 जून 2025 को बंद होगा। इस फंड में निवेशक मिनिमम 500 से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह एक ओपन एंडेड इक्विटी थीमैटिक फंड है। इस स्कीम में कोई लॉक इन पीरियड नहीं है। हालांकि 90 दिनों से पहले इस स्कीम से पैसा निकालने पर निवेशकों से 1 प्रतिशत का एग्जिट लोड देना होगा। इस फंड का बेंचमार्क निफ्टी सर्विस सेक्टर ट्राई इंडेक्स है। अजय खंडेलवाल, अतुल मेहरा, भालचंद्र शिंदे और राकेश शेट्टी इस स्कीम के फंड मैनेजर्स हैं। रिस्कोमीटर पर इस स्कीम को हाई रिस्क की कैटिगरी में रखा गया है।

आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी

आईसीआईसीआई प्रू निफ्टी 200 क्वालिटी 30 इंडेक्स फंड 21 मई 2025 को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 4 जून 2025 को बंद होगा। इस न्यू फंड ऑफर में निवेशक मिनिमम 1,000 से निवेश शुरू कर सकते हैं। यह एक ओपन एंडेड इक्विटी इंडेक्स फंड है। इस स्कीम के फंड मैनेजर निशित पटेल हैं। इस स्कीम का उद्देश्य उन कंपनियों में निवेश करना है जिनके शेयर निफ्टी200 क्वालिटी 30 इंडेक्स में शामिल हैं। इस फंड का लक्ष्य अपने बेंचमार्क के प्रदर्शन को दोहराना है। हालांकि यह ट्रैकिंग एरर के अधीन है।

निप्पॉन इंडिया के 2 फंड लॉन्च को तैयार

म्युचुअल फंड हाउस निप्पॉन इंडिया इस सप्ताह बाजार में दो नए फंड लॉन्च करने जा रहा है। इन एनएफओ का नाम निप्पॉन इंडिया बीएसई सेंसेक्स नेक्स 30 इंडेक्स फंड और निप्पॉन इंडिया बीएसई सेंसेक्स नेक्स 30 ईटीएफ फंड है। यह दोनों फंड 21 मई 2025 से सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेंगे। निवेशक 4 जून 2025 तक इन न्यू फंड ऑफर पर दांव लगा सकते हैं। दोनों NFOs में मिनिमम 1,000 से निवेश शुरू किया जा सकता है। हिमांशु मंगे दोनों न्यू स्कीम के फंड मैनेजर हैं।

बॉन्ड निर्गम के निजी नियोजन को ई-बुक आवश्यक

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने 20 करोड़ रुपये या उससे अधिक के बॉन्ड निर्गम के निजी नियोजन के लिए इलेक्ट्रानिक बुक व्यवस्था को अनिवार्य कर दिया है। इसके साथ ही नियामक ने मंच का दायरा बढ़ाकर इसमें रीट और इनविट को भी शामिल कर दिया है। एक कार्यसमूह की सिफारिशों और सार्वजनिक प्रतिक्रिया के आधार पर उठाए गए इस कदम से इलेक्ट्रॉनिक बुक प्रदाता मंच की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

वोडाफोन आइडिया की सुप्रीम कोर्ट से राहत की गुहार, सरकार कर चुकी है मना

नई दिल्ली, जेएनएन। देश की तीसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी वोडाफोन आइडिया सरकारी फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट से राहत मांगी है। वोडाफोन आइडिया ने सरकार से 9.76 बिलियन के बकाये पर ब्याज और जुर्माना माफ करने की गुहार लगाई थी, जिसे सरकार ने ठुकरा दिया है। अब वोडाफोन आइडिया ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की है कि संवेदनशील दूरसंचार क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक हित में सरकार को राहत देने का निर्देश दिया जाए। संचार मंत्रालय ने 29 अप्रैल को वोडाफोन आइडिया के सीईओ अक्षय मूंदड़ा के माफी के अनुरोध को खारिज करते हुए कहा कि कंपनी के वजूद को खतरा है। इसलिए यह अनुरोध स्वीकार नहीं किया जा सकता। 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू पर ऐतिहासिक फैसला दिया था। इससे दूरसंचार कंपनियों को बड़ा झटका लगा और उन पर अरबों डॉलर की देनदारी बढ़ गई। इसके कारण वोडाफोन आइडिया सहित कई कंपनियों पर अरबों डॉलर का अतिरिक्त वित्तीय दबाव पड़ा। सरकार ने कंपनी के बकाया का कुछ हिस्सा इक्विटी में बदलकर अपनी हिस्सेदारी 49 प्रतिशत तक बढ़ा दी है। भारती एयरटेल भी इसी तरह के बकाया के खिलाफ अदालत में लड़ रहा है, लेकिन उसके मुकाबले वोडाफोन आइडिया की वित्तीय स्थिति अधिक कमजोर मानी जाती है।

क्या बंद हो जाएगी वोडा आइडिया- अक्षय मूंदड़ा ने सरकार को पत्र लिखा था कि अगर राहत नहीं मिली तो वोडाफोन आइडिया वित्त वर्ष 2026 के बाद संचालन जारी नहीं रख पाएगी। उन्होंने कहा कि इससे देश की साख को बड़ा धक्का लगेगा और विदेशी निवेशकों का भरोसा हिल जाएगा। ब्रोकरेज फर्म इक्रा के अनुसार, सितंबर 2024 तक वोडाफोन आइडिया का नेट कर्ज 25 बिलियन था।

वोडाफोन आइडिया के शेयरों का हाल- वोडाफोन आइडिया के शेयर शुक्रवार (16 मई) को 1.66% बढ़कर 7.35 रुपये पर बंद हुए थे। बीते 1 महीने के दौरान शेयरों में 8.92% की गिरावट आई है। वहीं, पिछले एक साल में स्टॉक ने 45.76% का गोता लगाया है। कंपनी का मार्केट कैप 79.74 हजार करोड़ रुपये है।

भारत-ब्रिटेन एफटीए स्कॉच आयात पर शुल्क में रियायत

भारत में प्रीमियम स्पिरिट होगी सस्ती

नई दिल्ली, जेएनएन। भारतीय प्रीमियम व्हिस्की डिस्टिलरी कंपनियों को उम्मीद है कि भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत स्कॉच आयात पर शुल्क रियायतें उनके मार्जिन को बेहतर बनाने और वृद्धि को गति देने में मदद करेंगी। उन्होंने कहा कि कई भारत निर्मित विदेशी शराब (आईएमएफएल) कंपनियों द्वारा मिश्रण के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले थोक स्कॉच पर कम सीमा शुल्क से लागत कम होगी और प्रीमियम स्पिरिट भारतीय बाजार में अधिक किफायती हो जाएगी, जो व्हिस्की के लिए दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है।

डिस्टिलर्स (एबीडी) ने कहा कि इससे सहयोग के नए रास्ते खुले हैं, साथ ही सुपर प्रीमियम से लेकर लक्जरी पोर्टफोलियो को अधिक सुलभ बनाने में भी मदद मिली है। कंपनी ने कहा, इस समझौते से एबीडी के सुपर-प्रीमियम से लेकर लक्जरी पोर्टफोलियो को भी लाभ होगा क्योंकि इससे ये उत्पाद अधिक सुलभ हो जाएंगे। उम्मीद है कि इससे भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलेंगे और उच्च गुणवत्ता वाली स्पिरिट की व्यापक रेंज का आनंद लेने का अवसर मिलेगा। स्कॉच व्हिस्की एसोसिएशन के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में भारत स्कॉच का सबसे बड़ा बाज़ार था, जहां से 19.2 करोड़ बोतल का निर्यात किया गया।

उपभोक्ताओं को मिलेंगे और विकल्प

इसी प्रकार के विचार व्यक्त करते हुए ऑफिसर्स चॉइस व्हिस्की की विनिर्माता एलाइड ब्लेंडर्स एंड

ब्रिटेन की व्हिस्की और जिन पर शुल्क 50% कम करेगा भारत

इसी महीने घोषित व्यापार समझौते के तहत भारत, ब्रिटेन की व्हिस्की और जिन पर शुल्क 150 प्रतिशत से घटाकर 75 प्रतिशत करेगा और दसवें वर्ष तक इसे 40 प्रतिशत तक कम करेगा। रेडिको खेतान, एलाइड ब्लेंडर्स एंड डिस्टिलर्स (एबीडी) और जॉन डिस्टिलरीज जैसी घरेलू कंपनियों ने कहा कि इस कदम से भारतीय उपभोक्ताओं को अधिक विकल्प मिलेंगे और उच्च गुणवत्ता वाली स्पिरिट तक बेहतर पहुंच मिलेगी। मिश्रण के लिए स्कॉच व्हिस्की की सबसे बड़ी आयातक तथा सिंगल माल्ट 'रामपुर' और जैसलमेर इंडियन क्राफ्ट जिन की मालिक कंपनी रेडिको खेतान ने कहा कि एफटीए में सीमा शुल्क में अपेक्षित कमी के माध्यम से लागत लाभ की 'काफी संभावना' है।

प्रदेश के निकायों का जीआईएस आधारित मानचित्र होगा तैयार

विसं भोपाल। प्रदेश के सभी नगरीय निकायों का जीआईएस आधारित मानचित्र तैयार किया जाएगा। निकाय इसी आधार पर अपने संपत्ति कर के दायरे में वृद्धि करेंगे,साथ ही कर वसूली की भी तेज किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रदेश के नगरीय निकाय प्रणाली में सुधार कर पारदर्शिता लाने और कार्यक्षमा में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शहरी सुधार कार्यक्रम योजना लागू की है। नगरीय निकायों की लेख प्रणाली के संभूति आधारित द्विप्रविष्टिय लेखा प्रणाली में परिवर्तन करने के लिये कार्य किया गया है। प्रदेश की 369 निकायों में यह कार्य पूर्ण किया जा चुका है। नवगठित 44 निकायों में निविदाएं आमंत्रित करने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है। बताया गया है कि जीआईएस आधारित बहुउद्देशीय पारिवारिक सर्वेक्षण कार्य के अंतर्गत प्रदेश की सभी 413 नगरीय निकायों का आधार मानचित्र कार्य पूरा कर लिया गया है। इसी के साथ 294 नगरीय निकायों जिनमें नगर निगम मुरैना को शामिल करते हुये संपत्ति सर्वेक्षण का कार्य पूरा किया जा चुका है।

भारत के 4 करोड़ के आम की खेप ठुकराई

नई दिल्ली, जेएनएन। फलों के राजा कहे जाने वाले आम की दुनियाभर में भारी डिमांड है। अमेरिका, भारतीय आमों का सबसे बड़ा खरीदार है, लेकिन हाल ही में भारत से भेजी गई आमों की 15 खेप को अमेरिका ने लौटा दिया। इसका कारण विकिरण प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों में गड़बड़ी बताया गया। खुद को भारत का बेस्ट फ्रैंड कहने वाले अमेरिका ने 4 करोड़ के भारतीय आम की खेप बर्बाद कर दी है। ये खेप लॉस एंजिल्स, सैन फ्रांसिस्को और अटलांटा के एयरपोर्ट्स पर रोकी गईं। अधिकारियों का कहना है कि रेडिएशन प्रक्रिया के कागजात में गलतियां पाई गईं। यह प्रक्रिया फलों में मौजूद कीड़ों को मारने और उन्हें लंबे समय तक सुरक्षित रखने के लिए की जाती है। हालांकि, अमेरिकी सीमा शुल्क अधिकारियों ने दस्तावेजों में त्रुटियों का हवाला देते हुए खेप को स्वीकार नहीं किया। निर्यातकों के अनुसार, समस्या कीड़ों से नहीं, बल्कि कीड़ों को मारने की प्रक्रिया के दस्तावेजों में थी। ये आम 8 और 9 मई को मुंबई में विकिरणित किए गए थे, जहां अमेरिकी कृषि विभाग (USDA) के एक अधिकारी की देखरेख में प्रक्रिया हुई।

बांग्लादेश से प्लास्टिक का सामान व रेडीमेड कपड़े नहीं खरीदेगा भारत

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत सरकार ने प्लास्टिक के सामान और रेडीमेड कपड़ों सहित बांग्लादेश के बहुत सारे आयातों पर पाबंदी लगा दी है। शेख हसीना के पलायन के बाद बांग्लादेश भारत के साथ व्यापार में तमाम अड़ंगे लगा रहा था। ऐसे में पीयूष गोयल के नेतृत्व वाले वाणिज्य मंत्रालय ने आयातों पर पाबंदी लगाने का फैसला किया। भारत का यह कदम मुश्किलों से जूझ रहे बांग्लादेश के लिए और मुश्किलों वाला हो सकता है।

हालांकि, मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और पत्थर के आयात पर प्रतिबंध लागू नहीं होंगे। भारत की जो कंपनियां बांग्लादेश से सामान खरीदकर उनका निर्यात नेपाल और भूटान करती हैं, उन पर भी यह पाबंदी लागू नहीं होगी। लेकिन रेडीमेड वस्त्र, लकड़ी के फर्नीचर, प्लास्टिक और पीवीसी का तैयार माल, फल और कार्बोनेटेड पेय, बेक्ड सामान, स्नैक्स, चिप्स और कन्फेक्शनरी आइटम तथा सूती धागा आदि पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है कि हम बांग्लादेश से ऐसा बहुत सा सामान खरीदते हैं, जो भारत में ही बनाया जा सकता है। सरकार का फैसला है कि अब इस सामान पर विदेशी मुद्रा खर्च नहीं की जाएगी। यह सामान बनाने के लिए हम घरेलू विनिर्माताओं के लिए प्रोत्साहित करेंगे। बता दें कि पिछले वर्ष अगस्त में शेख हसीना सरकार के हटने के बाद से यह ढाका के खिलाफ दिल्ली की ओर से सबसे मजबूत जवाबी कार्रवाई है।

मोहम्मद यूनुस ने चीन में दिया था भारत विरोधी बयान

ये प्रतिबंध बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस द्वारा बीजिंग में दिए गए उस बयान के डेढ़ महीने बाद लगाए गए हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पूर्वोत्तर भारत चारों ओर से भूमि से घिरा हुआ है और ढाका इस पूरे क्षेत्र के लिए एकमात्र संरक्षक है। उन्होंने कहा था कि अगर यहां कुछ हो जाता है तो भारत की सेना पहुंच तक नहीं पाएगी।

समुद्री मार्ग से ही आएगा सामान

अधिसूचना में कहा गया है कि पाबंदियों के बावजूद बहुत सारी चीजें बांग्लादेश से भारत आएंगी। मछली, एलपीजी, खाद्य तेल और इमारती पत्थर का आयात होता रहेगा लेकिन यह सामान थलमार्ग से नहीं मंगाया जाएगा ताकि अवैध तरीके से कुछ भी न आ सके। यह सामान केवल जलमार्ग से आएगा और कोलकाता बंदरगाह से। बांग्लादेश से आने वाली सामग्री की निगरानी के निर्देश बंदरगाह प्रशासन को दे दिए गए हैं।

केरवा जलभराव क्षेत्र में कॉलोनी काटने के मामले में एनजीटी ने लिया संज्ञान, जांच के लिए कमेटी गठित

जागरण की खबर को बनाया आधार, कमेटी को 21 जुलाई तक बेंच को सौंपना होगी रिपोर्ट

जागरण संवाददाता, भोपाल। केरवा डैम के जलभराव क्षेत्र और एफटीएल सीमा के अंदर मिट्टी डालकर समतलीकरण करने के मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा संज्ञान लिया गया है। मामले में अतिक्रमण कारियों द्वारा 2 हजार डंपर कोपरा फेंककर वेट लैंड को समतल करने का प्रयास किया था, जिसे जागरण ने 16 अप्रैल को प्रमुखता से प्रकाशित किया था। एनजीटी ने जागरण में प्रकाशित खबर को आधार बनाते हुए मामले में राशिद नूर खान को पक्षकार बनाते हुए मप्र शासन से जवाब तलब करते हुए कलेक्टर भोपाल व नगर निगम कमिश्नर को 21 जुलाई तक पक्ष रखने के लिए कहा है। बता दें कि भोपाल मास्टर प्लान 2005 के अनुसार कलियासोत सहित वनों व अन्य स्थानों में मौजूद जलाशयों के किनारे से 33 मीटर तक की भूमि को ग्रीन बेल्ट के रूप में चिन्हित किया गया है। इसी को आधार बनाते हुए एनजीटी ने मामले में संज्ञान लिया है। बेंच ने डिस्ट्रिक मजिस्ट्रेट व कलेक्टर भोपाल, निगम कमिश्नर, एसडीएम कोलार, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड व मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को नोटिस जारी करते हुए 6 सप्ताह में जवाब देने को कहा है।

झीलें कर रही संकट का सामना

एनजीटी ने मामले में सुनवाई करते हुए कहा कि भोपाल की सभी प्राचीन झीलें और नदियां वर्तमान में एक खामोश संकट का सामना कर रही हैं, उनका पानी शासकीय उपेक्षा व प्रदूषण के कारण लगातार कम होता जा रहा है। शाहपुरा झील जो कभी सुंदरता और मनोरंजन का केंद्र हुआ करती थी। इसकी जैव विविधता प्लास्टिक के कचरे, सड़ते मलबे और जहरीले झाग के कारण खराब हो गई है। वहीं कलियासोत नदी का जलभराव क्षेत्र डंपिंग ग्राउंड में बदल गया है। अनुपचारित औद्योगिक अपशिष्ट और घरेलू सीवेज सोखता रहता है।

मामले में कमेटी गठित

बेंच ने जलाशय पर अतिक्रमण के मामले की गंभीरता को देखते हुए संयुक्त समिति का गठन किया है। यह समिति घटनास्थल का दौरा कर कार्रवाई रिपोर्ट बेंच के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति में कलेक्टर भोपाल, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय निदेशालय के पदाधिकारी, एमपी पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के सीनियर साइंटिस्ट और वेटलैंड प्राधिकरण के प्रतिनिधि घटनास्थल का दौरा कर छह सप्ताह के अंदर कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे।

नौकरी का झांसा देकर एई ने कार में महिला से किया दुष्कर्म

जागरण, जबलपुर। पंचायत विभाग में असिस्टेंट इंजीनियर ने नौकरी का झांसा देकर एक 35 साल की महिला को मिलने बुलाया और कार में उसका रेप किया। पीड़िता ने आरोपी लगाई की एई ने उसे सरकारी नौकरी दिलाने के बहाने मिलने बुलाया था। इसके बाद बड़े अधिकारी से मिलवाने कार से ले गया और रेप किया। इसके बाद जान से मारने की धमकी देकर जबलपुर बस स्टैंड पर छोड़कर भाग गया। घटना डिंडौरी में शनिवार शाम की है। पीड़िता ने देर रात जबलपुर के कुंडम थाने में आरोपी अफसर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई। आरोपी पंकज सिंह परिहार पंचायत विभाग में असिस्टेंट इंजीनियर है। एफआईआर होने के बाद आरोपी रविवार दोपहर परिवार के साथ शहर छोड़कर भाग रहा था लेकिन इसी बीच पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। महिला की शिकायत के मुताबिक कुछ समय पहले ही पंकज सिंह से उसकी दोस्ती हुई थी। इसके बाद से दोनों के बीच अक्सर फोन पर बात होने लगी। आरोपी ने महिला को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा दिया और डिंडौरी जिले में पंचायत विभाग के रिक्त पदों का हवाला देते हुए मिलने के लिए बुलाया। शनिवार की सुबह महिला एक्टिवा से दीनदयाल बस स्टैंड पहुंची, जहां से वह डिंडौरी रवाना हुई।

डिंडौरी से अमरकंटक ले गया आरोपी

डिंडौरी पहुंचने पर आरोपी ने कहा कि वरिष्ठ अधिकारी अमरकंटक गए हैं, वहीं चलकर मिलना होगा। इसके बाद वह महिला को अपनी कार में बैठाकर अमरकंटक ले गया, लेकिन वहां भी किसी अधिकारी से नहीं मिलवाया।

प्रदेश में 60 फीसदी से अधिक गेहूं का उपार्जन

विसं भोपाल। मध्यप्रदेश ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। प्रदेश अब पूरे देश में गेहूं उपार्जन में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। इस वर्ष प्रदेश में 60 प्रतिशत से अधिक गेहूं का उपार्जन हो गया है। मोबाइल कोर्ट के माध्यम से जमीनी विवाद, अतिक्रमण और सीमांकन जैसे पुराने लंबित प्रकरणों के त्वरित निपटारे किए जा रहे हैं। इस दौरान दोनों पक्षों की सहमति से मौके पर ही समाधान किया जा रहा है, जिससे जनता को न्याय सुलभ हो रहा है। इस संबंध में खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि इस वर्ष गेहूं उपार्जन में 60 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में एक बड़ी छलांग है।

शौर्य को त्योंथर के लोगों ने किया सलाम

विधायक के नेतृत्व में निकाली गई तिरंगा यात्रा

त्योंथर ब्यूरो। त्योंथर में शनिवार को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में शौर्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस दौरान भारत माता की जय व वंदे मातरम के उद्घोष से पूरा त्योंथर नगर गुंजायमान हो गया। विधायक सिद्धार्थ तिवारी राज के नेतृत्व में यह यात्रा गेस्ट हाउस पचमा से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए ,भैरव नाथ मंदिर पहुंची ।

यात्रा में भाजपा नेता-कार्यकर्ता, युवाओं के साथ हजारों नागरिकों ने भी इसमें भाग लिया। यात्रा को संबोधित करते हुए विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि यह तिरंगा यात्रा मां भारती और भारतीय सेना के शौर्य का जयघोष है। यह विजयी संकल्प का उत्सव है, जो हमारे जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के जरिये सिद्ध किया है। विधायक सिद्धार्थ तिवारी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारतीय सेना के पराक्रम की मिसाल है। उन्होंने बताया कि यह तिरंगा यात्रा वीर जवानों को श्रद्धांजलि और सम्मान देने का प्रतीक है। प्रत्येक देशवासी को भारतीय सेना के शौर्य पर गर्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने कूटनीतिक कौशल के साथ सैन्य सामर्थ्य का सही उपयोग कर विश्व को स्पष्ट संदेश दिया है कि अब भारत आतंक के खिलाफ चुप नहीं रहेगा।

तिरंगा यात्रा में ये हुए शामिल

तिरंगा यात्रा में गीता मांझी डॉ.अनिल तिवारी, अलख नारायण गुप्ता, विभव जायसवाल, विद्या सागर शुक्ला, सतीश केसरवानी, राज कुमार मिश्रा बबलू, घनश्याम यादव, समीर सिंह, वेद प्रकाश मिश्रा, कौशलेश द्विवेदी, गंगा द्विवेदी, डॉ.अशोक पांडेय, तुलाराम पाठक, ललित शुक्ला ,विनोद गौतम, योगेश तिवारी, विष्णु मिश्रा, संवेद्र त्रिपाठी, संदीप त्रिपाठी, काली चरण मिश्रा, रावेंद्र तिवारी, अनुपम तिवारी, आजाद अनिकेत, पं चंद्रशेखर युवा संस्थान त्योंथर के सभी सदस्य, अंकित शुक्ला, मधुर मिश्रा,नंदू, दयालु मिश्रा, धीरेश तिवारी, अतुल सिंह, मिलन आदिवासी समेत हज़ारों की संख्या में स्थानीय लोग शामिल हुए।

भारतीय सैनिकों के सम्मान में निकाली गई तिरंगा यात्रा

गुढ़ विधायक ने किया नेतृत्व तीनों मंडल अध्यक्ष सहित पूरे विधानसभा के कार्यकर्ता रहे शामिल

गुढ़ (नि.प्र)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरे देश में जश्न का माहौल है। गुढ़ विधानसभा क्षेत्र में भारतीय सैनिकों के सम्मान में भव्य तिरंगा यात्रा गुढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक नागेंद्र सिंह के नेतृत्व में श्री कष्टहरनाथ मंदिर प्रांगण गुढ़ से श्री ढरेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण खजुहा के लिए निकाली गई एक किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा का गुढ़ नगर, भीटी, महसाव, नैकिन, खजुहा सहित कई स्थानों पर स्वागत किया गया। यात्रा में सैकड़ों चारपहिया, पांच सौ की संख्या में दोपहिया वाहनों के साथ डेढ़ हजार लोगों ने हिस्सा लिया। तिरंगा यात्रा में देश के सम्मान में देश भक्ति गीतों की गूंज,भारतीय सेना के जय जय कारे के गगनभेदी नारे पूरे यात्रा में लगाए गए। तिरंगा यात्रा के प्रति अति उत्साह देखने को मिला। नौजवान से लेकर वरिष्ट जनों ने भी तिरंगा यात्रा में भरपूर हिस्सा लिया विधानसभा के चारों मंडलों के सहयोग से निकली गई तिरंगा यात्रा का समापन श्री ढरेश्वरनाथ मंदिर प्रांगण खजुहा में किया गया। उक्त अवसर पर विधायक नागेंद्र सिंह ने अपने उद्बोधन में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के लिए भारतीय सेना और देश वासियों को बधाई देते हुए भारतीय सेना के पराक्रम की सराहना की। तिरंगा यात्रा में प्रमुख रूप से भाजपा जिला महामंत्री अशोक सिंह गहरवार भारतीय जनता पार्टी मंडल गुढ़ के अध्यक्ष एड अनंत कुमार गुप्ता, मंडल गोविंदगढ़ के अध्यक्ष प्रदीप त्रिपाठी, रायपुर कर्चुलियान मंडल के अध्यक्ष अभिषेक सिंह, विधायक प्रतिनिधि बाबूलाल यादव, पूर्व मंडल अध्यक्ष अरुण सिंह गहरवार, कपूरचंद्र सोनी, अनिल सिंह गहरवार, डॉ.ओम प्रकाश मिश्रा, जमदाग्नि शर्मा, सहित सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।

हनुमना नगर में ट्रांसफार्मर जलने से 2 दिन से जीवन अस्त व्यस्त

हनुमना, नि.प्र.। हनुमान नगर के गांधी पार्क को सामने स्थित विद्युत ट्रांसफार्मर के 2 दिन से जल जाने की वजह से जहां सीधी रोड सब्जी मंडी तथा धर्मशाला के आसपास विशेष कर वार्ड क्रमांक 9, 10, 12 के लोगों का इस भीषण गर्मी में हवा पानी के बिना जनजीवन अस्त-व्यस्त हो चुका है। वहीं 18 मई को दोपहर 3:00 बजे से आए तूफान के बाद तो समूचे नगर व क्षेत्र में हाय तौबा मचा दिया है। लोगों ने जिले के कलेक्टर संजय जैन से गुहार लगाते हुए कहा है तत्काल हनुमान की लाइट व्यवस्था दुरुस्त की जाए । उल्लेखनीय है कि 17 मई को दोपहर 2: 00 बजे अचानक गांधी पार्क के सामने स्थित ट्रांसफार्मर के जल जाने से बार्ड क्रमांक 9, 10, 12 में अंधेरे का आलम जहां छा गया। वहीं हवा बिजली पानी की मार ने लोगों का जीवन इस भीषण गर्मी में अस्त व्यस्त करके रख दिया । वही 18 मई को आए भीषण आंधी तूफान के बाद तो समूचे नगर व क्षेत्र में लोगों को हाय तौबा करने को मजबूर कर दिया है। संवाददाता के अनुसार इस बारे में के दिनेश प्रसाद से बात करने पर एक एई कुंवर सिंह से बात करने की बात कही गई। और कुंवर सिंह से ट्रांसफार्मर जलने एवं लोगों के अस्त्र-व्यस्त जीवन के बारे में बात करने उन्होंने इस विषय में अनभिज्ञता जाहिर करते हुए कहां देखते हैं। दोबारा कई बार फोन लगाने पर फोन नहीं उठा । जबकि के दिनेश प्रसाद से पुनः फोन लगाने पर बताया कि उन्होंने ऊपर सभी अधिकारियों को इस विषय में सूचना दी है। रही बात लाइट की तो आज हम लोग 33 000 की लाइन भी आंधी तूफान के बाद जगह-जगह डिस्टर्ब हो गई है उसे ही सुधारने में लगे हैं। ट्रांसफार्मर जो जला है उसके के बारे में कुछ नहीं कहा जा सकता। इस प्रकार मऊगंज जिले के प्रमुख नगर हनुमान की हालत यह है कि 2 दिन से ट्रांसफार्मर जलने के बावजूद किसी अधिकारी द्वारा उदासीनता बरती जा रही है। हनुमना नगर के लोगों ने कलेक्टर संजय जैन से गुहार लगाते हुए कहा है कि गांधी पार्क हनुमान के सामने स्थित दो दिन से चले ट्रांसफार्मर को सुधारने के साथ ही नगर की अन्य बिगड़ी पड़ी विद्युत व्यवस्था को तत्काल सुधार कर जन जीवन को राहत प्रदान की जाए।

किरहाई ग्राम पंचायत में दर्जन भर से ज्यादा हैंड पंप खराब : आरोप

जवा ब्यूरो। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग खंड सिरमौर उपखंड जवा ग्राम पंचायत किरहाई में पानी का संकट अब जोरो से गहरा रहा है। प्रभारी मंत्री सहित जिला कलेक्टर ने पीएचई विभाग की बैठक लेकर साफ तौर पर निर्देष दिए थे कि एक हफ्ते के अंदर सभी गावों के खराब पड़े हैंडपंप तत्काल सुधार किए जाए लेकिन कलेक्टर का आदेश केवल हवा हवाई दिखाई दे रहा है। वही ग्राम पंचायत किरहाई के जलैया जोखूलाल पुर्वा वेलदारन टोला किरहाई में एक दर्जन से ज्यादा हैण्ड पम्प खराब पड़े हुए हैं। लोग पानी के लिए किलो मीटर पैदल चल कर पानी ला रहे हैं। ग्राम पंचायत वासियों का कहना है कि कुछ हैण्ड पम्पो में वाटर लेवल बहुत नीचे चला गया हैं और कुछ की राइजिंग पाइप खराब पड़े हैं । वाटर लेवल नीचे होने वाले बोरों में समर्सिबल की भी जरूरत है, वही ग्रामीणों ने सीएम हेल्पलाइन सहित कई बार फोन के माध्यम से सूचित किए हैं लेकिन पीएचई विभाग की उदासीनता से ग्रामीण पूरी तरह से परेशान हैं। इस संबंध में आनंद मिश्रा, भरद्वाज ओझा, रजनीश तिवारी, रामायण प्रसाद कोल, हेतलाल हरिजन सहित कई ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर से जल्द से जल्द सभी हैडपंप सुधार करने की मांग की है

गढ़ ग्राम में हुआ अखंड रामचरित मानस पाठ का आयोजन

श्रद्धालुओं ने की मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना

गढ़, नि.प्र.। जनपद पंचायत गंगेव के अंतर्गत ग्राम पंचायत गढ़, तहसील मनगवा में स्थित प्रसिद्ध जल सरोवर के उत्तर दिशा में स्थित कुलदेवी मनकटी माता मंदिर में 18 मई 2025 को अखंड रामचरितमानस पाठ का आयोजन श्रद्धा और भक्ति के साथ चालू है। इस आयोजन की पहल ग्रामवासी रामचंद्र तिवारी द्वारा की गई, जिसमें ग्रामवासियों सहित दूर-दराज़ से आए श्रद्धालुओं ने भी भाग लिया। पूरे दिन और रात चले इस अखंड पाठ में हरिवंश उर्फ़ दादी तिवारी, रोहित तिवारी, रमेश विश्वकर्मा, वीरप्पन विश्वकर्मा, उदल विश्वकर्मा समेत मानस मंडली के अन्य सदस्यों ने मधुर भजन और श्रीरामचरितमानस का पाठ किया गया । मनकटी माता को ग्राम की कुलदेवी माना जाता है, जिनकी पूजा ग्रामवासी सोमवार और गुरुवार को विशेष रूप से करते हैं। मान्यता है कि माता के दरबार में सच्चे मन से की गई प्रार्थना अवश्य फलदायी होती है।

रामचरितमानस पाठ की पूर्णाहुति के उपरांत आज 19 मई 2025 को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समस्त ग्रामवासी एवं आगंतुक श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद वितरण एवं सामूहिक भोज की में उपस्थित होने की प्रार्थना की गई है।

मामूली विवाद पर बरसाई लाठियां, दो घायल

हनुमना, नि.प्र.। संवाददाता के अनुसार मऊगंज जिले के हनुमना तहसील अंतर्गत शाहपुर थाना खटखरी में मामूली विवाद पर लाठी चलने का मामला सामने आया है। खटखरी निवासी कुंजलाल गुप्ता एवं रवि गुप्ता द्वारा जानकारी में बताया गया कि हम अपने घर के बाहर ट्रैक्टर द्वारा माटी गिरवा रहे थे तभी छोटी-मोटी विवाद पर वेदमणि द्विवेदी उर्फ छोटे आलोक द्विवेदी अपूर द्विवेदी द्वारा लाठी एवं प्लास्टिक पाइप से हमारे ऊपर हमला कर दिया गया, हम कुछ समझ पाते इसके पहले यह लोग योजना बद्ध तरीके से लाठियों से हमला कर दिए जिससे कुंजलाल गुप्ता, रवि गुप्ता गंभीर रूप से घायल हो गए , जिनका उपचार हनुमना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया और रीवा के लिए रेफर कर दिया गया । घटना तारीख 17 मई दिन शनिवार को 2:00 बजे हुई है जिसकी शिकायत एवं लिखित रिपोर्ट शाहपुर थाना अंतर्गत खटखरी चौकी में दर्ज की गई है । पीड़ित पक्ष ने पुलिस अधीक्षक मऊगंज से यह मांग है कि कुंजलाल गुप्ता के ऊपर हुए हमले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और आरोपियों को ऊपर कारवाई की जाए

अघोषित बिजली कटौती रहवासियों के लिए बनी मुसीबत

खाली पड़े टैंकर और अग्निशमन वाहन

मऊगंज ब्यूरो। संवाददाता के अनुसार जिले में बिजली की घोषित कटौती से जनजीवन अस्त-व्यस्त है । मूलभूत सुविधाएं कार्यालय व्यापार शादी विवाह जैसे कार्य पूरी तरह प्रभावित है साथ ही मूल सुविधाओं में भीषण जल संकट निर्मित है। वर्ष 2022 में मऊगंज जिले में बिजली व्यवस्था सुधारने के लिए 52 करोड रुपए दिए गए। वर्ष 2024 में नगर परिषद द्वारा एक करोड रुपए बिजली विभाग को दिए गए ताकि शहरी विद्युत व्यवस्था बेहतर हो सके। ग्रामीण अंचलों की बात छोड़ दी जाए तो शहर जहां जिले के बड़े दो अधिकारी जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक की कार्यालय संचालित है। बिजली की अघोषित कटौती सब के लिए चुनौती बनी है इतनी बड़ी राशि उपलब्ध होने के बाद भी केवल ट्रांसफार्मर और पोल का सुधार नहीं हो सका। बिजली विभाग की भ्रष्ट व्यवस्था और लापरवाही से क्षेत्रवासी संकट में है बिजली की कटौती के कारण समय पर पानी नहीं मिल रहा जहां उमस और गर्मी की वजह से पानी बेहद जरूरी है । नगर के सभी वार्डों में भीषण जल संकट है दैनिक उपयोग में पानी की पहली प्राथमिकता है 04 से 06 घंटे तक लगातार अघोषित कटौती पर ना बिजली विभाग ना नगर परिषद और ना ही जिला प्रशासन ध्यान दे रहा । लोगों के अनुसार दिन में 10 से 20 बार बिजली की अघोषित कटौती होती है जिससे जल संकट निर्मित है । वार्डों में 10 दिन से पानी नहीं मिल रहा बिजली न होने से निजी बोर भी बंद पड़े हैं।

इंटीग्रेटेड स्वास्थ्य शिविर में 112 हितग्राहियों को मिला स्वास्थ्य लाभ

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चाकघाट खाम्हा में हुआ संपन्न

गढ़, नि.प्र.। मध्य प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण भोपाल के द्वारा प्रायोजित और डॉ संजीव शुक्ला मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी जिला रीवा के निर्देशानुसार डॉ अनुराग शर्मा नोडल ऑफिसर एड्स नियंत्रण इकाई रीवा, डॉ आर के पाठक बीएमओ त्योंथर के मार्गदर्शन में इंटीग्रेटेड स्वास्थ्य शिविर का आयोजन पीएचसी खाम्हा चाकघाट में किया गया, जिसमें 112 हितग्राहियों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। स्वास्थ्य शिविर में डॉ हिमांशु सिंह द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य शिविर संपूर्ण सुरक्षा केंद्र मेडिकल कॉलेज रीवा तथा मैत्री एजुकेशन एंड सोशल वेलफेयर सोसाइटी रीवा के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। स्वास्थ्य शिविर में 78 एचआई व्हीवी/वीडीआर एल, हेपेटाइटिस बी, सी तथा 58 मरीजों का बीपी तथा 78 मरीजों की शुगर जांच की गई।

इनका रहा योगदान : शिविर में डॉ हिमांशु सिंह, डॉ अंकित सिंह काउंसलर, एसटीएस आदर्श द्विवेदी, सेक्टर सुपरवाइजर एआर अंसारी, एलटी अखिलेश कुशवाहा, एलटी दीपक सिंह, एसएस के मैनेजर पुष्पराज विश्वकर्मा, प्रोग्राम मैनेजर आशिफ खान, सीएचओ मिथिलेश कुमार, सीएचओ प्रीति मिश्रा, सीएचओ रुचि यादव, सीएचओ प्रतिमा वर्मा, एमपी डब्लू सुरुली त्रिपाठी, एनएम शिल्पा मिश्रा, आशा पर्यवेक्षक शैल तिवारी, काउंसलर बद्री प्रताप सिंह , सीएलएच बी के साकेत, सभी आशा कार्यकर्ताओं ने उपस्थित रहकर स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाया।

ग्रामीण बैंक वर्कर्स एवं ऑफिसर्स ने ग्वालियर में की बैठक

सिरमौर, नि.प्र.। भारतीय मजदूर संघ एवं एआईजीबीओ से सम्बद्ध मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक वर्कर्स ऑर्गेनाइजेशन मध्य प्रदेश ग्रामीण ऑफिसर्स आर्गेनाईजेशन रीवा के पदाधिकारी ग्वालियर के तानसेन रेजीडेंसी में आयोजित बैठक में सम्मिलित हुए । भारतीय मजदूर संघ के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक क्षेत्रीय कार्यालय के प्रबंधक ए के चौहान, संगठन के मार्गदर्शक अश्वनी चतुर्वेदी, संजय झा, संदीप रस्तोगी, दिलीप यक्ष,एआईजीबीओ के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण चन्द्रा, एमपीजीबीओ के महामंत्री सह एआईजीबीओ के राष्ट्रीय उपमहामंत्री जय कृष्ण शुक्ल , एमपीजीबीओ के अध्यक्ष अतुल प्रताप सिंह एआईजीबीओ के राष्ट्रीय सचिव संजीव त्रिपाठी, एमपीजीबीओ के महामंत्री सह एआईजीबीओके राष्ट्रीय सचिव हेमंत यादव, एमपीजीबीओ के उपमहामंत्री अभय राज सिन्हा ,एमपीजीबीओ के कोषाध्यक्ष मयंक तिवारी ,विजय मित्तल, आशुतोष अवस्थी , मोहित दुबे, सत्येंद्र रघुवंशी, रविन्द्र तोमर एवं संगठन के अन्य पदाधिकारीगण एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बस स्टैंड में लगता है नशेड़ियों का जमावड़ा

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज बस स्टैंड जो कि सार्वजनिक स्थल है जहां से क्षेत्र के दूरदराज के लोग आते हैं एवं अपने गंतव्य को जाते हैं तथा अन्य जरूरी कार्यों को करने के लिए वहां पर आते जाते रहते हैं। लेकिन देखने में आया है कि मऊगंज पुराने बस स्टैंड में वैसे तो पूरे दिन नशे का कारोबार चलता है। शाम ढलते ही वहां पर नशेड़ी इकट्ठा होकर खुले तौर पर नशा करते हुए रोज देखे जाते हैं लेकिन जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन की नाक के नीचे हो रहे इस कृत्य से सभी जानबूझकर अंजान बने हुए है जिस कारण से नगर के संभ्रांत नागरिकों का जीना मुश्किल है। अभी हाल ही में कुछ दिन हो पहले पुराने बस स्टैंड मऊगंज में स्थित शासकीय दुकान को हटाने के लिए धरना प्रदर्शन किया गया था एवं प्रशासन के सामने आपत्ति दर्ज कराई गई थी लेकिन राजस्व प्राप्ति का सरकारी शराब की दुकान एक माध्यम है ऐसा हवाला देकर उसे वहां से हटाया नहीं गया।

एमपी पावर ट्रांसमिशन कंपनी ने नहीं दिया मुआवजा, कलेक्टर से हुई शिकायत

मऊगंज ब्यूरो। एमपी पावर ट्रांसमिशन पैकेज थर्ड लिमिटेड के द्वारा मऊगंज से खैरा लाइन हेतु बड़े पोल टावर बिजली सप्लाई के लिए कृषकों की जमीन पर लगाया गया है । संवाददाता के अनुसार कंपनी द्वारा सूचना पत्र में जमीन फसल और अन्य कीमती वस्तुएं की नुकसान पर मुआवजा छतिपूर्ति देने का सूचना पत्र में उल्लेख किया गया है किंतु कई महीने बीत जाने के बाद मुआवजा नहीं दिया गया वहीं मऊगंज स्थित गेडूहा बरयाकला के कई कृषकों ने जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर मऊगंज से शिकायत की है जिसमें सूर्यमणि द्विवेदी ने आवेदन देकर मुआवजा दिलाने मांग की गई है जिसकी शिकायत जनसुनवाई के दौरान की गई है वहीं कलेक्टर द्वारा तत्काल कंपनी को नोटिस जारी करने निर्देशित किया गया कंपनी द्वारा ऐसे कई कृषकों को उनकी छतपुर नहीं दी गई है । क्षतिपूर्ति की राशि हड़पने की नीयत से कंपनी / ठेकेदार क्षेत्र से लापता है और कृषकों को झूठा अस्वाशन दे रहा है।

गुजरात की जीत के साथ आरसीबी और पंजाब भी प्लेऑफ में

टाइटंस ने दिल्ली को 10 विकेट से रौंदा, प्लेयर ऑफ द मैच सुदर्शन का नाबाद शतक

जेएनएन, नई दिल्ली

सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन के शतक और कप्तान शुभमन गिल के साथ उनकी अटूट दोहरी शतकीय साझेदारी से गुजरात टाइटंस ने केएल राहुल के शतक पर पानी फेरते हुए रविवार को आईपीएल के दूसरे डबल हेडर में दिल्ली कैपिटल्स को 10 विकेट से रौंदकर अंक तालिका के शीर्ष पर जगह बनाई और आईपीएल प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई कर लिया। लगातार तीन जीत के साथ टाइटंस के 12 मैच में 18 अंक हो गए हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और पंजाब किंग्स भी समान 12 मैच में 17-17 अंक के साथ प्लेऑफ में पहुंची। दिल्ली की टीम 12 मैच में 13 अंक के साथ पांचवें स्थान पर है और उसकी प्लेऑफ में जगह बनाने की राह मुश्किल होती जा रही है। दिल्ली ने पिछले छह मैच में सिर्फ एक जीत दर्ज की है। अब अंतिम प्लेऑफ स्थान के लिए दिल्ली और चौथे स्थान पर चल रहे मुंबई इंडियंस (14 अंक) के बीच मुकाबला है।

■ गुजरात टाइटंस आईपीएल में 200 प्लस टारगेट बिना विकेट गंवा चेज करने वाले पहले टीम बन गई है।

■ गुजरात ने तीसरी बार प्लेऑफ के लिए क्वालिफाई किया है। टीम 2022 में चैंपियन बनी थी। 2023 में रनर-अप थी, जबकि 2024 में लीग स्टेज से बाहर हो गई थी।

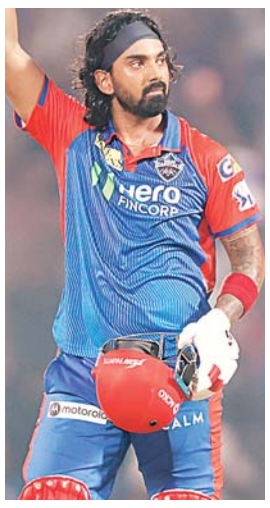

राहुल के रिकॉर्ड शतक पर फिरा पानी

केएल राहुल ने नाबाद 112 रन की पारी खेलने के अलावा अभिषेक पोरेल (30) के साथ दूसरे विकेट के लिए 90 और कप्तान अक्षर पटेल (25) के साथ तीसरे विकेट के लिए 45 रन की साझेदारी की, जिससे दिल्ली ने तीन विकेट पर 199 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। जवाब के टाइटंस ने सुदर्शन (नाबाद 108 रन) और कप्तान शुभमन गिल (नाबाद 93 रन) के बीच पहले विकेट की 205 रन की अटूट साझेदारी से 19 ओवर में बिना विकेट खोए 205 रन बनाकर आसान जीत दर्ज की। सुदर्शन और गिल ने पावरप्ले में बिना विकेट खोए 59 रन बनाकर टाइटंस को अच्छी शुरुआत दिलाई। इससे पहले टॉस गंवाकर बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली की शुरुआत धीमी रही। राहुल ने सिराज के पहले ओवर में दो चौके मारे, लेकिन फाफ डुप्लेसी 10 गेंद में सिर्फ पांच रन बनाने के बाद चौथे ओवर में अरशद खान की गेंद को मिड ऑन पर सिराज के हाथों में खेल गए।

■ केएल राहुल टी-20 क्रिकेट में पारियों के लिहाज से सबसे तेज 8 हजार रन पूरे करने वाले पहले भारतीय बन गए हैं। वे लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गए। उन्होंने 224 पारियों में यह आंकड़ा छुआ। राहुल ने विराट कोहली (243) का रिकॉर्ड तोड़ा है। सबसे तेज 8 हजार रन बनाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल (213 पारी) के नाम है। दूसरे नंबर पर पाकिस्तान के बाबर आजम (218 पारी) हैं।

05 वां शतक केएल राहुल का आईपीएल में है। वे आईपीएल में सर्वाधिक शतक लगाने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। राहुल से पहले विराट कोहली (8), जोस बटलर (7) और क्रिस गेल (6) हैं। राहुल आईपीएल में तीन अलग-अलग टीमों के लिए शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए। राहुल ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो शतक भी लगाए हैं, यह उनका सभी टी-20 मैचों में सातवां शतक है।

■ सुदर्शन और गिल के बीच 205 रनों की नाबाद साझेदारी हुई। यह किसी भी ओपनिंग जोड़ी के द्वारा निभाई गई तीसरी सबसे बड़ी साझेदारी है। इससे पहले गिल और सुदर्शन ने आईपीएल 2024 में 210 रन की साझेदारी निभाई थी।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स : 199/2 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
केएल राहुल नाबाद	112	65	14	4
डुप्लेसी का. सिराज बो. अरशद	5	10	0	0
पोरेल का. बटलर बो. किशोर	30	19	1	3
अक्षर का. किशोर बो. कृष्णा	25	16	2	1
ट्रिस्टन स्टब्स नाबाद	21	10	0	2

अतिरिक्त : 6, **कुल** : 20 ओवर में 3 विकेट पर 199 रन, **विकेट पतन** : 1-16, 2-106, 3-151, गेंदबाजी : सिराज 4-0-37-0, अरशद खान 2-0-7-1, रबाडा 2-0-34-0, कृष्णा 4-0-40-1, राशिद खान 4-0-32-0, साई किशोर 4-0-47-1.

गुजरात जाएंट्स : 205/0 (19 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
साई किशोर नाबाद	108	61	12	4
शुभमन गिल नाबाद	93	53	3	7

अतिरिक्त : 4, **कुल** : 19 ओवर में बिना विकेट गंवाए 205 रन, **गेंदबाजी** : अक्षर पटेल 3-0-35-0, टी नटराजन 3-0-49-0, मुस्तफिजुर रहमान 3-0-24-0, दुश्मांता चमीरा 2-0-22-0, विप्रज निगम 4-0-37-0, कुलदीप यादव 4-0-37-0.

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
गुजरात	12	09	03	18	0.795
बेंगलुरु	12	08	03	17	0.482
पंजाब	12	08	03	17	0.389
मुंबई	12	07	05	14	1.156
दिल्ली	12	06	05	13	0.207
कोलकाता	13	05	06	12	0.193
लखनऊ	11	05	06	10	-0.469
हैदराबाद	11	03	07	07	-1.192
राजस्थान	13	03	10	06	-0.701
चेन्नई	12	03	09	06	-0.992

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

साई सुदर्शन (गुजरात)	617
शुभमन गिल (गुजरात)	601
जायसवाल (राजस्थान)	523
सूर्यकुमार यादव (मुंबई)	510

पर्पल कैप (गेंदबाज)

प्रसिद्ध कृष्णा (गुजरात)	21
नूर अहमद (चेन्नई)	20
जोश हेजलवुड (बेंगलुरु)	18
ट्रेंट वोल्ट (मुंबई)	18

बाउंड्री मीटर

1006 छक्के
1794 चौके
118 अर्धशतक

यशस्वी जायसवाल आईपीएल में पहले ओवर में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले खिलाड़ियों में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए। उन्होंने पहले ओवर में 11 छक्के लगाकर विराट कोहली की बराबरी कर ली है।

वढेरा-शशांक के अर्धशतक के बाद बरार के तीन झटकों से पंजाब ने राजस्थान को 10 रन से हराया

पंजाब 11 साल बाद प्लेऑफ में

जेएनएन, जयपुर

पंजाब किंग्स ने रविवार को आईपीएल 2025 में डबल हेडर के पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स को 10 रनों से शिकस्त दी। इस जीत से पंजाब के 12 मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की तरह 17 अंक हो गए हैं। पंजाब आईपीएल में 11 साल बाद प्लेऑफ तक पहुंच सकी है। इससे पहले टीम ने 2014 में फाइनल तक का सफर तय किया था, लेकिन खिताबी मुकाबला हार गई थी। पंजाब की टीम दो बार प्लेऑफ तक पहुंची है। इसके अलावा टीम लीग स्टेज से ही हमेशा बाहर हुई है। पंजाब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नेहाल वढेरा (70) और शशांक सिंह (नाबाद 59 रन) के अर्धशतकों की मदद से पांच विकेट पर 219 रनों का बड़ा स्कोर बनाया, जिसके जवाब में राजस्थान सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान को यशस्वी जायसवाल और वैभव सूर्यवंशी ने तेज शुरुआत दिलाई थी। दोनों ही बल्लेबाजों ने 4.4 ओवर में ही स्कोर पर 76 रन टांग दिए थे। लेकिन पांचवें ओवर की पांचवीं गेंद पर बरार ने सूर्यवंशी का शिकार कर लिया। बरार ने 22 रन देकर तीन विकेट अपने नाम किए।

■ पंजाब ने 35 से कम रन पर 3 विकेट गिरने के बाद 219 रन बनाए, जो सबसे बड़ा स्कोर है। इसके साथ ही टीम ने लखनऊ का रिकॉर्ड तोड़ा है, जिसने 2023 में आरसीबी के सामने तीन विकेट खोने के बाद 213/9 का स्कोर खड़ा किया था।

■ आईपीएल में राजस्थान के होमग्राउंड पर पंजाब ने पहली पारी में हाईएस्ट टोटल बनाया। इसके साथ ही टीम ने मुंबई इंडियंस को पछाड़ा है। मुंबई ने मौजूदा सीजन में सवाई मानसिंह स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 217 रन जुटाए थे।

स्कोर बोर्ड

पंजाब किंग्स : 219/5 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
प्रियांश का. हेटमायर बो. तुषार	9	7	1	0
प्रभसिमनर का. सैमसन बो. तुषार	21	10	3	1
ओवेन का. सैमसन बो. मफाका	0	2	0	0
वढेरा का. हेटमायर बो. मधवाल	70	37	5	5
श्रेयस का. यशस्वी बो. रियान	30	25	5	0
शशांक सिंह नाबाद	59	30	5	3
अजमतउल्लाह ओमरजाई नाबाद	21	9	3	1

अतिरिक्त : 9 कुल : 20 ओवर में पांच विकेट पर 219 रन, विकेट पतन : 1-19, 2-34, 3-34, 4-101, 5-159, गेंदबाजी : फारूकी 3-0-39-0, तुषार देशपांडे 4-0-37-2, मफाका 3-0-32-1, रियान पराग 3-0-26-1, वानिंदु हसरंगा 3-0-33-0, आकाश मधवाल 4-0-48-1.

राजस्थान रॉयल्स : 209/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
जायसवाल का. ओवेन बो. हरप्रीत	50	25	9	1
सूर्यवंशी का. बार्टलेट बो. हरप्रीत	40	15	4	4
सैमसन का. यानसन बो. ओमरजाई	20	16	1	1
रियान पराग बो. हरप्रीत	13	11	0	1
जुरेल का. ओवेन बो. यानसन	53	31	3	4
हेटमायर का. बार्टलेट बो. ओमरजाई	11	12	1	0
शुभम दुबे नाबाद	7	7	0	0
हसरंगा का. प्रभसिमरन बो. यानसन	0	1	0	0
मफाका नाबाद	8	2	2	0

अतिरिक्त : 7, कुल : 20 ओवर में 7 विकेट पर 209 रन, विकेट पतन : 1-76, 2-109, 3-114, 4-,144 5-181, 6-200, 7-200, गेंदबाजी : अर्शदीप 4-0-60-0, मार्को यानसन 3-0-४1-2, बार्टलेट 1-0-12-0, हरप्रीत बरार 4-0-22-3, चहल 4-0-30-0, ओमरजाई 4-0-44-2.

हैदराबाद पर भारी लखनऊ

लखनऊ, जेएनएन। सनराइजर्स हैदराबाद का सामना सोमवार को मेजबान लखनऊ सुपर जाएंट्स से लखनऊ के इकाना स्टेडियम में होगा। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य टकराव के कारण एक सप्ताह के निलंबन के बार फिर से शुरू हो रही इस लीग में लखनऊ के कप्तान रिषभ पंत अब तक के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन को पीछे छोड़कर बल्ले से भी लय हासिल करना चाहेंगे। पिछले साल की उपविजेता सनराइजर्स पहले ही प्लेऑफ की दौड़ से बाहर हो चुकी है और वह प्रतिष्ठा के लिए खेलेगी। लखनऊ के नाम 11 मैचों में 10 अंक है, लेकिन नेट रन रेट माइनस 0.469 है। सनराइजर्स के कुछ खिलाड़ियों के लिए लय हासिल करने का एक अच्छा मौका होगा खासकर नीतीश कुमार रेड्डी और इशान किशन जैसे खिलाड़ी भारत-ए के इंग्लैंड दौरे से पहले कुछ उपयोगी पारियां खेलना चाहेंगे। लखनऊ के लिए मौजूदा सत्र में सबसे बड़ी निराशा कप्तान पंत का बल्ले से निराशाजनक प्रदर्शन है। पिछले साल आईपीएल नीलामी में 27 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड बोली के बाद वह रन बनाने के लिए संघर्ष करते रहे हैं। उन्होंने इस सत्र के 11 मैचों में 100 से कम की स्ट्राइक-रेट और 12.80 की औसत से 128 रन ही बनाए है।

सनराइजर्स और सुपर जायंट्स के बीच मैच आज 7:30 बजे से

■ लखनऊ और हैदराबाद के बीच अब तक कुल पांच मुकाबले हुए हैं, जिसमें लखनऊ का पलड़ा 4-1 से भारी है। हालांकि 2024 में हैदराबाद ने उन्हें 10 विकेट से करारी शिकस्त दी थी, जहां उन्होंने सिर्फ 9.1 ओवरों में 166 रन का पीछा किया था। यह एक रिकॉर्ड जीत थी।

■ इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच अब तक कोई मैच नहीं हुआ। इकाना की पिच की बात की जाए तो यहां पर इस साल दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने आने वाली टीम का पलड़ा भारी रहा है और उन्होंने पांच में से चार मुकाबले जीते हैं।

आवेश-शार्दुल हो सकते हैं लखनऊ के मुख्य हथियार

हैदराबाद के पास ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा की आक्रामक सलामी जोड़ी थी, लेकिन शुरुआती मैचों को छोड़ दिया जाए, तो इस जोड़ी ने निराश ही किया है। इस मैच में भी यह निराशा कायम रह सकती है क्योंकि लखनऊ के स्ट्राइक गेंदबाज आवेश खान और शार्दुल ठाकुर इस जोड़ी को परेशान करते हैं। आवेश ने इन दोनो बल्लेबाजों को दो-दो बार आउट किया है, जबकि अभिषेक तो आवेश पर सिर्फ 64 के स्ट्राइक रेट से रन बना पाते हैं। ठाकुर ने अभिषेक को आईपीएल मैचों में तीन बार आउट किया है, जबकि इस दौरान अभिषेक का स्ट्राइक रेट उनके खिलाफ 106 का रहा है।

भारत ने सैफ अंडर 19 चैंपियनशिप खिताब बरकरार रखा

पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को हराया

यूपिया (अरुणाचल प्रदेश), जेएनएन। भारत ने रविवार को पेनल्टी शूटआउट में बांग्लादेश को 4-3 से हराकर सैफ अंडर-19 फुटबॉल चैंपियनशिप का खिताब बरकरार रखा। नियमित समय के बाद मुकाबला 1-1 से बराबर था, जिससे नतीजे के लिए पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। भारत को दूसरे ही मिनट में कप्तान सिंगामायुम शमी ने बढ़त दिलाई, लेकिन बांग्लादेश ने 61वें मिनट में मोहम्मद जॉय के गोल की बदौलत बराबरी हासिल कर ली।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने डेटा विश्लेषकों को बर्खास्त किया

लंदन, जेएनएन। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से कुछ सप्ताह पहले अपने डेटा विश्लेषकों फ्रेडी वाइल्ड और नाथन लेमन को बर्खास्त कर दिया, क्योंकि मुख्य कोच ब्रैंडन मैकुलम अंतर्मन पर अधिक भरोसा करना चाहते हैं। इंग्लैंड का नया विश्व टेस्ट चैंपियनशिप चक्र 20 जून को हेडिंग्ले में भारतीय टीम के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज से शुरू होगा। द डेली टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, इंग्लैंड के दो वरिष्ठ क्रिकेट विश्लेषक नाथन लेमन और फ्रेडी वाइल्ड टीम का साथ छोड़ने जा रहे हैं। इससे पता चलता है कि राष्ट्रीय टीम आगे चलकर डेटा पर अधिक ध्यान नहीं देगी। रिपोर्ट के मुताबिक, लीमन और वाइल्ड क्रमशः इंग्लैंड के वरिष्ठ डेटा विश्लेषक और सीमित ओवरों के विश्लेषक है। दोनों राष्ट्रीय टीम के साथ अपनी भागीदारी समाप्त कर रहे हैं। रिपोर्ट में आगे कहा गया, दोनों ही इस महीने के अंत में वेस्टइंडीज के खिलाफ इंग्लैंड की सीमित ओवरों की सीरीज में शामिल नहीं होंगे। इस सीरीज से हैरी ब्रुक कप्तान के तौर पर अपने वनडे और टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज करेंगे। मैकुलम केवल डेटा पर आधारित दृष्टिकोण में विश्वास नहीं रखते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान का मानना है कि यह खेल के लंबे प्रारूप की तुलना में टी-20 प्रारूप के लिए अधिक उपयुक्त है। मैकुलम को यह भी लगता है कि सहायक कर्मचारियों की कम संख्या माहौल को सरल बनाए रखने में मददगार होती है।

खेल एक नजर

मनिका बत्रा और मानव विश्व टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दूसरे दौर में

दोहा, जेएनएन। भारत की स्टार टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा ने रविवार को सीधे गेम में जीत के साथ विश्व चैंपियनशिप के दूसरे दौर में प्रवेश किया, जबकि मानव ठक्कर ने भी अपने एकल अभियान की आत्मविश्वास से भरी शुरुआत की। 22वीं वरीयता प्राप्त मनिका ने महिला एकल मुकाबले में नाइजीरिया की फातिमा बेलो पर 4-0 (11-5, 11-6, 11-8, 11-2) से शानदार जीत दर्ज की। यह मुकाबला सिर्फ 24 मिनट तक चला। अब उनके सामने कोरिया की पार्क गाहियोन की चुनौती होगा। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त पुरुष एकल खिलाड़ी ठक्कर ने भी शानदार शुरुआत करते हुए पहले दौर में न्यूजीलैंड के टिमोथी चोई को 4-1 (11-3, 11-8, 6-11, 11-7, 14-12) से हराया। अठारह साल के अंकुर भट्टाचार्जी का सफर हालांकि शुरुआती दौर में खत्म हो गया। वह पुरुष एकल में हांगकांग के लैम सियू हैंग से 1-4 (11-4, 7-11, 9-11, 10-12, 8-11) से हार गए। युगल मुकाबले में नौवीं वरीयता प्राप्त मानुष शाह और दीया चिताले की जोड़ी ने अल्जीरिया के मेहदी बौलोसा और मालिसा नासरी पर 3-0 (11-2, 11-7, 11-6) से एकतरफा जीत दर्ज की।

बैडमिंटन : सबसे बड़े ग्रुप में नंदराजू सेमुअल की जोड़ी सेमीफाइनल में

भोपाल, खेप्र। एक लाख रुपए इनामी राशि वाली जिया बैडमिंटन प्रतियोगिता के सबसे बड़े ऐज ग्रुप 120+ में लक्ष्मीनारायण नंदराजू-थॉमस सेमुअल ने जी शेखर-हबीब हुसैन को 13-21, 21-19, 21-18 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। वहीं सबसे छोटे 70+ ग्रुप में अशोक गौंड-दुष्यंत सचदेवा ने सर्वेश गुप्ता-सतीश कुमार की जोड़ी को 21-11, 17-21, 21-12 से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। गोविंदपुरा जिया स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित प्रदेश की पहली मिक्स ऐज स्पर्धा में 70+ वर्ग के क्वार्टर फाइनल में मनीष नहारे-रवि राय ने दीपेंद्र कटियार-वसीम को 21-23, 21-6, 21-10 से शिकस्त दी। 80+ में रविंदर चावला-संदीप नियोगी ने भास्कर प्रशांत-जितेन्द्र कुमार जैन 21-4, 21-7 से, अरुण भाटिया-सुयोग ने मयंक सहिता-रीतेश शर्मा 11-21, 21-19, 21-19 मुकेश सिंह-रवि राय ने मोहित शाह-सौरभ चक्रवर्ती 21-9, 21-17 से हराया। 90 से अधिक के वर्ग में राकेश जोशी-रविवार ने एमएम खान-पवन शर्मा को 21-13, 21-14 से, सतीश कुमार-सुनील सातव ने मुकेश सिंह-विजेंद्र निकुम को 21-15, 9-21, 21-10 से और मनीष नहारे-रविन्दर चावला ने दुष्यंत सचदेवा-शैलेन्द्र सचदेवा को हराया।

ऐस कप पिकलबाल चैंपियनशिप 30 मई से

भोपाल। राजधानी के सलैया स्थित राजीव गांधी कॉलेज परिसर ऐस पिकलबाल क्लब में 30 मई से एक लाख रुपए इनामी राशि वाली ऐस कप पिकलबाल चैंपियनशिप आयोजित की जा रही है। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश के 200 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। आयोजन सचिव आदित्य सूर ने बताया कि भोपाल जिला पिकलबाल संघ के सहयोग से प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में चार केटेगरी रखी गई है। इसमें बिगिनर्स, ओपन, 35 प्लस व 40 प्लस शामिल है। इसके अंतर्गत पुरुष, महिला व मिक्सड डबल के मुकाबले खेले जाएंगे। विजेताओं को नकद पुरस्कार राशि दी जाएगी। उन्होंने बताया कि टूर्नामेंट में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। दुनिया में यह खेल पिछले कुछ सालों से तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

अरेरा प्रीमियर लीग : शिवाजी हाउस और जयहिंद ने किया जीत से आगाज

भोपाल, खेप्र। छत्रपति शिवाजी हाउस और जयहिंद ने रविवार को अरेरा प्रीमियर लीग इंटर हाउस क्रिकेट टूर्नामेंट में अपने-अपने मुकाबले जीतकर विजयी आगाज किया। ओल्ड कैंपियन मैदान पर पृथ्वी हाउस निर्धारित 25 ओवर के मैच 83 रन पर सिमट गई। यशराज सोलंकी ने 22 और धैर्य थापक ने 20 रन बनाए। शिवाजी हाउस के नीलकंठ कामदार ने 3, जबकि अक्षांश अहिरवार और आध्या रानडे ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में शिवाजी हाउस ने 7 विकेट खोकर आसानी से मुकाबला जीत लिया। पृथ्वी हाउस के धैर्य थापक को 2 सफलता मिली। वहीं अंडर-14 में सत्यमेव ने निर्धारित 30 ओवर में 6 विकेट खोकर 127 रन बनाए। विवान द्विवेदी ने 44 और युवराज सिंह ठाकुर ने 25 रन का योगदान दिया। जयहिंद के सुधांशु शुक्ला और प्रियांशी सिंह को 2-2 विकेट मिले। जवाब में जयहिंद ने 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। केतन रेवाड़ीकर ने 32 और अंजलि राजपूत ने 26 रन बनाए। सत्यमेव के लिए चारू शर्मा ने 4 और शानवी मंडलोई ने 2 विकेट लिए। इससे पहले टूर्नामें का शुभारंभ बीडीसीए के अध्यक्ष ध्रुव नारायण सिंह ने किया।

दैनिक जागरण

रीवा, 19 मई, 2025 | रीवा शहर | www.dainikjagranmpcg.com

Blend of 8 Effective Ayurvedic Oils

Dr. Juneja's डा.ऑर्थो® Ayurvedic Oil, Capsules, Spray & Ointment

ज्योतिष्मती तेल – रक्त संचारण में सुधार कर जोड़ों के लचीलेपन को बढ़ाने में सहायक है।
गन्धपुरा तेल – जोड़ों के दर्द, मांसपेशियों में अकड़न और गठिया में सहायक।
निर्गुण्डी तेल – नसों के दर्द और जोड़ों की ऐंठन में फायदेमंद है।
चीड़ तेल – मांसपेशियों व सम्पूर्ण जोड़ों के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक।
पुदीना तेल – इसके ठंडक देने वाले गुण दर्द एवं सूजन को शांत करते है।
कपूर तेल – जोड़ों में अकड़न एवं दर्द कम करने में उपयोगी।
तिल तेल – मांसपेशियों और जोड़ों के दर्द एवं सूजन के लिए लाभकारी।
अलसी तेल – जोड़ों और मांसपेशियों में सूजन कम करने में सहायक है।

Knee Pain | Back Pain | Shoulder Pain | Wrist Pain

8 गुणकारी आयुर्वेदिक तेलों से बना डा. ऑर्थो तेल अंदर तक समाकर दर्द को कम करने में सहायता करता है। आयुर्वेदिक तेलों का यह मिश्रण उपयोग करने में सुरक्षित है। इसे खुले जख्मों पर न लगाएं।

मिलते जुलते नामों, विज्ञापन से सावधान

Clinically Tested* *For efficacy and safety.
• 24x7 Helpline: 7876977777
• www.drorthooil.com

रिश्ते के साले ने युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर की थी हत्या

जागरण, रीवा। शहर के बिछिया थाना क्षेत्र से रायपुर कर्चुलियान के जोगिनहाई गए एक युवक की धारदार हथियार से गला रेतकर निर्मम हत्या करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मृतक अपने भाई की ससुराल जोगिनहाई गया हुआ था जहां रिश्ते के साले ने घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपी अशोक साकेत पिता रामप्रकाश साकेत 37 वर्ष निवासी जोगिनहाई को गिरफ्तार किया है, जबकि घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। बताया गया कि मृतक से आरोपी साला रंजिश रखता था, जिसके बाद प्लानिंग के साथ सोते समय उसका गला रेता गया। पुलिस ने बताया कि मृतक सुशील साकेत निवासी बिछिया रायपुर कर्चुलियान स्थित अपने भाई के ससुराल गया हुआ था, परिजनों ने बताया कि वह अक्सर अपने भाई के ससुराल आता जाता रहता था। शुक्रवार दोपहर जब वह कमरे में सो रहा था, तभी कमरे के अंदर ही उसकी धारदार हथियार से गला रेतकर आरोपियों ने जान ले ली थी।

चर्म, सौन्दर्य, एलर्जी एवं स्कीन केयर

डॉ. सिद्धार्थ तिवारी – MBBS, MD (Dermatology & STD)

मिलने का समय प्रतिदिन सुबह 10 से 2 बजे, सायं 4 से 7 बजे (रविवार अवकाश) – परामर्श शुल्क मात्र 300/-

चर्म, सौन्दर्य, नाखून, बाल, कुष्ठ, गुप्त (यौन) एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ

परामर्श- दाद, खाज, खुजली, मुंहासे, मस्से, अपरस, सोरायसिस, सफेद दाग, एक्जिमा, गंजापन, त्वचा की एलर्जी, नाखुनों का खराब होना, चेहरे पे दाग धब्बे, झाइयाँ, (Glow & Fairness), सेहुंआ, फोड़े, फुन्सी, गुप्त एवं यौन समस्या आदि।

कामता मेडिकल – ए-ब्लॉक समदड़िया, न्यू बस स्टैन्ड रीवा (म.प्र.) – 9399312433, 9981287311

शादी का झांसा देकर 5 साल तक दुष्कर्म करता रहा आरोपी

मनगवां पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

जागरण, रीवा। शादी का झांसा देकर एक युवक नाबालिग किशोरी से लगातार दुष्कर्म करता रहा। युवक द्वारा किशोरी से वायदा किया गया था कि जब वो दोनों बालिग हो जाएंगे तो शादी कर लेंगे। पूरा मामला मनगवां थाना क्षेत्र में सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के बाद मनगवां पुलिस दुष्कर्म का मामला पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार कर ली है। बताया जा रहा है कि बेलवा पैकान गांव में एक किशोरी के साथ युवक 5 साल से लगातार रेप करता रहा। युवक के द्वारा दलित वर्ग की किशोरी को शादी करने का झांसा दिया जा रहा था, साथ ही उसने किशोरी की मांग सिंदूर की जगह अपने खून से भरी थी। पीड़िता ने बताया कि एक साथ-सात फेरे लेने एवं पूरी जिंदगी साथ जीने का वादा करने के बाद आरोपी मुकर गया और शादी से इंकार कर दिया। बताया जाता है कि जिस वक्त से किशोरी के साथ रेप किया जा रहा था, उस समय पड़िता की उम्र महज 12 से 13 वर्ष की थी, जबकि आरोपी की उम्र 15 वर्ष थी। पूरे 5 साल से अधिक समय तक उसके द्वारा पीड़िता के साथ यह कहकर शरीरिक संबंध बनाता रहा कि जब हम लोग बालिग हो जाएंगे तो शादी कर लेंगे। लेकिन जब बालिग हो गए तो उसने शादी से इंकार कर दिया और पीड़िता ने पूरी घटना अपने परिजनों को बताई। जिसके बाद मामला मनगवां थाना पहुंचा। पुलिस के मुताबिक आरोपी के द्वारा युवती के साथ काफी लंबे समय से लगातार शरीरिक संबंध बनाया जाता रहा, फिर दगा किया। ऐसी स्थिति में आरोपी युवक शिवम कुशवाहा पिता यादवेंद्र कुशवाहा 21 वर्ष निवासी बेलवा पैकान के खिलाफ दुष्कर्म सहित पॉक्सो एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है।

14 साल की किशोरी की हत्या के बाद संदेही ने लगाई फांसी

एक साथ दो मौतों से गांव में खिंचा सनाका

मनगवां थाना क्षेत्र के बेला गांव में सामने आई सनसनीखेज वारदात

जागरण, रीवा

एक किशोरी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद संदेही का शव आम के पेड़ में फांसी के फंदे से लटकता मिला। पूरा मामला मनगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बेला गांव में रविवार की सुबह प्रकाश में आया। घटना सामने आने के बाद गांव मे सनाका खिंच गया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक कक्षा नवमीं की छात्रा की हत्या के बाद संदेही का शव घटना स्थल से कुछ ही दूर पर आम के पेड़ में फांसी के फंदे पर लटकता हुआ पाया गया। घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों की डेड बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए गंगेव सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक मृतका संध्या वर्मा उम्र 14 वर्ष पिता चंदन वर्मा कक्षा नवमीं की छात्रा थी। बताया गया है कि रविवार की सुबह तकरीबन 7.30 बजे वह घर में अपनी दो बहनों के साथ थी, इसी दौरान गांव का ही छोटेलाल कोल उसके घर पहुंचा जहां किशोरी का पहले उसने गला दबाया उसके बाद सर पर लोहे के खलबट्टे से हमला कर दिया, जिससे नाबालिग लड़की की मौत हो गई । इस बीच मृतका की बहन सहित उनके बाबा ने बचाने का प्रयास किया लेकिन आरोपी नहीं माना। घटना के कुछ ही देर बाद छोटेलाल का शव भी फांसी के फंदे से आम के पेड़ में लटकता हुआ पाया गया। फिलहाल घटना के पीछे की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। दो मौतों के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और पूरे मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद गांव सहित इलाके में सनाका खिंच गया है। वरिष्ठ अधिकारी भी मौके पर पहुंचे।

किशोरी संभालती थी दुकान

मनगवां पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक नाबालिग लड़की अपने घर में किराना की दुकान संभालती थी, रविवार को आरोपी, किशोरी के घर में संचालित दुकान में पहुंचा, इसी बीच किसी बात को लेकर उसका विवाद हो गया और मृतक युवक किशोरी के साथ मारपीट करने लगा। इस बीच किशोरी की गला दबाकर हत्या कर दी।

जिस समय किशोरी की हत्या की गई, उस समय घर में संचालित किराने की दुकान में मृतक की दो छोटी-छोटी बहनें भी थीं लेकिन वह कुछ भी नहीं कर पाईं। हल्ला गुहार के बाद मृतका संध्या के बाबा रामलाल वर्मा मौके में पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी घटना का अंजाम देकर भाग निकला था। फिलहाल पुलिस द्वारा परिजनों से घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है। वही इस घटना को विस्तार से जानने के लिए पुलिस तहकीकात कर रही है, घटना के बाद गांव में हड़कम्प मच गया।

महिला की हत्या के आरोप में दो गिरफ्तार, अन्य की तलाश जारी

पहड़िया में पाल परिवार के दो पक्षों में हुआ था विवाद

जागरण, रीवा। रायपुर कर्चुलियान थाना क्षेत्र के पहड़िया में गुरुवार को पाल परिवार के दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक महिला की मौत हो गई थी। आरोपी ने महिला के ऊपर बाइक चढ़ा दी थी। रायपुर कर्चुलियान पुलिस ने घटना के आरोपी मथुरा पाल पिता बुद्धसेन पाल 50 वर्ष निवासी पहड़िया व सूर्यभान पाल उर्फ भूरा पिता मथुरा पाल 30 वर्ष को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है, साथ ही घटना में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश पुलिस द्वारा की जा रही है। विदित हो कि 15 मई को आरोपियों ने पहले अनूप कुमार पाल के सिर पर पत्थर से वार किया। जब परिवार के अन्य सदस्य मौके पर पहुंचे तो आरोपी अजय पाल ने तेज रफ्तार बाइक भीड़ पर चढ़ा दी। इसमें श्यामकली पाल की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसकी नातिन रचना और पास खड़ी सुनीता गंभीर रूप से घायल हो गई थी, हालांकि इस घटना के बाद दूसरे पक्ष के आरोपी अजय को भी गंभीर चोट पहुंची और उसकी हालत भी नाजुक बताई जा रही थी। जिसके बाद पुलिस ने दोनों पक्षों से मामला पंजीबद्ध किया था।

गांजा की बिक्री करते महिला गिरफ्तार

रीवा। बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत ललपा बदरांव में बिछिया पुलिस ने एक महिला को अवैध गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। बिछिया थाना प्रभारी मनीषा उपाध्याय ने बताया कि बीते दिन शनिवार को मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए ललपा, बदरांव स्थित आरोपिया मुन्नी बाई बासुदेवा पति जुगराज बासुदेवा 43 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी महिला के कब्जे से पुलिस ने करीब पांच हजार रुपए कीमत का पांच सौ ग्राम अवैध गांजा व 9 सौ रुपए नकद जब्त किया है। पुलिस ने मामले में धारा 8/20(ख) एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

शिवकृपा अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर

आवश्यकता है

पद	पद संख्या	योग्यता
नर्स	4 पद	बी.एससी. नर्सिंग अथवा GNM
ओटी तकनीशियन	2 पद	ओटी तकनीशियन कोर्स
एनेस्थेशिया तकनीशियन	2 पद	एनेस्थेशिया तकनीशियन कोर्स
वार्ड बॉय	4 पद	

रिज्यूम जमा करने की अंतिम तिथि दिनांकः 27.05.2025
सिंधु भवन के सामने एस.ए.एफ. चौराहा, बिछिया रीवा (म.प्र.)
संपर्क सूत्र : 07662-355419, 7000861839

Minerva The Medicity – मिनर्वा द मेडिसिटी – मल्टी सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, रीवा

जन्मजात बाल्य हृदय रोग एवं बाईपास सर्जरी – आयुष्मान कार्ड के तहत निःशुल्क इलाज

फोर्टिस हॉस्पिटल के विशेषज्ञों द्वारा विशेष सूचना – दिनांकः 17,18,19 मई 2025 – कार्डियक सर्जरी पुनः निःशुल्क उपलब्ध

असुविधा से बचने के लिए पूर्व में ही रजिस्ट्रेशन करवाएं

खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैंड, रीवा (म.प्र.) – 9893516364, 8770288324 – टोल-फ्री नंबरः- 18008892250

पानी के विवाद में दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट, दो घायल

सेमरिया थाना क्षेत्र के कुम्हरा गांव की घटना

जागरण, रीवा। सेमरिया थाना क्षेत्र के कुम्हरा गांव में पानी को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पति पत्नी घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल लाया गया है। बताया गया कि एक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के ऊपर लाठी-डंडे से किए गए हमले में पति और पत्नी को गंभीर चोट पहुंची है। घटना के संबंध में घायल केशव दाहिया ने जानकारी देते हुए बताया कि पानी भरने के विवाद में गांव के ही रमाकांत दाहिया और उसके परिवार के लोगों ने मिलकर मारपीट की घटना को अंजाम दिया है। पीड़ित का आरोप है कि शनिवार की दोपहर जब वह घर में खाना खा रहा था, तभी उसके ऊपर एक दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी डंडे से हमला कर दिया। घटना के दौरान बीच-बचाव करने आई केशव की पत्नी से भी मारपीट की गई। पीड़ितों ने घटना की शिकायत सेमरिया पुलिस से की है, जिसके बाद पुलिस ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, वहीं मामला पंजीबद्ध कर पुलिस कार्रवाई में जुटी हुई है।

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर

आयुष्मान एवं कैशलेस द्वारा मुफ्त इलाज

कम – खर्च, दर्द, निशान, रक्तस्राव

लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
• गॉलब्लॅडर • अपेंडिक्स • सभी प्रकार के हर्निया • ओवेरियन सिस्ट
• डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी • हिस्ट्रेक्टमी • रेक्टप्रोलैप्स
• सुडोपेन कियाटिक सिस्ट • पेट संबंधित सभी प्रकार के ऑपरेशन

संपर्क करें – जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.) – 07662-356125, 8435896118

द हार्ट क्लीनिक

डॉ. शिरीष मिश्रा – M.D. मेडिसिन, .D.N.B. कार्डियोलॉजी, कंसल्टेंट इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट – हृदय रोग विशेषज्ञ

पूर्व कंसलटेन्ट - मैक्स हॉस्पिटल & B.L.कपूर हॉस्पिटल, नई दिल्ली

प्रतिदिन रहेंगे उपलब्ध

परामर्श – हार्ट अटैक, सीने का दर्द, ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, सांस फूलना, दिल की धड़कन अनियमित होना, चक्कर आना, स्टेंट, पेसमेकर, वॉल्व बायपास इत्यादि के मरीजों का फालो-अप, जन्मजात हृदय रोग।

जांच सुविधाएं – इकोकार्डियोग्राफी, टी एम टी, ई सी जी, होल्टर, ए बी पी एम, अत्याधुनिक पैथोलॉजी (खून एवं मूत्र जांच)

स्थान- आराध्या मेडिकल स्टोर – समदड़िया गोल्ड मॉल, शॉप नं. 27 मी एण्ड मोम्स के बगल में, बाल भारती स्कूल के सामने, सिरमौर चौक, रीवा (म.प्र.) – फोन न.- 07662 454917 मोबाइल न.- 9752244218 – सभी दवाईयों पर 10% की विशेष छूट

व्यवस्थापक :- राहुल तिवारी निरंजन मेडिकल

करंट की चपेट में आया आउट सोर्स कर्मचारी गंभीर

बीड़ा हॉस्पिटल के पास 11 हजार केव्ही लाइन में कर रहा था सुधार

जागरण, रीवा। हिनौती डीसी में पदस्थ बिजली विभाग का आउट सोर्स कर्मचारी रविवार की शाम हादसे का शिकार हो गया। बिजली लाइन के सुधार के लिए पोल में चढ़ा कर्मचारी अचानक करंट की चपेट में आ गया जिससे वह पोल से नीचे गिरा और उसे गंभीर अवस्था में उपचार के लिए संजय गांधी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक आउट सोर्स कर्मचारी अरविंद पाण्डेय पुत्र जगदीश पाण्डेय रविवार की शाम करीब 6 बजे बीड़ा हॉस्पिटल के पास 11 हजार केव्ही लाइन में सुधार के लिए खंभे में चढ़े हुए थे, इसी दौरान अचानक करंट चालू हो गया जिससे अरविंद उसकी चपेट में आ गए और वो नीचे गिर गए। हादसे में आउट सोर्स कर्मचारी के हाथ पांव, मुंह व शरीर में गंभीर चोट पहुंची है। घटना की जानकारी के बाद विंध्य आउट सोर्स कर्मचारी संगठन के अध्यक्ष दिलीप शर्मा सहित पदाधिकारी अस्पताल में मौजूद रहे और घटना की जांच कर घायल की मदद की मांग शासन प्रशासन से की है।

पड़ोसी गाली-गलौज कर जान से मारने दे रहा धमकी

रीवा। शहर के समान थाना क्षेत्र अंतर्गत नेहरू नगर में बीती रात एक युवक ने अपने पड़ोसी के साथ गाली गौलज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। 62 वर्षीय पीड़ित सुरेंद्र सिंह बघेल ने आरोप लगाया कि बीती रात उसका पड़ोसी सत्यम द्विवेदी उनके घर के सामने बने प्लास्टिक के शेड पर पत्थर मार दिया जिससे शेड टूट गया। जब उन्होंने इस पर आपत्ति जताई तो युवक ने उनके साथ गाली गलौज की साथ ही मारपीट कर जान से मारने की धमकी दी। रविवार को पीड़ित ने मामले की शिकायत समान पुलिस से करते हुए जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

विंध्य की एक मात्र महिला चर्म रोग विशेषज्ञ

डॉ. कोम्पल अग्रवाल – MBBS, MD (Dermatology & STD) – चर्म, सौंदर्य, नाखून, बाल, यौन, एवं कुष्ठ रोग विशेषज्ञ

समय- प्रतिदिन सुबह 10 से 2 एवं शाम 4 से 7 बजे तक, रविवार अवकाश

परामर्शः- दाद, खाज, खुजली, एक्जिमा, सोरायसिस, सफेद दाग, चेहरे की कील, मुंहासे, बालों का झड़ना, गंजापन, इत्यादि समस्त चर्म, नाखून, बाल एवं यौन संबंधी समस्याएं।

विशेषः- Co2 एवं MNRF LASER के द्वारा पिम्पल के गड्ढे, दाग, झुर्रियां Stretch Marks, आदि के लिए इलाज की सुविधा

परामर्श शुल्क 300/- – मो.-7247097637

सौन्दर्य क्लीनिक शॉप नं. 86 तानसेन कॉम्पलेक्स कृष्णा राजकपूर ऑडिटोरियम के सामने सिरमौर चौराहा रीवा (म.प्र.)

DTE - काउंसिलिंग कोड 608

श्री रामकृष्ण कॉलेज ऑफ फार्मेसी

पीसीआई/9649 द्वारा अनुमोदित, आरजीपीवी भोपाल द्वारा संबद्ध

डी.फार्मा – रजिस्ट्रेशन के लिए तुरंत संपर्क करें-

पता- ग्राम देवरा, गुरुकुल स्कूल के पास, चोरहटा, रीवा (म.प्र.)
मो.: 9584324641,6262084843,7470944611

मिनर्वा आई.व्ही.एफ. (टेस्ट ट्यूब बेबी सेन्टर) – (निः संतान दंपतियों के लिए)

कम खर्च बेहतर इलाज – सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ट्यूब बेबी सुविधा

उपलब्ध सुविधाएँ – • IUI, IVF, ICSI • फ्रोजन एंब्रियो ट्रांसफर साइकिल (FET) • एग फ्रीजिंग • एंब्रियो फ्रीजिंग • स्पर्म फ्रीजिंग

डॉ. ज्योति ओझा मिश्रा – स्त्री एवं प्रसूति रोग, निःसंतानता रोग एवं टेस्टट्यूब बेबी विशेषज्ञ – MBBS, MD (ऑब्स & गायनी) – फैलोशिप इन रिप्रोडक्टिव मेडिसिन एण्ड लैप्रोस्कोपिक सर्जरी

मध्यप्रदेश की प्रथम एवं अत्याधुनिक ICSI मशीन द्वारा इलाज उपलब्ध

टोल फ्री : 18008892250, मो.: 8878819362, 9303733830
खन्ना टॉवर, पुराना बस स्टैण्ड, रीवा

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**

कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com